बुधवार
25 सितंबर 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बापू के विचार व आदर्श को जान सकेंगी युवा पीढ़ी : सीएम नीतीश

2

उत्तर प्रदेश में ढाबों-रेस्टोरेंट व खान-पान के प्रतिष्ठानों की होगी सघन जांच

- मुख्यमंत्री योगी बोले- जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट मिलाना वीभत्स, यह सब स्वीकार नहीं
- शेफ हो या वेटर, लगाना होगा मास्क और ग्लव्स, होटल रेस्टोरेंट में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य
- अपशिष्ट आदि गंदी चीजों की मिलावट की तो संचालक पर होगी कठोर कार्रवाई

खान-पान के केंद्रों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि का नाम और पता डिस्प्ले करना होगा अनिवार्य

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट, गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में घटीं ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी होटलों/ढाबों/रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा दिये गए प्रमुख दिशा-निर्देश इस प्रकार हैं:- हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं। ऐसे ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है। प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन किया जाए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस व स्थानीय प्रशासन संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही शीघ्रता से सम्पन्न कराई जाए।

खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से डिस्प्ले किये जाने चहिये। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए। ढाबे/होटलों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी की व्यवस्था हो। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सीसीटीवी से कवर होना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा।

आम जन के स्वास्थ्य हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

खान पान के केंद्रों पर साफ-सफाई होनी चाहिए। यह सुनिश्चित करें कि खाद्य पदार्थों को तैयार करने तथा सर्विस के समय संबंधित व्यक्ति मास्क/ग्लव्स का उपयोग जरूर करें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आम जन के स्वास्थ्य हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। ऐसा प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए। खाद्य पदार्थों को बनाने, बेचने अथवा अन्य संबंधित गतिविधियों से जुड़े नियमों को व्यवहारिकता का ध्यान रखते हुए और सख्त किया जाए। नियमों की अवहेलना पर कार्रवाई होनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव के दूसरे चरण के लिए मतदान आज

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में बुधवार को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामुला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे।

खबरें फटाफट

मिर्जापुर स्टेशन के पास दो ट्रेनों पर पथराव, एक घायल

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर मिर्जापुर रेलवे स्टेशन के आसपास सोमवार को दो प्रमुख ट्रेनों पर पथराव की घटनाएं सामने आईं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। सीमांचल एक्सप्रेस और महाबोधि एक्सप्रेस को निशाना बनाते हुए अज्ञात लोगों ने पथराव किया, जिसमें सीमांचल एक्सप्रेस का एक यात्री घायल हो गया। पहली घटना उस वक्त हुई जब सीमांचल एक्सप्रेस डाउन, प्रयागराज से चलने के बाद यमुना ब्रिज के पास पहुंची। अचानक कुछ अज्ञात लोगों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया, जिससे बिहार के बेगूसराय जिले के चकिया रूपनगर बरौनी निवासी सुजीत नामक यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि इस घटना में उनके मुंह पर चोट आई। ट्रेन के मिर्जापुर पहुंचने पर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरी घटना में शाम 7:21 बजे गया से नई दिल्ली जा रही महाबोधि एक्सप्रेस को निशाना बनाया गया। मिर्जापुर स्टेशन के पास गार्ड के कोच पर अराजक तत्वों ने पथराव किया।

नर्सिंग छात्रा के साथ गैंगरेप का मामला निकला फर्जी

चेन्नई। तमिलनाडु में नर्सिंग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला फर्जी साबित हुआ। नर्सिंग की छात्रा ने दावा किया था कि अज्ञात आरोपियों ने उसका अपहरण कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने जब इस मामले की छानबीन की तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई। पुलिस ने बताया कि घटना की शिकायत के बाद छात्रा को मेडिकल जांच के लिए डिंडीगुल सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में पुलिस को अपहरण या यौन उत्पीड़न का कोई सबूत नहीं मिला है।

पटना के फुलवारी शरीफ के रहने वाले जाहिद पर घोषित था एक लाख रु. का इनाम

आरपीएफ के दो जवानों को ट्रेन से फेंकने का आरोपी मो. जाहिद एनकाउंटर में ढेर

- गाजीपुर के दिलदारनगर इलाके में हुई फायरिंग के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मारा गया आरोपी
- उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल .32 बोर, दो खोखा कारतूस और एक बैग अवैध देसी शराब बरामद

एजेंसी/गाजीपुर

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में आरपीएफ के दो कांस्टेबलों को चलती ट्रेन से फेंकने के आरोपी मोहम्मद जाहिद को एसटीएफ ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। एसटीएफ की नोएडा और गाजीपुर पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में उसे गोली लग गई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी जाहिद पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। मोहम्मद जाहिद बिहार की राजधानी पटना के फुलवारी शरीफ का रहने वाला था। उसके ऊपर अपहरण, मारपीट और शराब तस्करी के कई केस दर्ज हैं। यह एनकाउंटर गाजीपुर के दिलदारनगर थाना इलाके में हुई। जाहिद शराब तस्करों की गैंग से जुड़ा हुआ था। उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल .32 बोर, दो खोखा कारतूस और एक बैग अवैध देसी शराब बरामद हुई। दो कांस्टेबलों की मौत के मामले में अब तक 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई है। पुलिस ने प्रेमचंद वर्मा को 28 अगस्त को गिरफ्तार किया। वहीं इसके बाद बिलेंद्र पासी, रवि कुमार, विनय, पंकज और रवि पुत्र बिंदेश्वरी को भी गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार सोमवार को पुलिस की टीम को सूचना मिली कि बदमाश जाहिद दिलदारनगर गहमर रेल लाइन के किनारे शराब तस्करी के लिए खड़ा है। पुलिस ने उसकी घेराबंदी कर दी। बदमाश जाहिद ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसमें दो कांस्टेबल घायल हो गए। पुलिस टीम ने जवाबी कार्रवाई करते हुए जाहिद पर फायरिंग की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

20 अगस्त को की गई थी जवानों की हत्याः गाजीपुर से गुजर रही बाड़मेर एक्सप्रेस में 20 अगस्त की रात 2 आरपीएफ जवानों की ट्रेन से फेंक कर हत्या कर दी गई थी। मृतक आरपीएफ के दो सिपाही जावेद और प्रमोद पटना ट्रेनिंग के लिए जा रहे थे। इसी दौरान कुछ बदमाशों ने कुछमन रेलवे स्टेशन के आसपास ट्रेन में चेन पुलिंग कर शराब तस्करी की कोशिश की। इसका विरोध आरपीएफ जवान जावेद और प्रमोद ने किया तो शराब तस्करों ने मारपीट कर उन्हें चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद गहमर थाने में दोनों सिपाहियों की हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। इनमें आरपीएफ जवान जावेद गाजीपुर के दिलदारनगर इलाके के देवता गांव के रहने वाले थे, जबकि प्रमोद बिहार के आरा जिले के रहने वाले थे।

परिजनों ने एनकाउंटर को बताया फर्जी, मां बोली- बेटे का अपराध से कोई नाता नहीं था

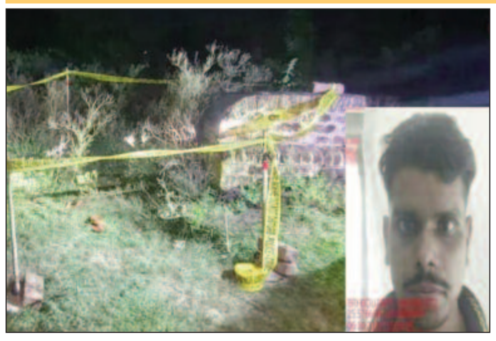

मोहम्मद जाहिद के परिजनों ने पुलिस एनकाउंटर पर सवालिया निशान खड़े कर दिये हैं। मो. जाहिद के परिजनों ने एनकाउंटर को फर्जी बताया है।मोहम्मद जाहिद के एनकाउंटर में मारे जाने पर पिता मुस्तफा और मां साजिदा खातून ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि उनके बेटे का अपराध से कोई लेना देना नहीं था। जाहिद पर किसी थाने में कोई भी आपराधिक मामला भी दर्ज नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि मोहम्मद जाहिद को रविवार देर शाम तक फुलवारी शरीफ में देखा गया। उसके बाद से वह लापता हो गया था। वहीं सोमवार सुबह जानकारी हुई कि पुलिस ने उसका एनकाउंटर कर दिया। वहीं मोहम्मद जाहिद के मामा असगर अली ने भी पुलिस मुठभेड़ को फर्जी बताया है। उन्होंने पुलिस पर गंभीर आरोप भी लगाये हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस मोहम्मद जाहिद को पहले घर से उठाकर ले गयी और फिर उसका एनकाउंटर कर दिया।

नशे में धुत ट्रक चालक ने ऑटो को रौंदा, 7 की मौत

मध्य प्रदेश के दमोह के देहात थाना क्षेत्र का मामला

एजेंसी/दमोह

दमोह में मंगलवार को भीषण हादसा हो गया। देहात थाना क्षेत्र के समन्ना गांव के आगे बांदकपुर रोड पर ट्रक ने आगे जा रहे ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। तीन घायल हैं। सूचना पर पुलिस पहुंची और ट्रक में फंसे ऑटो से शव और घायलों और को जेसीबी से बाहर निकाला।

जानकारी के मुताबिक, हादसा इतना भीषण था कि ट्रक के नीचे ऑटो फंस गया। सूचना पर पुलिस पहुंची और ट्रक के नीचे से फंसे ऑटो को जेसीबी से निकाला गया। ऑटो में कुल 10 लोग सवार थे। हादसे में ऑटो चालक आलोक गुप्ता समेत 7 लोगों की जान चली गई। गायत्री पति सिद्धू, रीता बाई पति राजेश और एक बच्चा घायल हैं। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मेडिकल जांच के लिए उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची। वह इतने नशे में था कि कुछ भी बोलने की हालत में नहीं था।

इस हादसे के बारे में बताया गया है कि दमोह तरफ से एक ऑटो में सवार होकर गुप्ता परिवार के लोग बांदकपुर दर्शन करने जा रहे थे कि पीछे से आ रहे लोडर ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। जिसमें ऑटो चकनाचूर हो गया। घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। दमोह के पुलिस अधीक्षक शर्त कीर्ति सोमवंशी ने बताया कि घटना में सात लोगों के मौत की खबर है और कुछ लोग घायल हैं। घायल अभी यह बताने में वह सक्षम नहीं हैं कि वह कहां के हैं और मृतक लोग कौन थे।

मोतिहारी में बड़ा हादसा... नहाने के दौरान तालाब में डूबने से तीन लड़कियों की मौत

केटी न्यूज/पटना

जितिया पर्व पर नहाने गई तीन लड़कियों की डूबने से मौत हो गई। घटना मंगलवार को मोतिहारी जिले के लखौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर टोला-कटहरिया टोला में हुई, जहां निजी पोखरा में स्नान करने के दौरान लड़कियों की मौत हो गई। मृत लड़कियों की पहचान लखौरा थाना क्षेत्र के नौरंगिया पंचायत के लक्ष्मीपुर साव टोला के निवासी शिवपूजन राम की दो पुत्री रंजू कुमारी, मंजू कुमारी और परमानंद बैठा की पुत्री रीमा कुमारी के रूप में हुई है। रीमा शादीशुदा थी। इसी वर्ष शादी हुई थी। मिली जानकारी के अनुसार जितिया पर्व पर परिजनों के साथ तीनों सरेह में पोखरा में स्नान करने गईं थीं। स्नान करने के दौरान तीनों लड़की एकाएक गहरे पानी मे चली गईं और डूब गई।

महिलाओं ने ग्रामीणों को इस घटना की सूचना दी। इस पर ग्रामीण पहुंचे। ग्रामीणों के प्रयास से एक लड़की के शव तालाब से निकाल लिया गया। वहीं, दो लड़कियों के शव को स्थानीय गोताखोर ने निकाला। सूचना मिलते ही लखौरा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। नौरंगिया पंसस खुशबू कुमारी ने बताया कि राजस्व कर्मचारी को बुलाया गया है। तीनों लड़की की मौत मामले की रिपोर्ट सीओ को सौंपा जाएगा। जिसके बाद आपदा विभाग से सहायता राशि परिजनों को जल्द दी जाएगी। लखौरा थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि लक्ष्मीपुर साव टोला में महिलाओं समेत बच्चियां पोखरा में स्नान करने गई थीं जहां डूबने से तीन लड़कियों की मौत हो गई। ग्रामीणों और गोताखोरों की सहयोग से तीनों शव को निकाल लिया गया है। पुलिस अग्रतर कार्रवाई में लगी है।

पटना में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से दो युवकों की मौत

पटना। पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इससे घटनास्थल पर ही 2 युवकों की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एनएमसीएच भेजा। पुलिस मृतक की पहचान में जुट गई है। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रैक्टर पूरब दिशा की ओर से आ रही थी। गाड़ी की स्पीड बहुत थी। इस दौरान सोहगी मोड़ के पास बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया।

कविता लिखने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें सीएम आवास में किया तलब

छोड़ दीजिए... कविता पर घिरे जदयू के मंत्री अशोक चौधरी

केटी न्यूज/पटना

जदयू के मंत्री अशोक चौधरी ने एक कविता पाठ को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। अशोक चौधरी ने किसी का नाम तो नहीं लिखा है, मगर सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा चल उठी कि उन्होंने नीतीश कुमार के लिए ही लिखा है। 'छोड़ देने' की नसीहत देते नजर आए। इससे पहले पोस्टर के जरिए पार्टी के भीतर गुटबाजी हुई थी। जिसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबियों में से एक विजेंद्र यादव ने सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई थी। ये फटकार तब

लगाए गए, जब पार्टी की एक बड़ी बैठक पटना में हो रही थी। इसी दौरान इंजीनियर डे के मौके पर गलत तरीके से अखबार में फ्रंट पेज विज्ञापन दिया गया था, जिस पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया था।

छोड़ देने' की नसीहत देते हुए 9 लाइनों की कविता लिखने की वजह से पार्टी के प्रकोप का सामना अशोक चौधरी कर रहे हैं। कविता लिखने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें सीएम आवास में तलब किया। बताया जा रहा है कि वहां, उन्हें फटकार पड़ी है। सीएम आवास से निकलते वक्त उन्होंने पत्रकारों से कोई बात नहीं की। हालांकि, सोशल मीडिया पर उन्होंने जरूर एक पोस्ट की। फोटो में दिख रहा है कि नीतीश कुमार उनके कंधों पर हाथ रखे हुए हैं। अशोक चौधरी ने लिखा, 'कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना', तो सुनी सुनाई बातों पर ध्यान देना 'छोड़ दीजिए।

बिहार में जदयू कोटे से मंत्री अशोक चौधरी इस पूरे मामले पर सफाई देने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'नीतीश कुमार उनके अभिभावक तुल्य जैसे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कोई सवाल नहीं उठाया है। सवाल उठाने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता है। लेकिन जो कविता उन्होंने लिखी है, वो बच्चे अपने अभिभावकों की बात नहीं सुनते इसे ध्यान में रखकर लिखा गया है।

बोले स्वास्थ्य मंत्री... बिहार पहला राज्य बनेगा जहां होंगे दो एम्स

♦ दरभंगा एम्स के लिए सरकार ने उपलब्ध करा दी पूरी जमीन

केटी न्यूज/पटना

बिहार के दरभंगा जिले में एम्स निर्माण को तीव्र गति प्रदान करने के लिहाज से बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेशानुसार एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) को जमीन हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली। एम्स निर्माण के लिए शेष बची 37.31 एकड़ जमीन भी हस्तांतरित कर दी। एम्स निदेशक को विभाग के विशेष सचिव ने जमीन के कागजात सौंप दिए। कार्यक्रम के दौरान सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि दरभंगा एम्स निर्माण के लिए बिहार सरकार ने 150.13 एकड़ जमीन केंद्र सरकार को पूर्व में हस्तांतरित कर दी गई थी। शेष 37.31 एकड़ जमीन और हस्तांतरित हो गयी। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत भी मौजूद थे। मंगल पांडेय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 2019-20 में दरभंगा में बिहार के दूसरे एम्स की स्वीकृति प्रदान की गई थी। 750 बेड वाले इस अस्पताल के लिए 2020 में 1 हजार 264 करोड़ राशि की मंजूर की गई थी। वर्तमान में संस्थान को नए स्वरूप में बनाने हेतु आईआईटी दिल्ली को जिम्मेदारी दी गई है, जिसमें अनुमानित व्यय और अधिक होगी। जिससे आठ करोड़ से ऊपर मिथिला वासियों सहित नेपाल और पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों को सुलभ स्वास्थ का सपना साकार होकर अब हकीकत में बदलने जा रहा है।

187.44 एकड़ जमीन निर्धारित की गई: स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि जमीन का दस्तावेज स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव शशांक शेखर सिन्हा ने एम्स के कार्यपालक निदेशक सह सीईओ माधवानंद को सौंपा। दरभंगा एम्स के निर्माण के लिए कुल 187.44 एकड़ जमीन निर्धारित की गई है। जिसे सौंपने की प्रक्रिया माननीय मुख्यमंत्री के प्रयासों से पूर्ण हो गई। इस परियोजना से क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे में सुधार होगा और स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शोभन बाईपास की जमीन को एम्स निर्माण के लिए उपयुक्त बताया था। इसका निर्माण कार्य शीघ्र प्रधानमंत्री के द्वारा नींव रखकर माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ शुरू किया जाएगा। जिसकी घोषणा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा कर चुके हैं।

सफलताः रोहतास में दस लाख रुपये के गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

♦खेप यूपी के वाराणसी से रोहतास के डेहरी लाई जा रही थी

केटी न्यूज/सासाराम

बिहार के रोहतास जिले के डेहरी से पुलिस ने कार से भारी मात्रा में गांजा की खेप को बरामद किया है। इसके साथ ही पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। दरअसल, गांजे की बड़ी खेप उत्तर प्रदेश के वाराणसी से रोहतास के डेहरी लाई जा रही थी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डिहरी-1 कोटा किरण कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि भारी मात्रा में मादक पदार्थ को डेहरी लाया जा रहा है। इसके बाद रोहतास एसपी रोशन कुमार के आदेश पर डीएसपी के निर्देशन में थानाध्यक्ष डेहरी नगर शिवेंद्र कुमार सहित अन्य पुलिस प्राधिकारियों की एक टीम गठित की गई। गठित टीम के द्वारा डेहरी नगर थानाक्षेत्र के पाली पुल के समीप घेराबंदी की गई। जहां एक कार से 73.556 किलो गांजा को बरामद किया गया है। इसके साथ ही कार से अनिल कुमार और राजन कुमार को गिरफ्तार किया गया। दोनों गांजा तस्कर यूपी के वाराणसी के रामनगर के रहने वाले हैं। गांजा तस्करों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस महानिदेशक ने अंतरप्रभागीय बैठक में मातहतों को दिया निर्देश

पुलिस की छवि सुधारने के लिए जन शिकायतों पर करें त्वरित कार्रवाई

♦अपराधियों को कानून के तहत सजा दिलाने पर भी बल
♦डीजी ने सांप्रदायिक घटनाओं पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक आलोक राज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण अंतरप्रभागीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी जिलों और क्षेत्रीय पुलिस के वरीय पदाधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विधि-व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण, और आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर पुलिस की तैयारियों की समीक्षा करना था। अपराध नियंत्रण के लिए पांच मुख्य बिंदुओं पर जोर पुलिस महानिदेशक ने अपराध नियंत्रण के लिए पांच प्रमुख बिंदुओं पर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। इनमें अपराध की रोकथाम, पूवार्नुमान, पता लगाना, अभियोजन और धारणा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अपराधों की रोकथाम प्राथमिकता होनी चाहिए और अगर अपराध होते हैं, तो उनका शीघ्र पता लगाया जाना चाहिए। इसके साथ ही, अपराधियों को कानून के तहत सजा दिलाने पर भी बल दिया गया। उन्होंने यह भी बताया कि आपराधिक घटनाओं में कमी आई है। लेकिन इस बारे में जनता की धारणा को बदलने की आवश्यकता है।

आगामी पर्व-त्योहारों की तैयारियों पर निर्देश

बैठक में आने वाले पर्व-त्योहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस की सतर्कता और सुरक्षा की व्यवस्था पर चर्चा की गई। पुलिस महानिदेशक ने सांप्रदायिक घटनाओं पर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने का निर्देश दिया। साथ ही वार्डों में संदिग्ध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखने की आवश्यकता बताई। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र में लीडरशिप की भूमिका निभाएं और कनीय अधिकारियों की मार्गदर्शन करें।

गंभीर अपराधों पर कार्रवाई और पुलिस की छवि

बैठक में पेशेवर अपराध जैसे लूट, डकैती, रंगदारी, अपहरण, और संगठित अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया गया। इसके साथ ही, साइबर अपराध, भू-माफिया, शराब और बालू माफिया पर भी कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। जनता में पुलिस की छवि को सुधारने के लिए जन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाने की आवश्यकता बताई गई। छह मूलमंत्र पुलिस महानिदेशक ने अपने पूर्व के छह मूलमंत्र को दोहराते हुए कहा कि अपराधों के खिलाफ कार्रवाई के लिए समय, सार्थकता, संवेदनशीलता, शक्ति, सत्यनिष्ठा और स्पीडी ट्रायल (तीव्र न्याय प्रक्रिया) बेहद जरूरी हैं। इन सिद्धांतों के आधार पर पुलिस के हर कार्रवाई को मजबूत और प्रभावी बनाया जाएगा। प्रभागीय कार्यों की समीक्षाबैठक में अन्य वरीय पुलिस अधिकारियों ने भी अपने प्रभागों की कार्यवाहियों का विवरण प्रस्तुत किया। अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) जितेंद्र सिंह गंगवार ने जिलों से लंबित विभागीय कार्यवाहियों को शीघ्र निपटाने पर जोर दिया। यह बैठक आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की तैयारी को लेकर महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिससे जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत हो सके। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस हर शनिवार को थाने में जनता दरबार लगाती है। परंतु इसमें आने वाली जनता की समस्याओं का निदान नहीं होता है। इसमें विशेषकर भूमि विवाद से संबंधित मामले सामने आ रहे है। इसमें सुधार किया जाए। आम जनता को सहयोग किया जाए। ताकि अपराध पर काबू पाया जा सके।

बापू के विचार व आदर्श को जान सकेंगी युवा पीढ़ी : सीएम नीतीश

♦ सीएम नीतीश ने पटना स्थित गर्दनीबाग में बापू टावर का किया निरीक्षण
♦ 2 अक्टूबर को होगा बापू टावर का लोकापर्ण

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गर्दनीबाग पहुंचे और वहां बने बापू टावर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जो भी आगंतुक बापू टावर देखने आयेंगे, वे ओरियेंटेशन हॉल में बैठकर बापू की जीवनी, उनके आदर्शों एवं कार्यों तथा बिहार की गौरव गाथा को देख सकेंगे। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान प्रेक्षागृह, प्रतीक्षा कक्ष, लाउंज, बापू के आदर्शों को आमजन में स्थापित करने हेतु कार्यों के प्रदर्शन के लिये दीर्घा, अनुसंधान केन्द्र, आगंतुक सुविधायें एवं अन्य संरचनाओं की जानकारी ली। भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने बताया कि बापू टावर का लोकार्पण 2 अक्टूबर को सीएम नीतीश कुमार करेंगे। सीएम ने निरीक्षण के दौरान कहा कि बापू टावर के लोकार्पण हो जाने पर बापू की जीवनी, उनके विचारों और उनके आदर्शों को नई पीढ़ी जान सकेगी। यहां बापू के जीवन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनायें, महात्मा गांधी के विचार, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, बिहार से उनके लगाव तथा बापू के आदर्शों को बेहतर ढंग से रेखांकित कर प्रदर्शित किया जा रहा है ताकि आमजन यहां आकर उसे देख और समझ सके। इस परिसर को हरा-भरा और व्यवस्थित बनाया गया है। बापू टावर बहुत अच्छा बन गया हैं, यह लोगों के लिये दर्शनीय होगा। हमने इसके निर्माण कार्य को कई बार आकर देखा है और समय-समय पर सुझाव भी देते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बापू टावर के आसपास के सड़कों का चौड़ीकरण करायें ताकि यहां पहुंचने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही सड़क के किनारे वृक्षारोपण भी करायें। ज्ञातव्य है कि चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह का आयोजन 10 अप्रैल 2017 से 20 अप्रैल 2018 तक किया गया था।

एक नजर

तेजस्वी यादव जाहिल और बेरोजगारः मंत्री

पटना। बिहार सरकार के भूमि राजस्व मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव पर कड़ी टिप्पणी करते हुए उन्हें जाहिल और बेरोजगार कहकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री की एक बैठक में अधिकारियों के नहीं पहुंचने पर तेजस्वी ने सवाल उठाए जाने के बाद जायसवाल ने यह विवादित बयान दिया। नौकरशाह अगर मालिक का बात नहीं मानेगा। जायसवाल ने कहा कि नौकरशाह अगर मालिक का बात नहीं मानेगा, तो किसका बात मानेगा। तेजस्वी हमको थोड़े सिखाएंगे कि क्या काम करना है और क्या नहीं करना है। यह मुख्यमंत्री का निर्देश था कि कौन अधिकारी बैठक में आएगा और कौन नहीं आएगा। तेजस्वी का इसमें कोई काम नहीं है।दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि तेजस्वी एक जाहिल और बेरोजगार आदमी है, जिनके पास कोई काम नहीं है, इसलिए वे इस तरह की बातें कर रहे हैं। बता दें कि दिलीप जायसवाल के इस बयान से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है, और विपक्ष की ओर से इस पर तीखी प्रतिक्रिया आने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीएम अब ले रिटायरमेंट, युवाओं को मिले मौका

पटना। विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी ने दरभंगा में बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा सोशल मीडिया पर लिखी गई कविता का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अशोक चौधरी ने तो सही बातों को लिखा है। आगे उन्होंने कहा कि हरेक व्यक्ति की एक उम्र होती है, जिसमें शारीरिक तौर पर सोचने-समझने की क्षमता होती है। माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार काफी लंबे समय से बिहार को चला रहे हैं। आप लोग देख रहे हैं कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री ने कुछ ऐसे बयान दिए हैं, जो देश और दुनिया के बीच चर्चा का विषय बने हुए थे। बढ़ती हुई उम्र के कारण बहुत सारी बातें वह भूल जाया करते हैं। मुकेश सहनी ने चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार की कमान हम जैसे लोगों को सौंप देनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी को अपने सेवा काल का खुशी पूर्वक समापन करते हुए सत्ता से रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। यह बात तो अब उनकी पार्टी के नेता सह बिहार सरकार के मंत्री भी कहने लगे हैं। अब मुख्यमंत्री को सत्ता नई पीढ़ी को सौंप देनी चाहिए।

मुंगेर में टूटा बाढ़ पीड़ितों की सब्र का बांध, मुआवजे की मांग को लेकर उतरे सड़क पर

केटी न्यूज/मुंगेर

मुंगेर में गंगा के जलस्तर में कमी के बाद अब बाढ़ पीड़ित अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरने लगे हैं। कई दिनों से बाढ़ का दंश झेल रहे नगर निगम के वार्ड-41 के निवासियों ने मुंगेर-हेरुदियरा मुख्य पथ चंदन बाग चूआबाग के पास आगजनी और जाम कर प्रदर्शन किया। साथ ही जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि वार्ड पार्षद अपने ही लोगों को राहत दे रहे हैं। बाकी बाढ़ पीड़ित जिनके घरों में कई दिनों से बाढ़ का पानी घुसा है, उनकी कोई सुध नहीं ले रहे। न तो पॉलिथीन शीट दी जा रही और न ही सूखा राशन। उन्होंने कहा कि हम लोगों की मांग है कि बाढ़ पीड़ित लोगों को सरकार द्वारा मुआवजा मिले। अगर मुआवजा नहीं मिलता है तो हम लोग इसी तरह सड़क जाम कर प्रदर्शन करेंगे। जानकारी के मुताबिक, लोगों के सड़क जाम कर प्रदर्शन करने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इस वजह से आने-जाने वाले राहगीरों और स्कूली बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि हम लोग पिछले चार-पांच दिन से बाढ़ के पानी से परेशान हैं। घर में तीन से चार फुट बाढ़ का पानी जमा है।उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय वार्ड पार्षद द्वारा बाढ़ राहत के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जाती है। वह अपने ही क्षेत्र में बाढ़ राहत सामग्री का वितरण करवा रहे हैं, जबकि हम लोगों को बाढ़ के कारण जान माल की काफी क्षति हुई है।

ठनका गिरने से तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

नवादा। जिले में ठनका गिरने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। वही एक बुरी तरह झुलस गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना के मृतक के परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के एकंबा गांव की है जहां वज्रपात से तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों मजदूर खेत में काम कर थे। इसी बीच बारिश होने लगी। बारिश से बचने के लिए तीनों मजदूर एक पेड़ के नीचे छिप गए। कुछ ही देर बाद पेड़ पर ठनका गिर गया और पेड़ के नीचे खड़े तीनों मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गयी। मृतक की पहचान इंद्रदेव कुमार, विक्रम कुमार, मनु राजवंशी के रूप में हुई है। जबकि घायल की पहचान सूरज कुमार के तौर पर पर हुई।

बीस साल बाद पटना हाई कोर्ट ने सुनाया फैसला, कई कर्मियों की हो चुकी मौत

एलएन मिश्रा संस्थान के कर्मियों को मिलेगा पेंशन

केटी न्यूज/ जमुई

ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एव सामाजिक परिवर्तन संस्थान के कर्मियों को पटना हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। पटना हाई कोर्ट ने संस्थान के कर्मियों को सेवानिवृति लाभ एवं पेंशन भुगतान का आदेश दिया है। पटना हाई कोर्ट के इस आदेश के बाद आर्थिक विकास एव सामाजिक परिवर्तन संस्थान के कर्मियों में खुशी का माहौल हो गया। संस्थान के प्रोफेसर एवं याचिकाकर्ता एसडी सिंह ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया है कि पटना उच्च न्यायालय के न्यायादेश का सम्मान करते हुए संस्थान के शैक्षणिक और गैर- शैक्षणिक कर्मियों के सेवांत लाभ के साथ-साथ पेंशन का भी भुगतान करने का आदेश निर्गत करें।

20 साल बाद आया फैसला

बिहार सरकार ने शिक्षा विभाग के लिए 13 नवम्बर 1990 को संस्थान के प्रबंधन और संचालन के लिए ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान नियमावली, 1990 आधिसूचित की गई। परन्तु शिक्षा विभाग, बिहार (प्रशासी विभाग) ने 2017 तक संस्थान के शैक्षणिक एव गैर-शैक्षणिक कर्मियों के लिए कोई प्रभावकारी सेवा-शर्त नियमावली नही बनाई। फलस्वरूप संस्थानकर्मी वर्ष 1986 से 2017 तक विभाग द्वारा नियुक्त होते रहे और बिना सेवांत लाभ के सेवानिवृत होते रहे। संस्थान के कर्मियों ने सरकार से लगातार गुहार लगाते रहे। पटना उच्च न्यायालय द्वारा पारित विभिन्न न्यायादेश के बाद 28 जून 2017 को शिक्षा विभाग की अधिसूचना संख्या 7781 के तहत संस्थान कर्मियो की सेवा-शर्त से संबंधित ललित नारायण मिश्र, आर्थिक विकास, सेवा सामाजिक परिवर्तन संस्थान सेवा शर्त नियमावली, 2017 गजट अधिसूचित हुई, जिसके नियम 9 में संस्थान कर्मियों के सेवा-निवृति लाभ का प्रावधान रखा गया। परन्तु विभागीय पदाधिकारियों के मनमाने रवैये से 07 सितंबर 2017 को विभागीय अधिसूचना संख्या 1114 जारी कर पूर्व के नियमावली को थान था ठंढे बस्ते में डाल दिया। इतना ही नहीं अधिसूचना संख्या 1466 दिनांक के तहत 19 दिसंबर 2017 से संस्थान कर्मियों के सेवा- शर्त नियमावली 2017 में संशोधन कर नियम 9 को ही समाप्त कर दिया गया, जिसके कारण संस्थान कर्मी बिना सेवा-निवृति लाभ के ही सेवा-निवृत होते रहे।

गोवंश की रक्षा हर सनातनी का परम कर्तव्य: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

- नया भोजपुर में ज्योतिष पीठाधीश्वर का शंख ध्वनि के साथ स्वस्ति वाचन कर किया गया स्वागत
- बोले... बालाजी मंदिर में प्रसाद में मिलावट हिन्दू आस्था के साथ गहरी साजिश

केटी न्यूज/ डुमरांव

गोवंश की रक्षा हर हिन्दू का परम कर्तव्य होना चाहिए। भारत जैसे हिन्दू बहुल देश में गो-हत्या हो रहा है, यह जघन्य अपराध है तथा हिन्दुओं के लिए काफी अपमानजनक है। सरकार को गोवंश की रक्षा के लिए कठोर कानून लाना चाहिए। उक्त बातें बद्रिकाश्रम से आए ज्योतिष पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज ने नया भोजपुर में कही। वे नया भोजपुर निवासी संतोष पाठक के गौ-शाला पर आए थे। इसके पूर्व वैदिक विद्वानों द्वारा शंख ध्वनि के साथ स्वस्ति वाचन कर उनका स्वागत किया। शंकराचार्य जी महाराज ने कहा कि बक्सर आने की उनकी वर्षों से इच्छा थी जो आज पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि मामा जी के समय से ही मैं बक्सर आने के लिए लालायित था। यह प्रभु श्रीराम की शिक्षा स्थली तथा भगवान वामन का अवतार स्थल है। यहां आ मैं खुद को धन्य मानता हूं।

धार्मिक स्थलों को विकास के नाम पर किया जा रहा बर्बाद : उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों को विकास के नाम पर बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास होना चाहिए, लेकिन उसका स्वरूप नहीं बदलें। स्वामी जी ने कहा कि बालाजी मंदिर में प्रसाद में मिलावट हिन्दू आस्था के खिलाफ गहरी साजिश है, ऐसा करने वालों को कठोर दंड मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लोग धर्म का दोहन कर सत्ता में आ रहे हैं, जिससे धर्म की पवित्रता खंडित हो रही है। उन्होंने कहा कि इसी का परिणाम है कि हिन्दू बहुल भारत में गो माता का वध किया जा रहा है तथा प्रसाद में मिलावट करने की साजिश कर हमारे धर्म को भ्रष्ट किया जा रहा है। स्वामी जी ने कहा कि गाय हम सबकी माता है और गाय की रक्षा करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। सरकार को भी कठोर कानून लाना चाहिए तथा हिंदू समाज को भी जागृत हो गो-वंश की रक्षा करना होगा।

उन्होंने नया भोजपुर के गो-पालक संतोष पाठक समेत अन्य की सराहना की। हालांकि, वे बागेश्वरधाम महाराज के चमत्कार के प्रश्न को यह कहते हुए टाल दिए कि देश में कई लोग चमत्कार कर रहे है, सिर्फ एक का जिक्र करना ठीक नहीं है। वहीं, उन्होंने कहा कि अयोध्या में अर्द्धनिर्मित मंदिर में प्रभु श्रीराम की मूर्ति स्थापना नहीं करने की बात मैने कही थी। इस दौरान सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, जदयू के प्रदेश सचिव विनोद राय, बंगाल के पार्षद तथा चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता संतोष पाठक, प्रगतिशील किसान आशुतोष पांडेय समेत सैकड़ों ग्रामीण, गणमान्य और श्रद्धालु उपस्थित थे। इस दौरान शंकराचार्य की एक झलक पाने के लिए लोगों में होड़ मची रही। लोग नतमस्तक हो उनसे आशीर्वचन ले रहे थे।

खबरें फटाफट

शराब कांड का फरार आरोपी गिरफ्तार

नावानगर। शराब कांड के फरार अभियुक्त को नावानगर पुलिस ने बक्सर औद्योगिक थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त पडरिया गांव निवासी विकास सिंह है। थानाध्यक्ष ने बताया कि एक माह पूर्व किरनी गांव के पास से एक स्कार्पियो वाहन से भरी मात्रा में शराब बरामद की गई थी। उस समय पुलिस को चकमा देकर तस्करों वाहन छोड़कर भाग निकले थे। पर पुलिस ने तस्करों की पहचान कर लिया था। जिसमें विकास कुमार शामिल था। लंबे समय के बाद फरार तस्कर पुलिस के हाथ लगा।

संजय बने एमएलसी के जिला प्रतिनिधि

बक्सर। एमएलसी राधाचरण साह का बक्सर जिला प्रतिनिधि संजय सिंह राजनेता को बनाया गयो है। इसको लेकर एमएलसी राधाचरण साह ने प्रत्रे जारी कर बताया है कि उनके विधान परिषद क्षेत्र अंतर्गत कुल दो जिला बक्सर एवं भोजपुर शामिले है। जिसको ध्यान में रखते हुए बक्सर जिला का प्रतिनिधित्व करने हुतु संजय सिंह राजनेता को नामित किया गयो है। बक्सर जिला की महत्वपूर्ण बैठकों एवं सरकारी कार्यक्रमों में अपना प्रतिनिधित्व करने हेतु जिला के ताड़को नाला मेन रोड निवासी संजय सिंह राजनेता को अपना प्रतिनिधि नामित कियो है।

मुख्य सचिव के वीसी में शामिल हुए डीएम समेत जिलास्तरीय पदाधिकारी

जिला कलेक्ट्रेट में खाली पदों की रिक्ती भेजें, शीघ्र होगी बहाली : मुख्य सचिव

- लंबित सीपीग्राम एवं जन शिकायत के मामलों का निष्पादन करने के संबंध में मुख्य सचिव ने दिए दिशा निर्देश
- लअवैध खनन व परिवहन रोकने के लिए मुख्य सचिव ने जिलास्तर पर कंट्रोल एंड कमांड सेंटर बनाने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, गृह विभाग, निर्वाचन विभाग, वाणिज्य कर विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, वित विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग, परिवहन विभाग, विज्ञान प्रावैद्यिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, खेल विभाग, कला संस्कृति एवं युवा विभाग एवं विधि विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। जिसमें जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

इस जिलास्तरीय समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने सभी विद्यालयों में संरचनात्मक कार्यों को 31 मार्च 2025 तक पूर्ण करने का निर्देश दिया और कहा कि पूरा नहीं करने वाले विद्यालय प्रधान तथा संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि 31 मार्च 2025 के बाद वित्तीय वर्ष का समापन हो जाएगा।

डेंगू की जांच व बचाव की है पर्याप्त तैयारी

बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव ने कहा कि डेंगू से बचाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने बताया कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में डेंगू की जांच के लिए पर्याप्त मात्रा में जांच किट उपलब्ध कराए गए हैं। राज्य एवं जिला स्तर पर डेंगू मरीजों के लिए डेडीकेटेड बेड चिन्हित किया गया है। सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं सभी कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय को नियमित रूप से फॉगिंग कराने के संबंध में निर्देश दिया गया है। डेंगू मरीजों के इलाज में लापरवाही करने वाले डॉक्टरों तथा अस्पताल प्रबंधन पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए है।

अवैध खनन व मद्य निषेध पर सख्ती के निर्देश

अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए जिलास्तर पर कंट्रोल एंड कमांड सेंटर बनाने, रोड गैंट्री, चेकपोस्ट की स्थापना के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया। जबकि सचिव, मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग, बिहार द्वारा अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध छापेमारी, पूर्व में शराब एवं ताड़ी के व्यवसाय में संलग्न परिवारों को सतत जीविकोपार्जन योजना से जोड़ने, पुलिस विभाग के साथ सूचनाओं का आदान प्रदान, वाहनों की नीलामी के संबंध में समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिया गया। बैठक में अवैध खनन रोकने तथा मद्य निषेध के जीरो टॉलरेस की नीति धरातल पर उतारने का निर्देश दिया गया।

मुख्य सचिव ने समाहरणालय के खाली पदों की मांगी रिक्ति : इस समीक्षा बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा दाखिल खारिज, परिमार्जन, अभियान बसेरा, आधार सीडिंग, जमाबंदी पंजी का स्कैनिंग कार्य, ई-मापी एवं न्यायालय कार्यों के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जबकि प्रधान सचिव सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार द्वारा समाहरणालय में विभिन्न लिपिक, आशुलिपिक, वाहन चालक, कार्यालय परिचारी की रिक्ति भेजने का निर्देश दिया, ताकी इन पदों को शीघ्र भरा जा सकें। वही, लंबित सीपीग्राम एवं जन शिकायत के मामलों का त्वरित निष्पादन करने के संबंध में दिशा निर्देश दिया गया।

खेलो इंडिया के तहत प्रत्येक पंचायत में बनेगा मैदान : प्रधान सचिव, खेल विभाग द्वारा खेलो इंडिया के तहत आधुनिक खेल संरचनाओं के निर्माण, प्रत्येक गांव एवं नगर पंचायत में एक खेल का मैदान निर्माण, जिला मुख्यालय में खेल भवन सह व्यायामशाला, इनडोर स्टेडियम तथा प्रत्येक प्रखंड में एक आउटडोर स्टेडियम निर्माण के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बताया गया कि खेल के मुलभूत संरचनाओं का विकास कर ग्रामीण स्तर के खेल प्रतिभाओं को उभारने का मौका दिया जाएगा। वही, सरफेसी एक्ट, बीपीआईडी एक्ट, बीयूडीएस एक्ट के तहत एनबीएफसी के विरूद्ध कारवाई करने, लंबित नीलम पत्र वाद के निष्पादन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया।

मठ व मंदिरों की जमीन धार्मिक न्यास परिषद के पोर्टल पर करें अपलोड : प्रधान सचिव, गृह विभाग बिहार द्वारा बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद पोर्टल पर मठ व मंदिर की परिसंपत्तियों को अपलोड करने, भू-समाधान पोर्टल पर प्रविष्टि करते हुए वादों का निष्पादन करने, कब्रिस्तानों की घेराबंदी, मंदिर चाहरदिवारी के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया।

एक सप्ताह पूर्व गायब युवक का रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ी से मिला क्षत-विक्षत शव, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/चौसा

एक सप्ताह पूर्व घर से गायब चौसा के एक युवक का शव मंगलवार को रेलवे टैज्क के किनारे स्थित झाड़ी से क्षत विक्षत अवस्था में मिला है। उसे कुत्ते नोंच रहे थे। शव चौसा स्टेशन के करीब गेट संख्या 76 बी के पूरब झाड़ी में पड़ा था। यह इलाका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। शव से दुर्गंध आने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मुफस्सिल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को झाड़ी से बाहर निकाला। क्षत-विक्षत अवस्था में होने के कारण उसकी शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। लेकिन बाद में कपड़ो के आधार पर उसकी पहचान की गई। उसकी पहचान चौसा हाई स्कूल के पास की कॉलोनी निवासी मरहूम मो. यूसुफ के 30 वर्षीय पुत्र मो. मुमताज के रूप में हुई।

जानकारी के अनुसार वह 16 सितंबर की शाम से परिजनों से एक घंटा में आने की बात कह निकला था, लेकिन लौट कर नहीं आया। परिजन उसकी काफी देर तक खोजबीन किए थे तथा संभावित जगहों पर पूछताछ भी किए, लेकिन कही भी उसका सुराग नहीं मिला था। परिजन अभी उसकी तलाश ही कर रहे थे कि मंगलवार को किसी ने सूचना दी कि चौसा स्टेशन के समीप से एक युवक का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ है।

घटना के बाद से क्षेत्र में कई तरह की चचाएं हो रही है। हालांकि, परिजन किसी पर हत्या का आरोप नहीं लगा रहे है। आशंक जताई जा रही है कि वह शौच आदि के दौरान किसी टेज्न की चपेट में आ जान गवां बैठा होगा तथा कुत्ते शव को घसीट झाड़ियों में लेकर चले गए होंगे। पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इधर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों की मानें तो मृतक दिहाड़ी मजदूरी करता था तथा वह काफी गरीब परिवार से ताल्लूक रखता है।

ओवरटेक करने के चक्कर में पलटी सवारी से भरी जीप, वृद्धा की मौत; दूसरी महिला गंभीर

केटी न्यूज/बक्सर

धनसोई थाना के कथराई- बसही मार्ग पर जय मंगला के समीप असंतुलित जीप पलट गई। जिसमें सवार एक वृद्ध महिला की घटनास्थल पर मौत हो गई। वही, एक दूसरी महिला गम्भीर रूप से जख्मी हो गई। आनन-फानन में घटना को देख जुटे ग्रामीणों ने जीप को सीधा किया और घायल महिला को निकाल इलाज के लिए पहले निजी अस्पताल में फिर उसे बेहतर उपचार के लिए वाराणसी ले जाया गया। घटना की जानकारी के बाद पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जीप को जब्त की कार्रवाई की गई। वही, जीप चालक घटना के बाद फरार हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार कथराई निवासी चन्द्रमा सिंह की 60 वर्षीय पत्नी अंजोरिया देवी अपनी बेटी के पास कोचस किसी कार्य वश जा रही थी। वही, गांव की गिरजा पांडेय की पत्नी भागमनी कुंवर जीवितकापुत्र पर्व का सामान खरीदने के लिए जीप पकड़ जा रही थी। जैसे ही जीप कथराई गांव से बाहर निकली तब तक इसके आगे एक दूसरी गाड़ी जा रही थी। आपाधापी में चालक जीप की रफ्तार बढ़ा कर आगे ले जाने का प्रयास किया। जिससे जीप अनियंत्रित होकर सीधे चाट में तीन बार पलटी मार पुनः खेत में जाकर खड़ी हो गई। इस घटना में अंजोरिया देवी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वही, भागमनी कुंवर जीप के नीचे दब गई थी। घटना को देख आसपास मौजूद लोग दौड़कर जीप के नीचे से महिला को बाहर निकाला व निजी अस्पताल ले गए। जहां गंभीर स्थिति को देख इसे बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ले जाया गया।

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने कम उत्पादन के क्षतिपूर्ति के सत्यापन की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

कम उत्पादन वाले किसानों को मिलेगा फसल सहायता योजना का लाभ

- 7500 रूपया प्रति हेक्टेयर की दर से अधिकतम 2 हेक्टेयर तक कुल 15 हजार रूपया दी जाती है सहायता राशि

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में बिहार राज्य फसल सहायता योजना अंतर्गत खरीफ 2023 मौसम के योग्य ग्राम पंचायतों के आवेदक किसानों के क्षेत्रीय सत्यापन के लिए जिला स्तरीय समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई।

इस समीक्षा बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि अधिसूचित फसल धान एवं मक्का है, जिसमें किसान का प्रकार रैयत, गैर रैयत एवं होना चाहिए। वास्तविक उपज दर में 20 प्रतिशत की कमी की स्थिति में 7500 रूपया प्रति हेक्टेयर की दर से अधिकतम 2 हेक्टेयर तक कुल 15 हजार रूपया सहायता राशि दी जाती है। वास्तविक उपज दर में 20 प्रतिशत से ज्यादा की कमी होने पर 10 हजार रूपया प्रति हेक्टेयर की दर से अधिकतम 2 हेक्टेयर तक कुल 20 हजार रूपया सहायता राशि दी जाती है। उन्होंने बताया कि जिला में बिहार राज्य फसल सहायता योजना के तहत राजपुर प्रखंड के समहुता पंचायत के 168 किसानों एवं चक्की प्रखंड के चंदा पंचायत के चार किसानों को सत्यापन कराकर सहायता राशि भुगतान किया जायेगा। बिहार राज्य फसल सहायता योजना अंतर्गत किसानों का सत्यापन कार्य के लिए नोडल पदाधिकारी के रूप में अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) को अधिकृत किया गया है।

किसानों को प्रोत्साहित करना है उद्देश्य : बिहार राज्य फसल सहायता योजना का मूल उद्देश्य फसलों के उत्पादन में कमी की परिस्थिति में किसानों को वितीय सहायता उपलब्ध कराते हुए उन्हें अगली फसल के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करना, प्रतिकूल परिस्थितियों में किसानों की आय में निरंतरता बनाए रखना तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करते हुए राज्य में कृषि को लाभप्रद व्यवसाय के रूप में विकसित करना है। इस योजना का लाभ अन्य योजनाओं यथा कृषि इनपुट अनुदान योजना तथा डीजल अनुदान योजना के लाभार्थियों को भी प्राप्त होगा।

इस योजना के तहत सभी प्रकार के इच्छुक किसानों को खरीफ 2018 मौसम में योजना के पोर्टल पर ऑनलाईन निबंधन कराना अनिवार्य है। ऑनलाईन निबंधन के द्वारा ही आवेदन मान्य होगा तथा अनिबंधित किसानों का आवेदन अमान्य होगा।

एक नजर

उर्वरक बिक्री में अनियमितता करने वाले छह दुकानदारों पर प्रशासन ने की कार्रवाई

बक्सर। खेती के पिक आवर में किसानों के उर्वरक देने में अनियमितता बरतने वाले खाद विक्रेताओं पर जिला प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में जिले के तीन अनुज्ञप्तिधारियों का लाइसेंस रद्द किया गया है जबकि तीन का लाइसेंस निलंबित कर सबक सिखाया गया हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से लाइसेंसधारियों में हड़कंप मच गया है। जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर 14 सितम्बर को जिले के उर्वरक प्रतिष्ठानों की जांच कराई गई थी। जांचोपरांत प्राप्त अनियमितता के आलोक में जिला कृषि पदाधिकारी ने सोमवार की शाम अनियमितता करने वाले 3 उर्वरक प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति रद्द एवं 3 उर्वरक प्रतिष्ठान की अनुज्ञप्ति निलंबित किया है। रद्द किए गए उर्वरक प्रतिष्ठानों में राजपुर के मेसर्स बन्नी पैक्स लि., बन्नी, सिमरी के मेसर्स विकास ट्रेडर्स, कठार, तथा डुमरांव प्रखंड के मेसर्स विवेक ट्रेडर्स, कोरान सराय, शामिल है। जबकि निलंबित किए गए उर्वरक प्रतिष्ठानों में डुमरांव प्रखंड के मेसर्स महावीर खाद भंडार, कोरान सराय, मेसर्स किसान खाद भंडार, कोरान सराय, तथा नावानगर प्रखंड के मेसर्स भविष्य खाद भंडार, सिकरौल शामिल है। जिला प्रशासन व कृषि विभाग की इस कार्रवाई के बाद खाद की कालाबाजारी करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया है। वही, अनियमितता करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई से किसानों में खुशी व्याप्त है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जिलेभर में हुई आंगनबाड़ी केन्द्रों की जांच

बक्सर। डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर मंगलवार को जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का जिला स्तरीय पदाधिकारियों, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया। मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान पदाधिकारियों ने कुल 54 आंगनबाड़ी केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान कई केन्द्रों पर खामियां मिली। कही बच्चें कम थे तो कही कुछ और अनियमितता मिली। हालांकि जिला प्रशासन द्वारा इस संबंध में जानकारी नहीं दी गई है। बल्कि निरीक्षण के बाद सभी पदाधिकारियों ने अपना-अपना जांच प्रतिवेदन सौंप दिया है। जिसके आधार पर जिलाधिकारी द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा कराए गए इस जांच से आंगनबाड़ी सेविका व सहायिकाओं में हड़कंप मचा रहा।

जिले में एनीमिया से बचाव को लेकर कल्याण भवन में जांच शिविर आयोजित, दिए गये निर्देश

बक्सर। जिले में एनीमिया से बचाव को लेकर पोषण माह के अंतर्गत जागरूक करने के उदेश्ये से प्रखंड परिसर स्थित कल्याण भवन में मंगलवार को जांच शिविर आयोजित की गई। जिसमें शामिल लोगों को एनीमिया से बचाव एवं उसके कारणों पर चर्चा कियो गया। एनीमिया से बचाव कर अपनी पत्नी और बच्चों को भविष्य में होने वाले खतरे से बचाव कर सकते है। इसके विभिन्न पहलुओं पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व सीडीपीओ ने विशेष रूप से शामिल आईसीडीएस, शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों के साथ चर्चा कियो गया। इसके साथ ही एनीमिया के टी-थ्री पर चर्चा कियो गयो. एनीमिया से बचाव को लेकर आयरन, फाइबर युक्त भोजन को अपने प्रतिदिन के नास्ते में शामिल करने की बात कही गई। जिसे जन जन तक पहुंचाने के लिए सभी लोगों को बतलायो गया। इसके पूर्व बैठक का उद्घाटने अनीमियो मुक्त भारत अंतर्गत टी-3 कैम्प एवं अनीमियो जांच शिविर को शुभारम्भे जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी अनुमण्डलीये लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी विद्यानाथे पासवान द्वारा कियो गया। जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी साधु शरण पांडेय, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी श्वेता सिंह, सदर चिकित्सा पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सदर बक्सर, पंचायती पदाधिकारी सदर, बीसीएम सह बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह शामिले रहे। वहीं शिविर में महिलाओं की एनीमिया के साथ ही स्वास्थ्य जांच कियो गया।

बंदर को बचाने में बाइक सवार दुर्घटनाग्रसत

बक्सर। नगर के जेले पइने रोड में बंदर को बचाने में एक मोटरसाइकिल सवार दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गयो. वहीं पीछे से आ रहा दूसरे मोटरसाइकिल सवार ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन चालक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गयो। जिसके बाद वह भी सड़के पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि दूसरे मोटरसाइकिल सवार को अपेक्षाकृत कम चोट आई है। वहीं घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दौड़करे उठाया और उसे अस्पताल में इलाज के लिऐ पहुंचा। दुघर्टनो मंगलवार की शाम की है। दुर्घटना का लाइव दृश्य सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गयो है। स्थानीय लोगों के अनुसारे सड़के पर एक बंदर तेजी से पार करने लगा। जिसे बचाने को लेकर बाइक चालक ने अचानके ब्रेक लगो दिया। जिससे बाइक अनियंत्रित होकरे सड़के पर गिर गया वहीं ठीक उसके पीछे से आ रहे मोटरसाइकिले सवारने इससे बचने का प्रयासे किया। लेकिन वह भी अनियंत्रित होकर दूसरी तरफे सड़के पर जाकर गिर गया जिसे मामूली चोट आई है।

घर-घर जाकर आशा करेंगी सर्वे, लाभार्थियों का नाम व आधार नंबर करेंगी संधारित

- आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 30 सितंबर तक पंचायतों में लगेगा शिविर
- सीएस ने की प्रखंडों में आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सभी राशन कार्ड धारियों का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्णय लिया है। जिसके तहत जिले के सभी प्रखंडों के पंचायतों में विशेष शिविर लगाकर कार्ड बनाया जा रहा है। ताकि जरूरतमंद लाभुकों को पांच लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा सके। इस क्रम में सिविल सर्जन डॉ. अरूण कुमार श्रीवास्तव ने डीपीएम, डीएमईओ, डीसीएम, डीसीएम, आयुष्मान डीआईटी मैनेजर के अलावा ` सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सकों, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक व बीसीएम के साथ वर्चुअल बैठक की। जिसमें उन्होंने प्रखंडवार आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति की समीक्षा की।

इस दौरान सिविल सर्जन ने नावानगर एवं सिमरी प्रखंड में आयुष्मान कार्ड बनाने की धीमी प्रगति पर चिंता जताई। सिविल सर्जन ने दोनों प्रखंडों में आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रगति तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि राज्य स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के निर्देश पर जिले में अब आगामी 30 सितंबर तक शिविर का संचालन कर लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। जिसके लिए विशेष रणनीति के तहत कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि विभागीय निर्देश पर प्रखंड स्तर स्वास्थ्य प्रबंधक और पंचायत स्तर पर एएनएम को नोडल बनाया गया है। जो प्रखंडों और पंचायतों में आयुष्मान कार्ड बनाने का अनुश्रवण करेंगे।

आयुष्मान भारत के लाभार्थियों का नाम संधारित करेंगी आशा : सिविल सर्जन डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना। इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी आशा कार्यकताएं अपने-अपने क्षेत्र में सभी घरों का सर्वे करेंगी। जिसमें वो सभी आयुष्मान भारत के लाभार्थियों का नाम पंजी पर आधार नंबर के साथ संधारित करेंगी। सर्वे के दौरान यदि ऐसा लाभुक मिले जिसका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है तो आशा उन्हें सहज वसुधा केंद्र भेज कर कार्ड बनवाना सुनिश्चित करेंगी। साथ ही, प्रतिदिन नए लाभुकों का आयुष्मान कार्ड बनाने की सूचना बीसीएम को दें। ताकि, शिविर की प्रगति का अनुश्रवण किया जा सके।

सभी राशन कार्ड धारकों को मिलेगा बड़ा लाभः आयुष्मान भारत योजना के जिला समन्वयक डॉ. अशोक केशरी ने बताया कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तर्ज पर ही जिले में अब मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ लोगों को मिलेगा। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से वंचित राशन कार्ड धारकों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ा जाएगा और वह कार्ड बनवा कर पांच लाख रुपये तक की मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत वैसे राशन कार्ड धारी जिनको 2013/14 से राशन कार्ड की सुविधा प्राप्त है, उनको मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ मिलेगा। वैसे लाभुक जो किन्हीं कारणों से प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड नहीं बना सके हैं उन्हें इस योजना का लाभ शत प्रतिशत मुहैया कराया जायेगा।

खबरें फटाफट

नहीं रहे प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर नगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक

डुमरांव। नया भोजपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर नगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुशील कुमार का असामयिक निधन हो गया है। उनका निधन सोमवार की रात वाराणसी के एक निजी अस्पताल में हुआ। उनके पारिवारिक सूत्रों की मानें तो उनके किडनी तथा हार्ट में परेशानी थी तथा पिछले तीन-चार दिन से वे अस्पताल में भर्ती थे। मूल रूप से सिमरी प्रखंड के एकौना के रहने वाले सुशील लंबे समय से डुमरांव के टेक्सटाईल कॉलोनी में घर बनाकर रहते थे। उनके निधन से शिक्षक समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। वही, प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर नगर, नया भोजपुर में उनके निधन पर शोक सभा आयोजित की गई थी। जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की गई।

कुलानुशासक के निधन पर शोकसभा

डुमरांव। वीकेएसयू के कुलानुशासक प्रोफेसर डॉ कौशलेन्द्र के असामयिक निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गयी। स्थानीय डीके कॉलेज परिसर में एक शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। शिक्षकों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजू मोची ने याद करते हुए कहा कि डॉ कौशलेन्द्र विश्वविद्यालय के प्रशासनिक व्यवस्था को संभालते हुए शिक्षकों और छात्रों के बीच लोकप्रिय थे। डॉ विनोद कुमार सिंह ने कहा कि वे कुशल प्रशासक के साथ अपने जीवन में कामों के प्रति सदैव निष्ठावान बने रहें। शोकसभा में डॉ उषा रानी, डॉ रमेश कुमार यादव, डॉ अब्दुल कैश, डॉ पूनम मौर्या, अजीत सिंह, डॉ अंजू कुमारी, अखिलेश्वर सहित अन्य शामिल थें। वहीं, सुमित्रा महिला कॉलेज परिसर में भी एक शोक सभा आयोजित कर डॉ कौशलेन्द्र को पुष्पांजलि दी गयी। कॉलेज की प्राचार्या डॉ शोभा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलानुशासक के निधन से शिक्षा जगत ने एक होनहार और कुशल प्रशासक को खो दिया।

डीएम-एसपी की अध्यक्षता में आयोजित हुई शांति समिति की बैठक

मूर्त्ति निर्माण में जहरीले रसायन व कृत्रिम रंगों का न करें प्रयोग: डीएम

- दुगा पूजा पर नहीं बजेंगे डीजे, जुलूस की लेनी होगी अनुमति
- जिले के सभी पूजा पंडालों में सीसीटीवी अनिवार्य

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के द्वारा संयुक्त रूप से दुगार्पूजा के मद्देनजर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक में उपस्थित जिला शांति समिति के सदस्यों ने आगामी दुगार्पूजा पर्व को लेकर अपने-अपने सुझाव डीएम-एसपी के समक्ष रखा एवं विमर्श किया गया।

जिलाधिकारी ने शांति समिति के सदस्यों, सभी जिला एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों को विस्तृत रूप दुगार्पूजा पर जारी राज्य सरकार के गाइड लाइन से अवगत कराते हुए दुगार्पूजा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सदभावनापूर्वक मनाये जाने का अनुरोध किया। शांति समिति की बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया गया कि पर्व से पहले सभी मार्गों की साफ-सफाई कराने का निर्देश दिया।

लूज एवं लटके तारों की कराएं मरम्मत : डीएम ने बैठक के दौरान बिजली कंपनी के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि आगामी पर्व के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव से समन्वय स्थापित कर सभी रूट की सूची प्राप्त कर लेंगे तथा निर्धारित रूट के मार्गों के लूज एवं लटके हुए तारों की मरम्मती करा लेंगे। ताकी, दशहरा मेला के दौरान दुर्घटना की आशंका नहीं रहे। वही, जिलाधिकारी ने दुगार्पूजा खासकर दशहरा मेला के दौरान अग्निशमन एवं चिकित्सा व्यवस्था को अलर्ट रहने का निर्देश दिया।

शर्तो के पालन के बाद लाइसेंस दे एसडीएम : डीएम ने बक्सर व डुमरांव एसडीएम को निर्देश दिया कि अनुज्ञप्ति निर्गत करने से पूर्व जुलूस के लिए सभी शर्त्तो का पालन कराना अनिवार्य होगा। जुलूस का लाइसेंस जिस व्यक्ति के नाम पर निर्गत किया जायेगा, उसकी पहचान निश्चित रूप से किया जाय। जुलूस में उत्तेजक, भड़काऊ गाना, नारेबाजी नहीं किया जायेगा। जुलूस में शामिल कम से कम 10 से 15 लोगों का आधार कार्ड, पहचान पत्र एवं मोबाइल नंबर भी लेने का निर्देश डीएम ने दोनों अनुमंडल के एसडीओ को दिया है।

रावण वध के पूर्व किला मैदान में लगेगा वॉच टावर : डीएम ने भवन प्रमण्डल के कार्यपालक अभियंता को पर्यवेक्षण कर पंडालों की गुणवत्ता सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया तथा रावण वध के पूर्व किला मैदान में वॉच टावर का निर्माण कराने का निर्देश दिया। कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्त्ति प्रमण्डल को मेला के दौरान निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति देने तथा पंडाल के मार्गो में लूज एवं नंगे बिजली के तारो की जांच कर ससमय दुरूस्त कराने को कहा गया।

जीवन रक्षक दवाओं व एंबुलेंस के साथ तैनात रहेगी मेडिकल टीम : सिविल सर्जन बक्सर को दशहरा मेला के दौरान आवश्यक जीवन रक्षक, दवाओं के साथ डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति एवं एम्बुलेंस तैयार हालत में रखने का निर्देश दिया गया। मेला के दौरान प्रत्येक अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन वार्ड कार्यरत रहेगा। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अनुमण्डल अस्पताल, डुमरांव एवं सदर अस्पताल में सिविल सर्जन, बक्सर द्वारा एम्बुलेंस, आवश्यक दवाईयों के साथ चिकित्सकों की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। जबकि जिला अग्निशाम पदाधिकारी को दशहरा मेला व भरत मिलाप की समाप्ति तक बक्सर एवं डुमरांव अनुमण्डल में सभी अग्निशमन वाहन के साथ अग्निकों को तैयार हालत में रखने तथा पंडालों में फायर सेफ्टी की जांच करने को कहा गया।

20 फीट से ज्यादा न हो मूर्त्ति की अधिकतम ऊंचाई

जिलाधिकारी ने जिले के सभी पूजा समिति के लिए गाइड लाइन जारी करते हुए बताया है कि सभी पूजा पंडालों तथा विसर्जन जुलुस के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। मूर्त्ति की अधिकतम ऊंचाई 20 फीट से ज्यादा न हो। उपरी संरचना की ऊंचाई 40 फीट तक सीमित हो। मूर्त्ति की उपरी संरचना के निर्माण में पारा, कैडमियम, आर्सेनिक, शीशा और क्रोमियम जैसी जहरीली भारी धातुओं वाले कृत्रिम रंगों का उपयोग न हों। पंडालों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य है। इसके अलावे वैध विद्युत कनेक्शन, फायर एण्ड सेफ्टी की व्यवस्था। भीड़ नियंत्रण एवं पार्किंग की व्यवस्था। पूजा समितियों द्वारा पूजा कार्य में लगे वोलेन्टियर के नाम, मोबाईल नंबर एवं आधार कार्ड का विवरणी प्रदान करना। सभी वोलेन्टियर को आईडी कार्ड प्रदान करना। डीजे पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा तथा प्रतिमा का विसर्जन गंगा या अन्य नदी तालाबों के बजाए कृत्रिम तालाब में प्रतिमा विर्सजन का निर्देश दिया है। डीएम ने बताया कि जुलूस में हथियार ले जाना अथवा प्रदर्शन किया जाना आर्म्स एक्ट के तहत प्रतिबंधित है।

चौक चौराहों पर मजिस्ट्रेट के साथ तैनात रहेगी पुलिसः एसपी

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी मुख्य चौक चौराहो एवं मार्गों पर मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। सभी थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि बाइक गश्ती के माध्यम से दुगार्पूजा पर्व के दौरान विधि व्यवस्था पर नजर बनाए रखेंगे। सोशल मीडिया पर किसी भी आपतिजनक पोस्ट पर अविलंब संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। एसपी ने बताया कि प्रतिमा विसर्जन जुलूस में थानाध्यक्ष के माध्यम से पुलिस स्कॉट की व्यवस्था की जायेगी। विसर्जन के लिए नदी में नावों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), बक्सर के माध्यम से ट्रैफिक प्लान का निर्धारण सुनिश्चित करेंगे। रावण बध के पूर्व किला मैदान, बक्सर में परिचारी प्रवर, पुलिस केन्द्र, बक्सर के माध्यम से एंटी-सबोटेज जांच कराना सुनिश्चित करेंगे। एसपी ने बताया कि सभी पंडालों के आसपास पुलिस बल एवं पेट्रोलिंग पार्टी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। साथ ही अनुमंडल एवं थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक ससमय कर लिया जाए।

एक नजर

डुमरांव शहर से महादलित टोला को जोड़ने वाली सड़क पर बहता है नाली का पानी

डुमरांव। नगर में ऐसी कई सड़कें हैं, जिसका अस्तित्व मिटने के कगार पर है। वहीं कई ऐसी सड़कें हैं, जो कई नगर के विस्तारिकत क्षेत्र को जोड़ती हैं, लेकिन उस पर नप का ध्यान नहीं है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। ऐसी ही एक सड़क है, नयाथाना के पास एनएच से निकल नगर के वार्ड 22 के दुसाध टोली से होकर सिकरौल-डुमरांव राजवाहा के पास जाकर मिलती है। इस रोड की स्थिति तो जर्जर हो ही गई है, नाली का भी अभाव है, लिहाजा नाली के पानी का बहाव रोड पर होता है। रोड पर लगातार पानी का बहाव होने के कारण बत्तख उसमें अपना आसियाना बना लिये हैं। मालूम हो की एनएच-120 से निकलकर जो सड़क नयाथाना होते हुए राजवाहा के पास जाकर मिलती है, काफी जर्जर हो चुकी है। इसके एक तरफ के बने नाली का अस्तित्व ही मिट गया है, ऐसे में उसका पानी रोड पर बहता है। इस रोड से आधा दर्जन गांव है, जो वर्तमान समय में नप के विस्तारित क्षेत्र महरौरा, गोपालडेरा, नावाडेरा, बनकट, हाता, सम्हार के लोग इस रोड से आते-जाते हैं। रोड पर पानी जर्जरता और पानी बहने के कारण सभी लंबी दूरी तय कर दूसरे रास्ते से आते-जाते हैं। सबसे परेशानी डुमरांव शहर में पढ़ने के लिए आने वाली छात्राओं के साथ बाजार करने के लिए आयी महिलाओं को होती है। इस रोड को बनाने के साथ राजवाहा पर पुलिया बनाने की मांग भी बहुत दिनों से लोग कर रहे हैं। बावजूद नहीं रोड बना और नहीं पुल बना। इस संबंध में जब वार्ड 22 के पार्षद अमर पासवान से बात की गई तो उन्होंने बताया की कुछ जरूरी रोड को बनाया गया है। इस महत्वपूर्ण रोड को बनाने के लिए पहल करते हुए आवेदन दिया जा चुका है। शीघ्र बनाने का आश्वासन मिला हुआ है। मोहल्ले के लोग रोड बनने का इंतजार कर रहे हैं।

मनमानी ढंग से एमडी बिल का होता है निर्धारण

बक्सर। विधुते विभाग एक तरफे जेनरले मिटरे को बदल कर स्मार्ट मीटर लगाने में व्यस्त है वहीं दूसरी तरफ जिले में 40 हजार में कुछ घरों में तो कनेक्शन के बाद विभाग द्वारा मीटर ही नहीं लगाया गयो है। जबकि कुछ उपभोक्ताओं के घरों पर कनेक्शन के बादे मिटरे ही नहीं लगाया गयो है। ऐसे विधुते विभाग के अधिकारियों को मानना है कि जिन उपभोक्ताओं के मीटर खराब है या किन्ही कारण बस मीटर नहीं लग पाया है उन सभी उपभोक्ताओं के एक साल के बिल का औसत निकाल करे ऐभेरजे बिल लिया जातो है। लेकिन उपभोक्ताओं को कहना है कि विभाग मनमानी ढंग से बिल लेता है जब विभाग में शिकायत करने पर अधिकारी के द्वारा कागज में कनेक्शन काट दिया जाता है और घर पर आ कर बिजली चोरी में ऐफाआरे कर दिया जातो है। जबकि कनेक्शन काटने से पूर्व उपभोक्ता को सूचना देना होतो है। इस संबंध में विधुते विभाग के कार्यपालक अभियंता तेज प्रताप सिंह से पूछा गया तो उनके द्वारा बताया गया कि जिले में मिटरे डिफेक्टिव का डाटा मेरे पास उपलब्ध नहीं है आरो के आइडी पर रहता है जिसकी जानकारी मुझे नहीं है।

पेंटिंग प्रदर्शनी कर एनएसएस का मनाया गया स्थापना दिवस

- सुमित्रा कॉलेज की छात्राओं ने लगाई पेंटिग प्रदर्शनी

केटी न्यूज/डुमरांव

सुमित्रा महिला कॉलेज में पेंटिंग प्रदर्शनी कर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान एनएसएस की स्वयं सेविकाओं ने लक्ष्य गीत गा कार्यक्रम की शुरूआत की। सुमित्रा महिला कॉलेज की प्राचार्या सह अध्यक्ष डॉ शोभा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की युवा इकाई उस गतिविधि में मानव सेवा करती है जो समुदाय और समाज के लिए जरूरी है।

इस तरह के आयोजित गतिविधियों में शामिल होकर समाज के लोगों के साथ सामाजिक हित का कार्य कर एनएसएस का राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका है। कॉलेज के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एनएसएस की इकाई कॉलेज के संस्थान से जुड़कर सामाजिक सेवा, साक्षरता, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान, योग का बढ़ावा जैसे प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल होकर जागरूकता पैदा किया है। इस दौरान कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. शंभूनाथ शिवेंद्र ने युवाओं के चरित्र निर्माण और सामूहिक सेवा पर विस्तृत रूप से चर्चा किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को प्रेरणा पुरुष बताते हुए कहा कि एनएसएस का एक मात्र उद्देश्य छात्राओं को सामुदायिक सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए अनुभव प्रदान करता है। कार्यक्रम में शामिल डॉ सुभाष चंद्रशेखर ने कहा कि एनएसएस भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जिसे 24 सितंबर 1969 से शुरूआत की गयी। इस दौरान डॉ प्रमोद कुमार सिंह, डॉ दिनेश सिंह यादव ने भी स्वयं सेविकाओं को संबोधित किया। लक्ष्य गीत एवं पोस्टर प्रदर्शनी में चंचल कुमारी, प्रियांशी कुमारी, संजना कुमारी, नूरी खातुन, खुशी कुमारी, श्वेता कुमारी, तमन्ना कुमारी, अनामिका कुमारी आदि स्वयं सेविकाओं ने भाग लिया।

रूपयों से भरे बैग को लौटा व्यवसायी ने पेश की ईमानदारी की मिसाल, सामाजिक कार्यकर्ता की रही महत्वपूर्ण भूमिका

गलती से कपड़ा व्यवसायी ने उठाया था फौजी का बैग, किया वापस

- बैग में 37 हजार नगदी, कागजात, मोबाईल व एटीएम कार्ड भी था

केटी न्यूज/डुमरांव

ईमानदारी आज भी जिंदा है तथा बिहारी बेईमान नहीं होते। इसे साबित कर दिखाया है, अनुमंडल के चंदा गांव निवासी कपड़े के एक व्यवसायी ने। उक्त व्यवसायी ने टेज्न में सफर कर रहे बीएसएफ के एक हवलदार का रूपयों तथा जरूरी कागजात, एटीएम व मोबाईल से भरा ट्राली बैग गफलत में अपने साथ उतार लिया तथा घर लेजाकर जब देखा तो उसे गलती का अहसास हुआ। तब उसने डुमरांव के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता तथा रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष रहे राजीव रंजन सिंह से संपर्क स्थापित कर उन्हें इसकी जानकारी दी। राजीव रंजन सिंह के प्रेरित करने पर वह उक्त बैग लेकर फिर से डुमरांव स्टेशन आया तथा स्टेशन पर तैनात जीआरपी के पोस्ट प्रभारी को बैग, नगद 37 हजार रूपए, एटीएम, आयुष्मान कार्ड, फौजी का डेज्स आदि सुपुर्द कर दिया, जबकि उसमें मिले एमआई कंपनी के एंड्रायड फोन सामाजिक कार्यकर्ता राजीव रंजन सिंह ने अपने पास रखा तथा उसी फोन के आधार पर उसकी पत्नी को बैग मिलने की जानकारी दी। जिसके बाद फौजी को उसका बैग व पैसा मिल सका।

मिली जानकारी के अनुसार हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला के बरंडा गांव निवासी अशोक कुमार बीएसएफ पांचवीं बटालियन में बतौर हवलदार कार्यरत है। उसकी पोस्टिंग कोलकाता में थी, लेकिन हिंसा प्रभावित मणिपुर में ड्यूटि लगी थी। वह गांव जाने के लिए 17 सितंबर को मणिपुर से फ्लाईट से कोलकाता आया तथा वहां से पंजाब मेल के जनरल बोगी में बैठ चंडीगढ़ जा रहा था। इधर बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन से उसी बोगी में अनुमंडल के चक्की ओपी क्षेत्र के चंदा गांव निवासी व कपड़ा व्यवसायी मो. मनसप अपने छोटे भाईयों मुख्तार, सद्दाम व बहनोई इम्तियाज के साथ डुमरांव आने के लिए चढ़ा। डुमरांव स्टेशन पहुंचने पर फौजी की नींद लग गई थी, इधर मनसप ने फौजी के आसमानी रंग के ट्राली बैग को अपना समझ उतार लिया। लेकिन, घर जाकर जब उक्त बैग को खोला तो उसमें फौजी का कपड़ा, रूपया तथा अन्य सामान देख गलती का अहसास हुआ। इसके बाद उसने तत्काल राजीव रंजन सिंह से संपर्क किया। जिसके बाद राजीव सिंह ने आरपीएफ की मदद से फौजी को उसका सामान लौटाया।

दो से अधिक बच्चे होने पर बच्चों की बेहतर परवरिश होती है बाधित

- परिवार नियोजन के गर्भनिरोधक साधनों के प्रति समुदाय को किया जायेगा जागरूक

केटी न्यूज/छपरा

समुदाय में परिवार नियोजन के गर्भ निरोधक के साधनों के प्रति जागरूकता लाने के लिए 26 सितंबर को विश्व गर्भ निरोधक दिवस मनाया जायेगा। जिले के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। साथ हीं परिवार नियोजन के गर्भ निरोधक साधनों का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। इसको लेकर परिवार कल्याण कार्यक्रम के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. एके शाही ने पत्र जारी कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया है। जारी पत्र में कहा गया है कि 26 सितंबर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भनिरोधक के उपयोग से होनेवाले लाभ को आमजन तक पहुंचाना और यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य विषय पर जानकारी और जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर जिला स्तर पर बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत गर्भनिरोधक सेवा को बेहतर करने के लिए चर्चा की जाएगी। इसके अलावा, गर्भनिरोधक साधनों के बारे में आमजन में जागरूकता फैलाने के लिए साईकिल रैली और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सभी हेल्थ वेलनेस सेंटर्स पर परिवार नियोजन कैम्प का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें गर्भनिरोधकों के बारे में जनमानस को बताया जाएगा। परिवार नियोजन के बास्केट ऑफ चॉइस कंडोम, कॉपर-टी, अंतरा इंजेक्शन, छाया गोली आदि का निशुल्क वितरण किया जायेगा। सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि सीमित परिवार बेहतर प्रजनन स्वास्थ्य के साथ खुशहाल परिवार की पहचान होती है। दो से अधिक बच्चे होने पर बच्चों की बेहतर परवरिश बाधित होती है। इसके लिए परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थाई साधनों को

इन परिवार नियोजन साधनों का उठायें लाभ

बच्चों में अंतराल रखने तथा अनचाहे गर्भ से निजात के लिए प्रसव के 48 घंटे के अंदर पीपीआईयूसीडी(प्रसव उपरांत कॉपर टी संस्थापन) लगाया जाता है। गर्भनिरोधक का यह एक सुरक्षित साधन है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है जिससे लंबे समय तक गर्भधारण की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें ऑपरेशन की भी आवश्यकता नहीं होती है। पीपीआईयूसीडी दो तरह की होती है। एक 5 साल के लिए तथा दूसरा 10 साल के लिए के लिए होता है। सभी सरकारी यह अस्पतालों में मुफ्त लगाई जाती है। अंतरा अस्थायी गर्भनिरोधक साधनों में एक बहुत असरदार विधि है। एक इंजेक्शन से 3 महीने तक गर्भधारण की संभावना नहीं होती है। दूध पिलाती मां भी ले सकती है जिससे दूध की मात्रा और गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता। ना ही शिशु पर कोई हानिकारक प्रभाव पड़ता है। यदि महिला ठीक 3 महीने बाद इंजेक्शन लगवाने नहीं आती तो निर्धारित तिथि से 14 दिन पहले 28 दिन बाद तक भी इंजेक्शन लगा सकती है। अंतरा महिलाओं के लिए एक सरल व सुरक्षित असरदार साधन है जिसे प्रत्येक 3 महीने के अंतराल पर महिला को एक इंजेक्शन लेना होता है। गर्भधारण रोकने में यह 99.7 प्रतिशत प्रभावी होता है।

एक नजर

स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत काराकाट मुख्यालय से स्वच्छता रथ हुआ रवाना

काराकाट। काराकाट प्रखंड मुख्यालय से मंगलवार को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत बीडीओ राहुल कुमार सिंह के निर्देश पर स्वच्छता रथ रवाना किया गया। स्वच्छता रथ को सीओ डॉ. रितेश कुमार, बीपीआरओ रेणुका कुमारी, प्रखंड समन्वय आलोक आनंद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।रथ रवाना के पूर्व प्रखंड परिसर में सीओ, बीपीआरओ व बीसी द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। पौधरोपण के बाद प्रखंड परिसर में सामूहिक रूप से सफाई अभियान चलाकर सीओ, बीपीआरो, बीसी व स्वच्छता पर्यवेक्षकों, सफाई कर्मियों ने झाड़ू से परिसर को साफ सफाई का कार्य किया। सफाई अभियान के तहत साबुन से हाथ धुलाई कर लोगों को जागरूक किया गया । स्वच्छता रथ रवाना करने के पूर्व अधिकारियों व प्रखंड कर्मियों तथा सफाई कर्मियों ने स्वच्छता शपथ लिया । बीसी आलोक आनंद ने स्वच्छता शपथ दिलाकर पंचायत के सभी वार्डो में स्वच्छता के लिए जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छ रहने की बात कहीं । पंचायत में नियुक्त स्वच्छता पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया गया कि लोहिया स्वच्छता अभियान को गांव के सभी वार्डो में जन जन तक स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छ रहने को कहा गया । स्वच्छता अभियान के तहत खुले में स्वयं शौच नहीं करने तथा किसी को अन्य को भी शौच करने से मना करने को शपथ दिलाया गया । सीओ डॉ. रितेश कुमार ने कहा कि स्वच्छ्ता ही मानव जीवन की पूंजी है । बीपीआरओ रेणुका कुमारी ने कहा कि स्वच्छता से ही स्वच्छ समाज का निर्माण होता है। स्वच्छता से एक विकसित समाज की परिकल्पना की जा सकती है इसके बिना पूरा समाज अधूरा होगा । स्वच्छता ही मानव जीवन को स्वच्छ बनाता है। स्वच्छ्ता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छ रहने की लोगों से अपील की गई । मौके पर किरही पंचायत मुखिया धर्मेंद्र साह, काराकाट मुखिया योगेंद्र सिंह, स्वच्छता पर्यवेक्षक कन्हैया सिंह, हीरालाल गुप्ता, विशाल कुमार, रेखा कुमारी, रूबी देवी, कुणाल मिश्रा, मुकेश कुमार, वार रूम एलएसबीए श्याम बिहारी राम, सहित प्रखंड स्वच्छता कई कर्मी थे।

श्रीराम मंदिर पंडाल में विराजेंगी मां दुर्गा

बिक्रमगंज। अयोध्या के श्रीराम मंदिर के स्वरूप में इस वर्ष शहर के स्टेशन रोड आस्कामिनी नगर धारुपुर बिक्रमगंज में पंडाल का निर्माण कार्य जोर-शोर से किया जा रहा है। पंडाल के अंदर भव्य स्वरूप में मां दुर्गा विराजमान होंगी । करीब दो सप्ताह से आस्कामिनी नगर में पंडाल निर्माण का कार्य चल रहा है। जो तीन वर्षों से जामताड़ा धनबाद झारखंड से आए कारीगर सलाउद्दीन एवं अलाउद्दीन पंडाल निर्माण में श्रीदुर्गा पूजा समिति आस्कामिनी नगर धारुपुर बिक्रमगंज से मिली जानकारी के अनुसार पंडाल को देखने के लिए अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी पंचायतों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से लोग आते हैं । इस वर्ष पंडाल में अयोध्या के श्रीराम मंदिर के भव्य स्वरूप का दर्शन यहां श्रद्धालु करेंगे । श्रीराम मंदिर की हर आकृति को पंडाल में उकेरा जा रहा है । इस वर्ष श्रद्धालु जब मां दुर्गा का दर्शन करने आस्कामिनी नगर आएंगे तो उन्हें श्रीराम मंदिर की अद्भुत अनुभूति होगी। जो अगले एक सप्ताह के अंदर पंडाल निर्माण के कार्य को पूरा कर लिया जाएगा। जिस पंडाल की ऊंचाई 65 फीट व 42 फीट चौड़ाई रहेगी। दुर्गा पूजा समिति के अनुसार इस वर्ष स्टेशन रोड आस्कामिनी नगर धारुपुर में मूर्ति पंडाल का निर्माण डिहरी-ऑन-सोन के कारीगर निरंजन द्वारा की जा रही है।

शौच जाने के बहाने हाजत से फरार हुआ कैदी

करगहर। एक तरफ बिहार में अपराधी बेखौफ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उधर पुलिस पकडे गए अपराधियों को भी संभाल नहीं पाती है। इसी कड़ी में जिले में हाजत से बंदी फरार हो गया। जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।बताया जा रहा है की करगहर पुलिस सोमवार को चोरीके बिजली के तार के साथ तीन चोरों पुलिस गिरफ्तार कर थाना लाई जहां हाजत में बंद कर दिया मंगलवार के दस बजे दिन बिक्रमगंज थाना के खिरोधरपुर गांव निवासी रमेश शर्मा के पुत्र शशिकांत शर्मा के साथ और दो चोर को पुलिस चोरी के आरोप में पकड़ कर लाया था। करगहर थाना प्रभारी ज्ञानदीप कुमार ने बताया कि मंगलवार को दस आज सुबह में उसे शौचालय कराने के लिए ले जाया जा रहा था। इसी दौरान हाथ होने के बहाना बनाकर शौचालय में घुस कर दरवाजा बंद कर दिया खिड़की के तोड़कर फरार हो गया और भागने में सफल रहा। बताते चलें कि करगहर पुलिस द्वारा आसपास के कई गांवों को पूरी तरह तलाश किया जा है। वही पूरी पुरी मुस्तैदी से अपराधी को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। यह कैदी एसआई और दो चौकीदार की निगरानी में था। इसी क्रम में पुलिस की आंखों में धुल झोंक कर भागने में सफल रहा।

बनियापुर में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत कर बढ़ाया मनोबल

छपरा। बनियापुर प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय कन्हौली मनोहर में मंगलवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसका संचालन विद्यालय के अध्यापक तौसीफ हुसैन एवं नागमणि पांडेय ने किया। यह आयोजन विशेष रूप से वैसे विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए किया गया था,जिनकी उपस्थिति कक्षाओं में 75 प्रतिशत से ज्यादा थी। प्रभारी प्रधानाध्यापिका पुष्पलता कुमारी ने बताया कि विद्यालय द्वारा यह आयोजन प्रत्येक माह के अंत में किया जाता है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के मनोबल तथा उनकी संख्या दोनों को बढ़ाना है । इस कार्यक्रम में रुचि कुमारी,रेखा कुमारी,अनु कुमारी,रिशु कुमार,फिजा खातून,प्रियंका कुमारी,प्रिया कुमारी, शकीना खातून सहित अन्य शामिल है।

खबरें फटाफट

बिक्रमगंज में छापेमारी कर दो वारंटी भेजा जेल

बिक्रमगंज। काराकाट एवं कछवां पुलिस ने अलग-अलग जगहों से दो वारंटी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया । काराकाट थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी ने बताया कि थाना क्षेत्र के चौगाई निवासी मुन्ना कहार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर निवासी शंकर साव को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

महिला का अश्लील तस्वीर खींचा, प्राथमिकी दर्ज

दावथ। सूर्यपुरा गांव की एक महिला को चाय में नशीली पदार्थ खिलाकर अश्लील तस्वीर खींच वायरल करने की धमकी दिये जाने व 50 हजार रुपए की मांग करने का मामला प्रकाश में आया है। थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के छोटका पोखरा निवासी सद्दाम हुसैन नामक युवक पर आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई है।

संझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा-सासाराम मुख्य मार्ग पर सोनी टोला गांव के समीप हुई घटना

फिजिकल की तैयारी कर रहे तीन युवकों को अनियंत्रित ट्रक ने कुचला, दो की मौत

- दोनों युवक सिपाही भर्ती का लिखित परीक्षा पास कर चुके थे
- सड़क जाम कर लोगों ने प्रशासन के विरुद्ध किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/सासाराम

जिले में ट्रकों के नो एंट्री खत्म होते ही सड़कों पर दुर्घटना में मौत की एंट्री शुरू हो गई है। जिस ममालें संझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा-सासाराम मुख्य मार्ग पर सोनी टोला गांव के समीप मंगलवार की अहले सुबह बीएक अनियंत्रित ट्रक ने तीन लोगों को रौंद डाला। जिस दौरान दो की मौत मौके पर हो गई। जबकि एक जख्मी हो गए। मृतक सोनी टोला निवासी अनिल सिंह के 21 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार व राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पकड़ी निवासी जयराम सिंह के 20 वर्षीय पुत्र सतेंद्र कुमार उर्फ बजरंगी बताया जाता है । जबकि उक्त मामले में ही जख्मी सोनी टोला निवासी रविंद्र सिंह के 13 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार का प्राथमिक इलाज बिक्रमगंज शहर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है । सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दीपक कुमार और सतेंद्र कुमार दोनों युवक सिपाही भर्ती का लिखित परीक्षा पास कर चुके हैं । दोंनों फिजिकल टेस्ट की तैयारी कर रहे थे । सत्येंद्र कुमार सोनी मठिया में अपने मामा के घर रहकर तैयारी करता था । घटित घटना को लेकर आक्रोशित लोगों ने घंटों भर सड़क जामकर आवागमन बाधित कर दिया। सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंची संझौली बीडीओ प्रभा कुमारी, सीओ किशोर पासवान व थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम को हटवाया। वहीं सड़क जाम के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। जिसे हटाने में पुलिस को पसीने छूट गये। मशक्कत के बाद जाम को हटाया गया। घटना की सूचना मिलते ही उक्त स्थल पर समाजसेवी सह वरीय नेता अनंत कुमार गुप्ता एवं भाजपा नेता नवीन चंद्र साह भी पहुंचे। उसके उपरांत दोनों जन प्रतिनिधियों ने घटना स्थल पर मौजूद दोनों मृतक और जख्मी युवक के परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली ।

परिजनों को संत्वना देने पर पहुंचे जनप्रतिनिध

इस विदारक घटना को लेकर दोनों मृतक के परिजनों को इस दुख की घड़ी में शोक संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें ढाढ़स बंधाया। साथ ही हर घड़ी में साथ रहने की बातें कहीं। उस दौरान जनप्रतिनिधियों ने दोनों मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलवाने एवं जख्मी युवक को प्राथमिक इलाज करवाने की बातें अधिकारियों के समक्ष रखी। जिस दौरान घटना स्थल पर मौजूद अधिकारियों ने दोनों मृतक के परिजनों को उचित मुआवजे दिलाने की बातें कहीं और साथ ही उसी घटना क्रम में एक जख्मी किशोर को प्राथमिक इलाज कराने की बातें अधिकारियों द्वारा कहीं गई। घायल को बेहतर इलाज के लिए सासाराम रेफर कर दिया गया है। उसकी भी हालत चिंताजनक बतायी जा रही है। वहीं दूसरी ओर आक्रोशित पीड़ितों को उचित मुआवजा की मांग को लेकर लगातार अड़े हुए थे।

जिउतिया पर्व पर मां के उपर टूटा दु:ख का पहाड़

किसे पता था कि जिउतिया पर्व की तैयारी में जुटी मां को अचानक मंगलवार की अहले सुबह कलेजा को झकझोर देने वाली दर्दनाक मनहूस सूचना मिली। अहले सुबह सूचना मिलते ही घर में चहुओर चीख-पुकार सुनाई देने लगी। साथ ही घटना की जानकारी मिलते ही पूरे गांवों में कोहराम सा मच गया। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि सोनी गांव के समीप मंगलवार की अहले सुबह में एक ट्रक की चपेट में आने से दो युवक की मौत घटना स्थल पर हो गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस दोनों शव को कब्जे में लेकर मृतक के परिजनों समक्ष कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए पंचनामा की सारी रिपोर्ट पूरा कर अंत्यपरीक्षण कराकर दोनों शव को उनके परिजनों को सौप दी है। वहीं उक्त मामले में जख्मी किशोर सोनी टोला निवासी रविंद्र सिंह के 13 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस घटना की गहन जांच कर रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का आंकलन कर दें मुआवजा : डीएम

- बाढ़ से संबंधित समीक्षा बैठक में डीएम ने दिया गया आवश्यक निर्देश
- बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लगातार पानी कम हो रहा है

केटी न्यूज/ छपरा

बाढ़ से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने सारण अमन समीर ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से बाढ़ का पानी निकलने के पश्चात वहां आने वाली समस्याओं पर चर्चा करते हुए सिविल सर्जन एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। सर्वप्रथम डीएम ने सीओ सोनपुर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पानी के स्थिति की जानकारी लिया गया। अंचल अधिकारी सोनपुर ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में लगातार पानी कम हो रहा है। सोनपुर प्रखंड के दियारा क्षेत्र के उत्तरी, पूर्वी सबलपुर, हासिलपुर, कसमर गांव में अभी भी पानी है। जहां 13 नावों का परिचालन हो रहा है। आवश्यकतानुसार कल से नाव का परिचालन और कम कर दिया जाएगा। सोनपुर में चलाए जा रहे सामुदायिक रसोई घर को आवश्यकता अनुसार चलाने की बात कहीं गई। बताया गया कि दिघवारा प्रखंड के निचले हिस्से में ही पानी है जहां अभी भी पांच नावों का परिचालन हो रहा है। बाढ़ से प्रभावित सदर प्रखंड के तीनों पंचायतों में बाढ़ का पानी हट चुका है। यहां भी निचले इलाकों में नावों का परिचालन हो रहा है। मांझी प्रखंड में भी प्रभावित क्षेत्रों मे पानी कम हो गया है। कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण सारण के द्वारा बताया गया कि क्षतिग्रस्त बांधों की मरम्मती कर लिया गया है। डीएम ने सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंचल अधिकारी से बाढ़ से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन जिला आपदा शाखा,सारण को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ के कारण व्यक्ति की मृत्यु होने पर अनुग्रह अनुदान की राशि शीघ्र आश्रित को भुगतान करने का निर्देश दिया गया। सभी सीओ को प्रखंड कृषि पदाधिकारी के साथ बैठक कर फसलक्षति का मैपिंग फसलवार तैयार करने का निर्देश दिया गया। डीएम ने निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। आम जनता के कार्य का तत्काल निष्पादन किया जाए। बैठक में उपविकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, विभिन्न संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंडों के वरीय प्रभारी उपस्थित थे।

तमंचे का भय दिखाकर ठेकेदार से दिनदहाड़े 11 हजार की लूट

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र में चोरी-लूट की वारदातों के अलावा अन्य अपराधों में काफी तेजी से इजाफा हो रहा है। अपराधियों पर अंकुश लगाने में पुलिस पूरी तरह नाकाम साबित हो रही है। क्षेत्र में बढ़ते अपराध के पीछे पुलिस की सुस्ती साफ झलक रही हैं। स्थानीय पुलिस टीम क्षेत्र में गस्ती के नाम पर किसी एक जगह वाहन खड़ा कर दिन काटते नजर आते रहते हैं। इससे अपराधियों की मनोबल दिन पर दिन बढ़ते ही जा रहा हैं। ताजा मामला थाना क्षेत्र के सकला गांव के नहर पुल के समीप की हैं, जहां दिनदहाड़े अपराधियों ने एक डब्लूपीयू निर्माण करा रहे ठिकेदार से तमंचे के भय दिखाकर दस हजार नगद लूट लिया। घटना की जानकारी देते हुए पीड़ित कौपा गांव निवासी त्रिलोकी नाथ साह के पुत्र हरेराम साह ने बताया की पिछले कई दिनों से एक युवक द्वारा रंगदारी मांगी जा रही थी। हम सकला गांव के समीप सरकारी कार्य डब्लूपीयू निर्माण की कार्य करा रहा हूं। इस बीच कई दिन से सकला गांव निवासी पुलिस सिंह के पुत्र लल्लू सिंह हमारे कार्य स्थल पर आकर मुझे धमकाते रहता था और पैसा की मांग कर रहा था।

टहलने निकली महिला को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

केटी न्यूज/जहानाबाद

घोसी मुख्य मार्ग पर अहले सुबह मनियावां गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने टहलने के लिए निकली एक महिला को कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतिका की पहचान मनियावां गांव निवासी सुनैना देवी के रूप में की गई है ग्रामीणों ने बताया की मृतिका रोज की भांति सुबह टहलने के लिए निकली थी इसी बीच एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार भाग निकला महिला रोड पर छटपटाने लगी। जिसे देख ग्रामीणों ने उसे सदर अस्पताल जहानाबाद ले गये जहां इलाज के क्रम में ही उसकी मौत हो गई। मौत की जानकारी के बाद पूरे घर में कोहराम मच गया। मृतिका के परिजनों एवं ग्रामीणों ने शव को जहानाबाद घोसी मुख्य मार्ग मनियावां गांव के पास रोड पर रखकर घंटो जाम कर दिया रोड जाम होने के कारण दोनो तरफ गाड़ियों की लंबी कतार लग गई घटना की जानकारी के बाद स्थानीय थाना की पुलिस एवं अंचल अधिकारी के समझाने बुझाने के बाद लोग रोड से अलग हुए तब जाकर आवागमन सुचारू रूप से चालू हो सका प्रखंड विकास पदाधिकारी लोक प्रकाश ने बताया की पारिवारिक लाभ योजना के तहत मृतिका की परिजनों को बीस हजार रुपया का चेक दिया गया है वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार कराने के लिए शव को परिजनों को सौंप दिया। वहीं दूसरी ओर पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है।

शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित संभावना आवासीय उच्च विद्यालय में आयोजित हुआ कार्यक्रम

भोजपुर हैंडबॉल की टीम ने सूबे में प्राप्त किया तीसरा स्थान

केटी न्यूज/आरा

शहर के शुभ नारायण नगर मझौंवा स्थित संभावना आवासीय उच्च विद्यालय में मंगलवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में राज्यस्तरीय जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता 2024-25 में पुरे बिहार में तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया है। संभावना स्कूल के निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र, प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह एवं भोजपुर हैंडबॉल के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से खिलाडियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों में सागर कुमार, सचिन कुमार यादव (टीम कप्तान), सिंटू कुमार, विशाल कुमार, प्रत्युष कुमार, प्रीतम कुमार, अभिषेक कुमार, समीर कुमार, दिपू कुमार, नागेन्द्र कुमार एवं टीम कोच सुग्रीव कुमार हैं। इस दौरान संभावना स्कूल के निदेशक डॉ. कुमार द्विजेंद्र ने कहा कि भोजपुर में पहली बार हैंडबॉल की शुरूआत संभावना विद्यालय से हुई थी विद्यालय के अधिकांश बच्चे हैंडबॉल के माध्यम से आज विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी कर रहे हैं। वर्तमान में विद्यालय के 7 से 8 बच्चे हैंडबॉल में जिला एवं राज्यस्तरीय टीम के खिलाड़ी है। प्राचार्या डॉ. अर्चना सिंह ने कहा कि हैंडबॉल टीम के बेहतरीन प्रदर्शन से पूरा भोजपुर का नाम पूरे बिहार में रौशन हुआ है। मुझे उम्मीद है कि आगे भी हैंडबॉल की टीम उम्दा प्रदर्शन कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन करेगी। भोजपुर हैंडबॉल के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि काफी मशक्कत और संघर्ष के बाद आखिरकार हमारी टीम ने कांस्य पदक हासिल किया। वास्तव में हमारे संपूर्ण हैंडबॉल संघ द्वारा एक उल्लेखनीय प्रदर्शन और प्रयास है। उन्होंने बताया कि सचिन कुमार यादव एवं आलोक कुमार संभावना आवासीय उच्च विद्यालय के छात्र रहे हैं। सचिन कुमार फिलवक्त भारतीय खेल प्राधिकरण सैफई, यूपी में अभ्यासरत है। टीम में संभावना स्कूल के वर्ग दशम के छात्र कृष कुमार पांडेय एवं सुजल कुमार ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। संचालन भोजपुर हैंडबॉल संघ के सचिव अभिषेक कुमार ओझा ने की। इस अवसर पर उप प्राचार्य ऋषिकेश ओझा मौजूद रहें।

जिला स्तरीय क्षमतावर्द्धन व आवृतिचर्या प्रशिक्षण में फसल मौसम की दी जानकारी

केटी न्यूज/सासाराम

जिला पदाधिकारी के निदेशानुसार डीडीसी की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में मंगलवार को कृषि सांख्यिकी से संबंधित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों के क्षमतावर्द्धन हेतु जिला स्तरीय आवृतिचर्या प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। आवृतिचर्या प्रशिक्षण में सर्वप्रथम फसल के अनुसार कृषि वर्ष में फसल मौसम की जानकारी दी गई। इसके पश्चात खसरा पंजी, द्रुत जिन्सवार, सामान्य जिन्सवार, भूमि उपयोग विवरणी, नेत्रांकन प्रतिवेदन प्रक्षेत्र मूल्य एवं फसल कटनी के संबंध में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी गई। चूंकि भारत एक कृषि प्रधान देश है इसलिए उपर्युक्त विधि से कृषि उपज का आंकलन वैज्ञानिक विधि से करते हुए कृषि के विकास के लिए नीति निर्माण आवश्यक है। आवृतिचर्या प्रशिक्षण में फसल कटनी की वैज्ञानिक विधि की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस क्रम में डीडीसी ने बताया कि इसका प्रमुख उद्देश्य जिला स्तर पर उत्पादन एवं उत्पादकता का आकलन करना तथा साथ ही फसल बीमा कराए गए कृषकों की क्षतिपूर्ति का आकलन करना होता है। फसल कटनी आंकडों के आधार पर बिहार राज्य फसल सहायता योजनान्तर्गत कृषकों को अनुदान व सहायता इत्यादि निर्धारित की जाती है।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय का छठवां दीक्षान्त समारोह का आयोजन, 34 छात्राएं व 8 छात्रों को राज्यपाल ने दिया स्वर्ण पदक

लड़कियां लड़कों को पीछे छोड़ बढ़ रहीं आगे: राज्यपाल

केटी न्यूज/बलिया

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय का छठवां दीक्षान्त समारोह का आयोजन बुधवार को गंगा बहुद्देशीय सभागार में कुलाधिपति व राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर कुलाधिपति ने स्नातक के 19448, स्नातकोत्तर के 3894 सहित कुल 23342 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। इसमें 9452 छात्र तथा 13890 छात्राएं थीं। उन्होंने दो विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि तथा अपनी कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 42 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया। स्वर्ण पदक पाने में 34 छात्राएं तथा 8 छात्र थे।

सभी विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली एमएससी (जन्तु विज्ञान) की छात्रा आयुषी कुमारी सिंह को चांसलर मेडल प्रदान किया गया। दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते हुए कुलाधिपति श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी ने कहा कि आप सब लोगों को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत गर्व होता हैं। आज इस भूमि पर उपस्थित होकर आप सब लोगों को संबोधित कर रही हूं, वह संतो, ऋषियों, राष्ट्रनायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, कलाकारों एवं साहित्यकारों की भूमि हैं। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक मंगल पाण्डेय तथा सन 1942 की क्रांति के नायक चित्तू पाण्डेय, इसी धरती की उपज रहें हैं। भारतीय राजनीति को नई दिशा देने वाले श्री जयप्रकाश नारायण और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री चंद्रशेखर जी की यह धरती है। इस धरती को नमन करती हूं।

उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मश्री रामचेत चौधरी जी ने इस क्षेत्र से विलुप्त हो रही काला नमक चावल को पुनर्जीवित करने का कार्य ही नहीं किया है, बल्कि इस चावल की गूंज पूरे देश-विदेश में भी हो रही है। उन्होंने उपाधि एवं गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा की उपाधि एवं मेडल प्राप्त करने में सबसे ज्यादा लड़कियां हैं, कैसे धीरे-धीरे करके लड़कियां आगे बढ़ रही हैं और लड़के पिछड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम बिल्डिंग किसके लिए बनाते हैं-हॉस्पिटल, विश्वविद्यालय या छोटे बच्चों के लिए बिल्डिंग बन रही है, इन बिल्डिंगों में क्या-क्या सुविधा होनी चाहिए, उन सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने एक विश्वविद्यालय के बिल्डिंग को देखा, जिसके क्लासरूम में ब्लैक बोर्ड के नीचे प्लेटफार्म नहीं था। प्लेटफॉर्म नहीं होने से अध्यापक को पढ़ाने में कठिनाई होती है, सभी क्लासरूम में ब्लैक बोर्ड के नीचे प्लेटफार्म बनवाने के निर्देश दिए।

स्वर्ण पदक पाने में बेटियों ने बेटों को छोड़ा पीछे

इससे मिलेगी बलिया को विशेष पहचान: रामचेत चौधरी

बलिया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक पद्मश्री रामचेत चौधरी ने कहा कि यह अच्छी बात है कि विश्वविद्यालय शहर में न होकर खुले और अच्छे वातावरण में है। अध्यापकों को संदेश दिया कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी समाज के लिए कुछ सकारात्मक कार्य करते रहें। मैंने सेवा से आजाद होकर ही जो किया, उसी के लिए अप्रैल, 2024 में पद्मश्री मिला। विद्यार्थियों से कहा कि आपको यह डिग्री मिली, अर्थात आपको विश्वविद्यालय ने इस देश के लिए कुछ करने के लिए तैयार किया है। आप सभी समाज के लिए ऐसा कार्य करें, जिससे लोग आपको याद करें। श्री चौधरी ने कुलपति से कहा कि कुछ ऐसी चीजें हैं, जो बलिया की विशेष हैं। बलिया की बिंदी, जलमग्न धान, सत्तू का भौगोलिक सूचकांक देने के लिए कार्य किया जाए तो उससे बलिया को विशेष पहचान मिलेगी और यहां के लोगों को भी तमाम फायदा होगा। बलिया की मिट्टी अपने आप में शानदार है, इसकी एक अलग पहचान बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए छोटे टॉयलेट बनाया जाये : कुलाधिपति ने कहा कि हम विश्वविद्यालय में सिविल इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर एवं डिजाइन के लिए तथा टाउन प्लानिंग के लिए पढ़ाते हैं, बच्चे पढ़कर जाते हैं और जब धरती पर उतरना होता है तो वे वहां पर नहीं उतार पाते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि हम लोग सही ढंग से सीखाते हैं या नहीं, या बच्चे सही ढंग से सीखते हैं या नहीं, कहां कमियां है, उस कमी को ढूंढने की जरूरत है। उन्होंने अध्यापकों से कहा कि आप बच्चों को बताएं कि वह जिस बिल्डिंग को बनाएंगे, उस बिल्डिंग में क्या-क्या सुविधा होनी चाहिए, उस पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए छोटे टॉयलेट बनाया जाये। उन्होंने विश्वविद्यालय से कहा कि बच्चों को उस तरीके से सिखाएं, जिसका उपयोग जनता के लिए वे कर सकें। उन्होंने कहा कि तेरह करोड रुपए पीएम उषा के तहत मिला है, इन 13 करोड़ रुपए का प्लान तैयार कर शासन को भेजा गया है या नहीं, वे राजभवन में सभी विश्वविद्यालय का प्रस्तुतीकरण देखेंगी। उन्होंने कहा कि नैक बंद हो गया है, इसकी जगह पर बाइनरी नाम की एक नई स्कीम आ रही है, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाय तथा अध्यापकों को जिम्मेदारी सौंपकर इसमें आगे बढ़ा जाये।

एक-एक स्टूडेंट के लिए 7.50 लाख रुपए देने का प्रावधान : कुलाधिपति ने कहा कि इस क्षेत्र के लिए कौशल विकास में बच्चों को आगे बढ़ाने की जरूरत है, इसके लिए विश्वविद्यालय को प्रयास करना पड़ेगा। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा कौशल विकास के लिए एक-एक स्टूडेंट के लिए 7.50 लाख रुपए देने का प्रावधान बजट में किया गया है। भारत की बड़ी-बड़ी कंपनियों को इंटर्नशिप कराने के लिए बाध्य किया गया है। प्रधानमंत्री जी ने सभी कंपनियों के मालिकों और सीईओ से कहा है कि हमारे जितने भी बच्चे इंटर्नशिप करने के लिए आपके यहां आते हैं आप मना नहीं कर सकते हैं। बच्चे बड़ी-बड़ी कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए काम करेंगे तो मालिक उनके कार्य से खुश होकर अपने यहां रोजगार भी देंगे। एक करोड़ से भी ज्यादा बच्चों को अपना रोजगार करने के लिए बजट में बिना ब्याज के प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा की मुद्रा योजना के तहत 10 लाख रुपए मिलता था, अब इसे बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया गया है, यह भी होनहार बच्चों के लिए किया गया है। बच्चों इसका लाभ उठा कर आप भी अपना रोजगार करें और आगे चलकर आप भी नौकरी देने वाले बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार ऐसी योजनाएं चला रही हैं, इसमें बच्चों को जोड़ना है, यह जोड़ने की जिम्मेदारी अध्यापकों की हैं।

बच्चों को प्रेरित करने तथा दिशा देने का कार्य अध्यापकों का : कुलाधिपति ने कहा कि कृषि क्षेत्र में पदमश्री प्राप्त करने वाले तथा शोधकों से संपर्क कर यह यूनिवर्सिटी और यह क्षेत्र कृषि क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ सकता है, इस पर भी ध्यान दिया जाय। उन्होंने अध्यापकों से कहा कि आप लोग लेखन कार्य भी करें कुछ नया रिसर्च हुआ है तो उस पर भी लिखा जाए कि रिसर्च किस प्रकार किया गया है, इन कार्यों के लिए कमिटमेंट की जरूरत हैं। बच्चों को प्रेरित करने तथा दिशा देने का कार्य अध्यापकों का है। एक-दो बच्चे आगे निकल जाएंगे तो आपको भी प्रसन्नता की अनुभूति होगी। उन्होंने अध्यापकों से कहा कि आप लोग संकल्प कर अच्छे-अच्छे कार्य करिए। उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन के सहयोग से 150 आंगनबाड़ी केंद्रों को किट प्रदान किया गया है, यह कोई साधारण किट नहीं है, इससे बच्चों का मानसिक, शारीरिक एवं सर्वांगीण विकास होगा। यह अभियान विगत 4 वर्ष से चल रहा है और पूरे उत्तर प्रदेश में लगभग 20 हजार आंगनबाड़ी केंद्र में किट का वितरण जन सहयोग के माध्यम से किया गया है। ये छोटे बच्चे हैं, लेकिन ये हमारे भविष्य है और इनके भविष्य को अच्छे तरीके से संभालना, अच्छे तरीके से संस्कार देना और अच्छे तरीके से राष्ट्रप्रेम जागृत करना, हमारा कार्य है।

कुलाधिपति ने नवनिर्मित अटल प्रशासनिक भवन का किया उद्घाटन: राज्यपाल व कुलाधिपति ने बसंतपुर स्थित जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय पहुंचकर नवनिर्मित अटल प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया तथा वृक्षारोपण किया। उन्होंने पूरे भवन में भ्रमण कर सभी कक्षों को देखा। इससे पहले कुलाधिपति/राज्यपाल का स्वागत उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कुलपति प्रो संजीत गुप्ता, जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर, सीडीओ ओजस्वी राज ने पुलिस लाईन स्थित हेलीपैड पर किया। इसके बाद वह सड़क मार्ग से बसंतपुर स्थित विश्वविद्यालय के लिए प्रस्थान कीं।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिया किट, परिषदीय बच्चों को किया पुरस्कृत: कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह में 150 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्री को किट वितरित किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए परिषदीय विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता कुल 24 विद्यार्थियों को शैक्षणिक किट एवं फलों की टोकरी देकर उनकी हौसलाआफजाई की। इसके अलावा विभिन्न परिषदीय विद्यालयों में आयोजित चित्रकला, भाषण व कहानी प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया। प्राइमरी स्कूल के छात्र-छात्राओं की बनाई पेंटिंग की भी खूब सराहना की। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले विद्यालयों के पुस्तकालायों के लिए राजभवन से आई पुस्तकों को प्रधानाध्यापकों को भेंट किया। उन्होंने जिलाधिकारी को भी राजभवन से आई पुस्तक भेंट की तथा आंगनबाड़ी केंद्र के लिए राजभवन से आए हेल्थ किट सीडीओ को भेंट किया। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय की स्मारिका ह्यसृजनह्य समाचार पत्रिका ह्यअन्वीक्षणह्य एवं अन्य पुस्तकों का विमोचन किया।

दीक्षान्त समारोह एक नजर…

खबरें फटाफट

हादसे में एक की मौत

गाजीपुर। करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के बगेंद गांव निवासी दिलीप कुमार राय (57) सुबह टहलते समय चारपहिया वाहन के टक्कर से घायल हो गए। घायल ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। प्रतिदिन की तरह दिलीप कुमार राय पुत्र गोविंद राय (57) गांव के सामने वाली सड़क पर टहल रहे थे। तभी पीछे से तेज गति से आ रहे चारपहिया वाहन ने दिलीप को धक्का मारते हुए मुख्य सड़क ढोढाडीह रेलवे स्टेशन की तरफ निकल भागा। आस-पास के लोगों ने परिजनों को सूचित करते हुए निजी वाहन के सहारे स्वास्थ केंद्र मुहम्मदाबाद ले जाने लगे, लेकिन कुछ दूर जाते ही घायल ने दम तोड़ दिया।

विद्युत व्यवस्था नहीं सुधरी तो देंगे धरना

गाजीपुर। जनपद में खराब व्यवस्था से दु:खी होकर शेरपुर सेमरा ग्राम पंचायत के काफी संख्या में लोगों ने भाजपा नेता राजेश बागी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री को संबोधित पत्र उप जिलाधिकारी मनोज कुमार पाठक को पत्रक देकर तत्काल विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की। भाजपा नेता राजेश राय बागी ने कहा कि चाहे कुंडेश्वर फिटर पर तैनात बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर हो या मोहम्मदाबाद उप केंद्र पर तैनात जूनियर इंजीनियर यह सभी लोग तहसील मुख्यालय एवं अपने तैनाती वाले उपकेंद्र पर निवास नहीं करते उनके निवास स्थान जिला मुख्यालय पर होता है जिसके चलते दिन हो चाहे रात किसी भी समय इलाके में कोई भी तार टूट जाता है तो उसे बनाने वाला कोई नहीं होता इन अधिकारियों पर ग्रामीण लोगों द्वारा फोन किया जाता है तो इनका फोन भी नहीं उठाता है ऐसे ही अधिकारी जगह-जगह सरकार की छवि को खराब कर रहे हैं।

आंगनबाड़ी केंद्रों के उत्कृष्ट रखरखाव के लिए राज्यपाल ने किया सम्मानित

- आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लेकर उसे बनाया गया आधुनिक व सुविधाजनक

केटी न्यूज/मऊ

उत्तर प्रदेश के राज भवन में प्रदेश में स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के मामले में अधिकारियों को सम्मानित किया। जिसके तहत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों सुविधा संपन्न बनाने को लेकर यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राजभवन
उत्तर प्रदेश
आँगनबाड़ी सहभागिता
प्रशस्ति-पत्र
मा० राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
के मार्गदर्शन में संचालित कार्यक्रम
"आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए अनूठी पहल"
के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने में
मुख्य चिकित्साधिकारी, मऊ
द्वारा जनपद-मऊ के 10 आंगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लेकर प्रभावी भूमिका निभाई गयी है।

सीएमओ डॉ. राहुल सिंह ने बताया कि जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों के रखरखाव और सुविधा संपन्न बनाने को लेकर मऊ जिले का उत्कृष्ट स्थान रहा, जिसमें की 10 आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिए लेकर उसे आधुनिक और सुविधा संपन्न बनाया गया जिसकी काफी चर्चा रही। सीएमओ ने बताया कि स्वास्थ्य इंडिकेटर में इधर लगातार मऊ यूपी सीएम डैशबोर्ड पर अंडर फाइव रहकर अपना प्रदर्शन कर रहा है। अभी कुछ दिनों पहले ही हमारे जनपद के तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों ने अपने गुणवत्ता और रखरखाव के चलते एक-एक लाख रुपए पुरस्कार पाया। इन सभी उपलब्धियों में हमारे विभाग के सभी छोटे से लेकर बड़े कर्मचारी सम्मिलित हैं। हमारी कोशिश है कि जनपद के आखिरी व्यक्ति तक सरकार की स्वास्थ्य सेवा पहुंचे। सभी को निशुल्क और सुविधा और गुणवत्ता युक्त चिकित्सा मिले।

अवैध शराब के साथ चार अभियुक्त गिरफ्तार

गाजीपुर। कोतवाली पुलिस ने बीती रात हेतिमपुर पुलिया के पास से अवैध शराब के साथ तीन अभियुक्त व देवैथा सम्पर्क मार्ग पर 40 अदद देशी शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध वाहन व व्यक्तियों की तलाशी में मामूर थी। तभी मुखबिर खास की सूचना पर बिक्री हेतु बिहार ले जाते समय करीब 23.30 बजे हेतिमपुर पुलिया के पास से तीन अभियुक्त धनन्जय यादव निवासी दौदहीं-जमानियां, राहुल कुमार निवासी महतनीया थाना उदवंत नगर जनपद भोजपुर बिहार व रोहित कुमार निवासी बडीहा थाना संदेश जिला भोजपुर बिहार को 329 केन किंग फिशर स्ट्रान्ग मल्ट वियर 500 मिली एवं टू वर्ग प्रिमियर वियर 500 मिली नाजायज शराब बरामद कर अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया।

बेहतर कार्य योजना तैयार कर अभियान से जुड़े विभाग करें कार्य: जिलाधिकारी

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान अक्टूबर 2024 के जनपद स्तरीय अंतर विभागीय बैठक संपन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी ने संभव अभियान की प्रदेश स्तरीय जारी रैंकिंग में जनपद का तृतीय स्थान आने पर संभव अभियान से जुड़े समस्त अधिकारियों को बधाई दी.बैठक के दौरान डिप्टी सीएमओ आर एन सिंह ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान दिनांक 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक संचालित होगा एवं दस्तक अभियान दिनांक 11 से 31 अक्टूबर 2024 तक संचालित होगा। इस बार दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा कर्मियों द्वारा डायबिटीज, हाइपरटेंशन तथा कैंसर जैसे नान कम्युनिकेबल डिजीज हेतु प्रतिदिन प्रति आशा कर्मी न्यूनतम 5 सी बैक फार्म की प्रविष्टि पूर्ण करनी है। इसके अलावा उन्होंने ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभाग, नगर विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पशुपालन विभाग, बाल विकास विभाग, सिंचाई विभाग,कृषि एवं उद्यान विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तृत जानकारी बैठक के दौरान दी। जिला अधिकारी ने अभियान से जुड़े समस्त विभागों को बेहतर कार्य योजना तैयार कर आपसी समन्वय से इस अभियान को सफल बनाने हेतु विशेष प्रयास करने को कहा।इसके अलावा उन्होंने समस्त विभागों को निर्धारित तिथियां में ही प्रशिक्षण कार्य करने एवं निर्धारित समय में लक्ष्य को हासिल करने हेतु समस्त व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर लेने को कहा। ग्राम विकास एवं पंचायती राज विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को ऐसे स्थानों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जहां विवाद की वजह से जल जमाव की स्थिति बन रही है। साथ ही उन्होंने ए डी ओ पंचायत को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने,उथले हैंडपंप को लाल रंग से चिन्हित करने इंडिया मार्का हैंडपंप की मरम्मत करने जैसे कार्य को तत्काल करने की भी निर्देश दिए।

एक नजर

दारोगा की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत

गाजीपुर। जिले के सेवराई थाना अंतर्गत सुहवल गांव के रहने वाले तथा भदोही जनपद के सूयार्वा थाने पर तैनात यूपी पुलिस के उपनिरीक्षक अश्वनी शरण राय (58) का आज लंबी बीमारी के चलते लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके चलते पुलिस महकमे एवं गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की जानकारी मृत उपनिरीक्षक के पैतृक गांव स्थित परिजनों को होते ही, उनमें कोहराम मच गया।जबकि गांव में इस घटना के बाद से ही सन्नाटा पसरा हुआ है। पत्नी माधुरी राय सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। लोग पीड़ित परिजनों को सांत्वना देने में जुटे हैं। उनका अंतिम दाह संस्कार गाजीपुर स्थित गंगा तट पर किया गया। सशस्त्र पुलिस जवानों ने उपनिरीक्षक को अंतिम सलामी दी। इसके बाद बड़े पुत्र अभिषेक कुमार राय के मुखाग्नि देते ही मौजूद हर लोगों की आखें नम हो गई। उनके इस अंतिम यात्रा में बड़े पैमाने पर ग्रामीण, परिजन सहित पुलिस कर्मी मौजूद रहे।मृतक उपनिरीक्षक के बड़े पुत्र अभिषेक कुमार राय ने बताया कि उसके पिता दो भाईयों में सबसे बड़े थे। वह 1986 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे। बताया कि वह वर्तमान समय में भदोही जनपद के सूयार्वा थाने पर तैनात थे। उसके पिता की तबीयत काफी दिनों से खराब चल रही थी।

जनपद में विद्युत व्यवस्था नहीं सुधरी तो देंगे धरना: राजेश बागी

गाजीपुर। जनपद में खराब व्यवस्था से दुःखी होकर शेरपुर सेमरा ग्राम पंचायत के काफी संख्या में लोगों ने भाजपा नेता राजेश बागी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री को संबोधित पत्र उप जिलाधिकारी मनोज कुमार पाठक को पत्रक देकर तत्काल विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की। भाजपा नेता राजेश राय बागी ने कहा कि चाहे कुंडेश्वर फिटर पर तैनात बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर हो या मोहम्मदाबाद उप केंद्र पर तैनात जूनियर इंजीनियर यह सभी लोग तहसील मुख्यालय एवं अपने तैनाती वाले उपकेंद्र पर निवास नहीं करते उनके निवास स्थान जिला मुख्यालय पर होता है जिसके चलते दिन हो चाहे रात किसी भी समय इलाके में कोई भी तार टूट जाता है तो उसे बनाने वाला कोई नहीं होता इन अधिकारियों पर ग्रामीण लोगों द्वारा फोन किया जाता है तो इनका फोन भी नहीं उठाता है ऐसे ही अधिकारी जगह-जगह सरकार की छवि को खराब कर रहे हैं। कहां की विद्युत विभाग के अधिकारी सिर्फ वसूली में लिप्त हैं, जनता की उन्हें कोई परवाह नहीं है। उन्होंने चेतावनी दिया कि हमारे ग्रामसभा में कई दिनों से बिजली की व्यवस्था खराब है। उन्होंने चेतावनी दिया कि विद्युत व्यवस्था को तत्काल ठीक नहीं किया जाता, तो हम सभी ग्रामवासी 48 घंटे के बाद तहसील मुख्यालय पर विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। ग्रामीणों की बातों को सुनकर उप जिलाधिकारी ने तत्काल विद्युत विभाग के एक्शन गाजीपुर से टेलीफोनिक बात कर समस्या के निदान करने की बात कही।

कल्चरल क्लब द्वारा 'भोजपुरी में लोक संस्कृति' परिचय और महत्त्व' विषय पर व्याख्यान आयोजित

माई बाबू से बढ़ी के ई दुनिया में का बा, उनकरे से रोशन दुनिया जहान बा...

- कार्यक्रम में भोजपुरी में लोक संस्कृति' परिचय और महत्तव पर हुई परिचर्चा

केटी न्यूज/गाजीपुर

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में कल्चरल क्लब द्वारा 'भोजपुरी में लोक संस्कृति' परिचय और महत्तव' विषय पर प्रोफेसर राम नारायन तिवारी का व्याख्यान आयोजित किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भोजपुरी की संस्कृति सामाजिक संस्कृति है। यह भारतीय लोक शास्त्र का विरोधी नहीं, अपितु पूरक है। जब -जब शास्त्र रूढ़ हुआ, तब -तक लोक ने उसे गति प्रदान किया है। संस्कृति इस लोक और शास्त्र

के मध्य प्रवाहमान है। शास्त्र ने जहां -जहां मंत्र रचे, लोक ने वहां- वहां गीत रचे। हमारे यहां के विवाह इसके प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। विवाह में एक तरफ पंडित मंत्र पढ़ता है और दूसरी तरफ औरतें गीत गाती हैं। हमारा लोक प्रकृति उन्मुख है। प्रकृति की अवहेलना वहां निषिद्ध है। वहां एक पारिवारिक रिश्ता है। धरती - आकाश, नदी -तालाब, पेड़ -पल्लव से माता - पिता और भाई बहन का रिश्ता है। यही वसुधैव कुटुंबकम है, जहां सभी अपने हैं।

इस अवसर पर बीए प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू ने 'जागा हिंद ललनवा' बिरहा गीत का पूरी भाव भंगिमा के साथ गायन किया। जिस पर छात्राओं ने खूब तालियां बजाई। पूनम यादव ने अपने घर में नित्य गाए जाने वाले भजन का पाठ किया 'माई बाबू से बढ़ी के ई दुनिया में का बा/उन्हीं से रोशन दुनिया जहान बा' आफरीन ने मां सरस्वती की बंदना गीत प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर कल्चरल क्लब प्रभारी डा निरंजन कुमार यादव ने कहा कि बिना अपनी संस्कृति को जाने समझे, उस दिशा में कोई ठोस काम नहीं किया जा सकता। जब तक हम उसके महत्व को नहीं समझेंगे तब तक उसके प्रति हमारा लगाव नहीं होगा। प्राचार्य प्रो अनीता कुमारी ने कहा पाश्चात्य संस्कृति से मुक्ति के लिए लोक संस्कृति का सरंक्षण आवाश्यक है। इस अवसर पर डा विकास सिंह, डा अमित यादव, सहित कल्चरल क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

सात वर्षों से वरासत सही कराने को भटक रहे प्रेमचंद का दो घंटे में डीएम ने कराया कार्य

- लेखपाल की गलती के कारण प्रेमचंद को सात साल करना पड़ा इंतजार
- जन सुनवाई में जिलाधिकारी के समक्ष फरियाद पर तुरंत हुई कार्रवाई

केटी न्यूज/जौनपुर

प्रेमचंद पुत्र सुंदरी प्रसाद निवासी पोखरियापुर ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कक्ष में जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र के सामने उपस्थित होकर बताया कि उनकी माता धर्मा देवी पत्नी सुंदरी प्रसाद के मृत्यु के बाद वरासत में उनके एकमात्र पुत्र प्रेमचन्द्र के स्थान पर त्रुटिवश ओमप्रकाश, जयप्रकाश पुत्र कुबेर दर्ज हो गया था। प्रेमचंद पिछले 7 वर्षों से वरासत में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रयास कर रहा था। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने इस मामले को गम्भीरतापूर्वक से लेते हुए नायब तहसीलदार से प्रकरण के सन्दर्भ में पूरी जानकारी प्राप्त की और इसके बाद जिलाधिकारी ने स्वयं शिकायतकर्ता प्रेमचन्द्र के घर मौके पर पंहुचकर खुली बैठक में तस्कीद कराते हुए प्रेमचंद पुत्र सुंदरी प्रसाद का नाम दर्ज कराने के लिए तहसीलदार और लेखपाल को निर्देशित करते हुए आदेश दिया कि नाम दर्ज करने के साथ ही तत्काल खतौनी उपलब्ध कराई जाए।

इसके अलावा उन्होंने ग्राम पोखरियापुर के मृतक रमाशंकर और रामदुलार की जगह उनके वारिसों के नाम दर्ज करने के साथ ही उन्हें भी खतौनी देने के निर्देश दिए तथा लेखपाल को निर्देशित किया कि जिनके यहां भी मृतक के स्थान पर उनके वारिसों का नाम तत्काल दर्ज कराना है।

जिलाधिकारी ने गांव के वयोवृद्ध लोगों से मुलाकात कर ली जानकारी: जिलाधिकारी ने गांव के वयोवृद्ध लोगों से मुलाकात की और गांव की कक्षा 8 की छात्रा मायनूर शेख से गणित से जुड़े प्रश्न पूछे और प्रोत्साहित भी किया तथा मिड-डे-मील के संदर्भ में भी जानकारी ली। इसके पूर्व जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत शिकायतों का सन्दर्भ लेते हुए 24 सितम्बर को सादिक पुत्र गेना निवासी ग्राम अजोरपुर तहसील केराकत जौनपुर के द्वारा वरासत के संबंध में दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र के क्रम में उपजिलाधिकारी द्वारा मृतक गेना के वारिस सादिक का नाम वरासत में दर्ज कर खतौनी में अंकित करा दिया गया है। जिसके क्रम में जिलाधिकारी ने एक वर्ष से लंबित इस प्रकरण में प्रार्थी सादिक को खतौनी प्रदान करते हुए मामले का निस्तारण कर दिया।

खबरें फटाफट

फोन पर की दोस्ती वाराणसी आकर किया दुष्कर्म

वाराणसी। बड़ौदा निवासी एक युवक ने फोन पर वाराणसी की एक महिला से दोस्ती की। इसके बाद वाराणसी आकर कैंट रेलवे स्टेशन के समीप होटल में महिला से दुष्कर्म किया। घटना के संबंध में महिला की शिकायत के आधार पर सिगरा थाने की पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुजरात के बड़ौदा के इंद्रानगर के मूल निवासी और यूपी के फिरोजाबाद में रहने वाले विकास रविंद्र सिंह राजपूत के रूप में हुई है। सिगरा थानाध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि आरोपी विकास बड़ौदा में आदित्य बिरला सन लाइट इंश्योरेंस में कमीशन के आधार पर एडवाइजर का काम करता है। वह एक वर्ष से पीड़िता के संपर्क में था। वाराणसी आने पर वह कैंट स्टेशन के समीप होटल में कमरा लेकर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया था। होटल में पीड़िता के आईडी प्रूफ के तौर पर वह अपनी मृत पत्नी का आधार कार्ड देता था। पीड़िता को विकास अपनी पत्नी बताता था।

महाकुंभ से पहले डिपो में आएंगी 150 नई बसें

वाराणसी। महाकुंभ को देखते हुए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम वाराणसी परिक्षेत्र के बेड़े में 150 नई बसें शामिल की जाएंगी। डीजल संचालित यह बसें जल्द ही वाराणसी परिक्षेत्र को मिलेंगी। मुख्यालय स्तर से इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। ये बसें वाराणसी-प्रयागराज रूट पर चलाई जाएंगी।
रोडवेज अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश भर में नई बसें खरीदी जा रही हैं। सभी नई बसों को महाकुंभ से जोड़ा जा रहा है। इसी प्रक्रिया के तहत 150 नई बसें वाराणसी परिक्षेत्र को भी मिल रही हैं। महाकुंभ के दौरान एक भी पुरानी बसें नहीं चलाई जाएंगी। महाकुंभ को देखते हुए ई-बसें, सीएनजी और डीजल बसों की खरीद शुरू हो गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक गौरव वर्मा ने बताया कि 150 नई बसों के आने की प्रक्रिया चल रही है।

राज्य महिला आयोग की सभी पदाधिकारियों, सदस्यों से उप्र के मुख्यमंत्री ने की बैठक

बोले योगी... महिलाओं में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने में महिला आयोग की बड़ी भूमिका

- मुख्यमंत्री का आह्वान, जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रभावी हो तो उत्तर प्रदेश की महिलाएं उठा सकें पूरा लाभ, इसके लिए महिला आयोग तैयार करे कार्यक्रम
- जनपदीय प्रवास के दौरान महिलाओं से संवाद करें, सरकारी योजनाओं से वंचित महिलाओं को लाभ दिलाने के लिए संस्तुति करे महिला आयोग

केटी न्यूज/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवगठित राज्य महिला आयोग को बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कहा कि देश में अतिशीघ्र नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रभावी होने जा रहा है। इसके माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की कुल सीटों में से एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। प्रदेश की महिलाओं को इसका वास्तविक लाभ मिल सके, इसके लिए उनमें नेतृत्व क्षमता विकास के लिए विशेष प्रयास किया जाना आवश्यक है। महिला हितों के संरक्षण तथा उनके कल्याण में राज्य महिला आयोग की बड़ी भूमिका है। राज्य महिला आयोग इसके लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार करे। मंगलवार को नवगठित राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष द्वय और सदस्यों सहित सभी पदाधिकारियों के साथ विशेष बैठक में मुख्यमंत्री जी ने राज्य महिला आयोग के गठन के उद्देश्यों, दायित्वों, अधिकारों पर भी चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आयोग की पदाधिकारी विद्यालयों का निरीक्षण कर दें सुझाव

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोग की पदाधिकारियों द्वारा महिला संवासिनी गृहों, अटल आवासीय विद्यालयों, कस्तूरबा विद्यालयों, महिला छात्रावासों, आश्रम पद्धति के विद्यालयों का भी निरीक्षण किया जाना चाहिए। वहां की व्यवस्था का अवलोकन कर सुधार के लिए अपने सुझाव शासन को देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महिला एवं बाल विकास की माननीय मंत्री, विभागीय अधिकारियों और महिला आयोग के बीच बेहतर समन्वय बना रहे, इससे आयोग और विभाग दोनों ही अपने प्रयासों में सफल हो सकेंगे। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की उपयोगिता पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1090, 181 और 112 जैसी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन को इंटीग्रेट किया जा गया है। पूरे प्रदेश से महिलाओं की समस्याएं यहां प्राप्त होती है। आयोग को 1090 का भ्रमण कर वहां आ रही समस्याओं को समझना चाहिए। 1090 की व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए अपने सुझाव भी देने चाहिए। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह, आंगनबाड़ी, बीसी सखी को भी समय-समय पर आयोग द्वारा मार्गदर्शन दिये जाने की अपेक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री जी ने आयोग के सुचारु कामकाज के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं/बेटियों की सुरक्षा और उनके विकास के लिए अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा महिलाओं के हित में अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। महिलाओं की सहायता के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं। इनके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। आयोग के पदाधिकारियों को जनपदीय प्रवास के दौरान इन प्रयासों/कार्यक्रमों के बारे में स्थानीय महिलाओं से संवाद करना चाहिए। वहां से प्राप्त फीडबैक से मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराया जाना अपेक्षित है। यदि कतिपय कारणों से किसी को योजना का लाभ नहीं मिल सका है, तो उनके लिए आयोग द्वारा संस्तुति भी की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भिक्षावृत्ति की अवैध गतिविधियों से फंसे बच्चों को मुक्त कराकर उनकी पढ़ाई, आवास आदि की व्यवस्था कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किया जा रहा है। राज्य महिला आयोग इस कार्य में प्रभावी योगदान करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के सहयोग से वृंदावन में निराश्रित महिलाओं के लिए 'कृष्णा कुटीर' की स्थापना की गई है। निराश्रित महिला केंद्र भी संचालित हैं। यहां निवासरत महिलाओं में बहुत सी शिक्षित हैं। कुछ में हस्तशिल्प का हुनर है। कुछ अन्य किसी विधा की जानकार हैं। इनकी प्रतिभा, क्षमता का सही उपयोग हो, इसके लिए आयोग को इन महिलाओं से संवाद कर अपने सुझाव देने चाहिए।

एक नजर

किसान गोष्ठी: आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर मुनाफा अर्जित करें किसान

चंदौली। कृषि विज्ञान केंद्र के पास किसान गोष्ठी का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस दौरान जनपद के अलग-अलग इलाकों से आए किसानों को कम्पनी के अधिकारियों के साथ ही कृषि विभाग के अफसरों ने खेती किसानों में आधुनिक उपकरणों की उपयोगिता के बारे में जानकारी ली। बताया कि वर्तमान में उम्दा बीजों के इस्तेमाल के साथ आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल से किसानों को सहूलियत होगी और बेहतर पैदावार से अच्छी आय अर्जित होगा। इस दौरान सीनियर मैनेजर अश्वनी त्रिपाठी ने किसानों के हित व सुविधाओं के मद्देनजर लाए गए ट्रैक्टर, रोटावेटर समेत अन्य उपकरणों के उपयोग व उससे होने वाले लाभ की जानकारी दी। बताया कि किस तरह किसान आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल कर तरक्की कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने निजी कम्पनी के रामेंद्र बहादुर सिंह, चन्द्रकांत सिंह डिप्टी एरिया मैनेजर व अनमोल राठौर एफओ के साथ मिलकर पांच किसानों को ट्रैक्टर की चाभी सौंपी। इसके साथ ही 18 किसानों ने नए ट्रैक्टर को लेकर के लिए बुकिंग भी कराई। साथ ही कम्पनी के द्वारा समारोह में उपस्थित किसानों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। वहीं कृषि उपनिदेशक भीम सेन ने किसानों का मार्गदर्शन किया। कहा कि किसानों को समय के साथ चलने की जरूरत है। किसान अपनी जरूरतों को देखते हुए नए उपकरणों का इस्तेमाल खेती-किसानी में करें, ताकि वे कम समय में अच्छी पैदावार अर्जित कर सके। इस अवसर पर नितिन देवरलिया, राजेंद्र देवरलिया, मान सिंह, राघवेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, अशोक पासवान, प्रसन्नजीत सिंह, एसपी मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

चंदौली में अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, महिला की मौत

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के जगदीश सराय गांव के समीप नेशनल हाईवे पर मंगलवार को एक अज्ञात वाहन बाइक सवार को टक्कर मार फरार हो गया। घटना में बाइक पर पीछे बैठी महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर जुटे आस पास के ग्रामीणों ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी। घटना पर पहुची पुलिस ने तत्काल घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। और महिला के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बताते हैं कि सदर कोतवाली क्षेत्र हथियानी गांव निवासी राम दुलार प्रजापति का पुत्र विकास 20 वर्ष अपने माँ प्रभावती देवी 45 वर्ष को लेकर मुगलसराय दवा दिलाने लेकर जा रहा था। इस दौरान जैसे ही वो जगदीश सरायगांव के समीप पहुंचा कि पीछे से आ रही किसी अज्ञात वाहन ने उसके बाइक को टक्कर मार दिया। घटना में प्रभावती देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बेटा विकास घायल हो गया। मौके पर जुटे आस पास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी घटनास्थल पर पहुची पुलिस ने तत्काल घायल विकास को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया वही महिला के शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस बाबत सदर कोतवाल गगन राज सिंह ने बताया सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई है शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

आयुष्मान पखवाड़ा का आयोजन

पीडीडीयू नगर। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान पखवाड़ा का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोगवार में किया गया। जिसका मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद दर्शन सिंह ने फीता काटकर इसका शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने लगभग एक दर्जन पात्रों में आयुष्मान कार्ड का भी वितरण किया। कहा कि 20 सितंबर से आयुष्मान पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन 30 सितंबर को होगा। इसके तहत विभिन्न अस्पतालों में निःशुल्क जांच और इलाज के अलावा मरीज को जागरूक करने का कार्यक्रम शासन स्तर पर चलाया जा रहा है। एडिशनल सीएमओ डॉ आरबी शरण ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर बाल रोग, टीवी ,डेंगू, चिकनगुनिया, स्त्री रोग आदि की निशुल्क जांच की जा रही है। इस समय बाढ़ के कारण महामारी फैलने का डर बना हुआ है। जिसकी वजह से सभी लोगों को खान-पान पर भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस मौके पर डॉक्टर रुपेश वर्मा, इंद्रजीत, सुनीता आदि मौजूद रहे।

भदोही में युवती ने फंदे से लटककर दे दी जान

भदोही। भदोही जिले के गोपीगंज कोतवाली के कौलापुर गांव में एक 18 वर्षीय युवती ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवती ने परिजनों की डांट से नाराज होकर यह कदम उठाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लेखपाल व उसके परिवार के अपहरण की सूचना से पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चका जयपालपुर गांव

केटी न्यूज/जौनपुर

जौनपुर जिले में कार सवार बदमाशों ने लेखपाल समेत पत्नी और ससुर का अपहरण कर लिया। बदमाशों ने बच्चों को छोड़ दिया। घटना को लेकर पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है। जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से पुलिस को सोमवार देर रात सूचना मिली कि पिता, पति-पत्नी का कार सवार बदमाशों ने अपहरण कर लिया। जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वहीं बदमाशों ने बच्चों को छोड़ दिया। पुलिस मामले को लेन देन का विवाद बताते हुए जांच में जुटी है। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चका जयपालपुर गांव में जीतलाल पटेल के मकान में बतौर किरायेदार रह रहे लेखपाल पति तथा पत्नी व युवक के पिता का अपहरण कर लिया गया है। कार सवार बदमाशों ने देर रात घर के सामने गाड़ी खड़ी कर दरवाजा खटखटाया। घर के लोगों ने दरवाजा खोला तो बदमाश लोगों पर टूट पड़े और बीपी यादव (38), पत्नी दीपा यादव (35) व बीपी यादव के पिता भागीरथी पटेल (60) का अपहरण कर लिया और कार में लेकर फरार हो गए। जबकि पुत्री अनन्या (10) व पुत्र आरव (07) को छोड़ दिया।

यह सभी भाने मऊ थाना बहरिया प्रयागराज के रहने वाले हैं। रात को अपहरण की सूचना मिलते ही मुंगराबादशाहपुर, पंवारा, सुजानगंज की पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन वहां मामला कुछ और ही निकला। मामले की जानकारी देते हुए एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मुंगराबादशाहपुर में एक लेखपाल का परिवार किराए पर रहता है लेखपाल बदलापुर तहसील में कार्यरत है। रात में पुलिस को दी गयी अपहरण की सूचना झूठी थी। पुलिस जब उनके घर गए तो लेखपाल के पिता व अन्य परिजन घर के दूसरे हिस्से में छिपे थे।तथा लेखपाल व उनकी पत्नी प्रयागराज ले एक अस्पताल में भर्ती थी। पूरे मामले की जानकारी की जा रही है कि लेखपाल के परिवार वालो ने गलत सूचना क्यो दी है।

पिता की गवाही पर हुई बेटे को उम्रकैद की सजा

केटी न्यूज/सोनभद्र

आपसी विवाद में टंगारी से वार कर महिला की जान लेने वाले पति को सत्र न्यायाधीश रवींद्र विक्रम सिंह की अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। उसे सश्रम कारावास में रहना होगा। कोर्ट ने उस पर दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड न देने पर एक वर्ष की साधारण कैद होगी। इस मामले में पिता ने ही अपने पुत्र पर केस दर्ज कराया था।

अभियोजन के अनुसार रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत चेरुई गांव के डिगिहा टोला निवासी हरिमंगल गोंड ने 27 फरवरी 2022 को पुलिस को तहरीर देकर केस दर्ज कराया था। बताया था कि बेटा राजाराम और बहू मुनिया देवी में पारिवारिक बात को लेकर अक्सर विवाद होता था। 27 फरवरी को भी दोनों में विवाद हुआ। शाम छह बजे बहू मुनिया बर्तन धो रही थी। तभी राजाराम ने टंगारी से उसकी गर्दन पर दो-तीन बार वार कर दिया। मौके पर ही बहू की मौत हो गई।

तहरीर के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना की और चार्जशीट कोर्ट में प्रस्तुत किया। गवाहों के बयान और पत्रावलियों के परीक्षण के बाद कोर्ट ने राजाराम को दोषी करार देते हुए उसे सश्रम उम्रकैद की सजा सुनाई। दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड की आधी राशि वादी को क्षतिपूर्ति के रूप में दी जाएगी।

यूपीआईटीएस 2024: 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होगा आयोजन

उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर से परिचित होंगे मेहमान

- उप्र के ब्रज, पूर्वांचल, पश्चिमांचल, रुहेलखंड, बुंदेलखंड के लोकनृत्य लोकगीतों की होगी प्रस्तुति
- रूस, बोलिविया, ब्राजील, इजिप्ट, वेनेजुएला, बांग्लादेश के कलाकार मेजबानों को अपनी संस्कृति की दिखाएंगे झलक

केटी न्यूज/लखनऊ

आगामी 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का आयोजन किया जाएगा। एक तरफ जहां उद्यमियों के सपनों को उड़ान मिलेगी, वहीं मेहमान यूपी की सांस्कृतिक धरोहरों से भी परिचित होंगे। योगी सरकार इस आयोजन में उत्तर प्रदेश के लोकनृत्य-लोकगीत कलाकारों को देश-विदेश के आगंतुकों के समक्ष मंच देगी तो वहीं रूस, बोलिविया, कजाकिस्तान, ब्राजील, वेनेजुएला, इजिप्ट, बांग्लादेश के कलाकार भी अपनी संस्कृति की झलक से मेजबानों को परिचित कराएंगे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण में सांस्कृतिक कार्यक्रमों को लेकर संस्कृति विभाग ने तैयारी कर ली है। यहां के मुक्ताकाशी मंच पर पांच दिन तक आगंतुक सुरमयी कार्यक्रमों का भी आनंद उठाएंगे। पहले दिन बॉलीवुड सिंगर अंकित तिवारी के गीतों पर दर्शक झूमेंगे। 26 सितंबर को आईसीसीआर के माध्यम से बोलिविया, रूस, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, ब्राजील, वेनेजुएला, इजिप्ट आदि के कलाकार अपने देश की सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। प्रयागराज की नीलाक्षी रॉय के 'प्रेम के रंग, कृष्ण के संग' के जरिए आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति होगी। सांस्कृतिक सांझ की अंतिम प्रस्तुति बालीवुड सिंगर कनिका कपूर के गीतों की होगी। 27 सितंबर को मथुरा की माधुरी शर्मा ब्रज के लोकगायन से परिचित कराएंगी। युवाओं के दिलों पर राज करने वाले पवनदीप व अरुणिता भी ट्रेड शो में युवाओं के समक्ष प्रस्तुति देंगे। 28 सितंबर को लखनऊ की संजोली पांडेय, सहारनपुर की रंजना नेब रामकथा पर आधारित कथक नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी। कृष्ण भक्ति गायन पर माधवा बैंड की गायन प्रस्तुति होगी। 29 सितंबर को महोबा के जितेंद्र चौरसिया बुंदेली लोकगायन से परिचित कराएंगे। आगरा की प्रीति सिंह हनुमान चालीसा पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगी। डॉ. पलाश सेन की यूफोरिया बैंड की प्रस्तुति होगी।

लोकनृत्य कलाकारों को भी अंतरराष्ट्रीय मंच देगी सरकार: योगी सरकार का लोक संस्कृति को बढ़ावा देने पर पूरा जोर है। इसी क्रम में आईटीएस में लोककलाकारों को सांस्कृतिक मंच उपलब्ध कराया गया है। प्रयागराज की प्रीति सिंह व टीम ढेढ़िया नृत्य, बांदा के रमेश पाल पाईडंडा, अयोध्या के शीतला प्रसाद वर्मा फरुआही, अयोध्या की सुमिष्ठा मित्रा बधावा लोकनृत्य, आगरा के देवेंद्र एस मंगलामुखी कथक, झांसी की वंदना कुशवाहा राई, पीलीभीत के बंटी राणा थारू, दीपक शर्मा मयूर लोकनृत्य, लखनऊ की प्रीति तिवारी कथक नृत्य नाटिका, गोरखपुर के रामज्ञान यादव फरुआही लोकनृत्य, झांसी के रघुवीर सिंह यादव पाई-डंडा नृत्य प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के कलाकारों को भी मंच मुहैया कराया गया है।

पीयू में स्वच्छता ही सेवा थीम पर मनाया गया एनएसएस का स्थापना दिवस

केटी न्यूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो वंदना सिंह के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना परिसर इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना कार्यक्रम मंगलवार को मनाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना कार्यक्रम का शुभारंभ स्वच्छता, सेवा समर्पण की प्रतिमूर्ति शांति नोबल पुरस्कार एवं भारत रत्न मदर टेरेसा एवं स्वामी विवेकानंद और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर विशिष्ट अतिथि स्वयंसेवक के रूप में आमंत्रित अभिनव कीर्ति पांडेय एवं महक बानो अपना अनुभव साझा किया। स्वयंसेवक अभय दुबे, अभिषेक यादव, प्रभात तिवारी, प्रियांशी मौर्या, प्रिया मौर्या, संस्कृति यादव ने स्वच्छता पर भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सुमित सिंह ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने कहा कि स्वच्छता ही सेवा एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में स्वच्छता को एक आदत के रूप में स्थापित करना है। इसका मूल संदेश यह है कि स्वच्छता व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ समाज के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है।

सुभाषितम्

अभिव्यक्ति की कुशल शक्ति ही तो कला है।

- मैथिलीशरण गुप्त

टेक कंपनियों की नजर भारत पर

भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर गए थे। न्यूयॉर्क के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की ओर से गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया था।इसमें अमेरिका की 15 टेक कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। सभी कंपनियों का फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर था। भविष्य में एआई तकनीकी पर आधारित सेवाओं पर टेक कंपनियों को अरबों खरबों रुपए की कमाई भारत से होने जा रही है। इसको लेकर विश्व भर की सभी टेक कंपनियां भारत के साथ अपने व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार पर दबाव बना रही हैं। एआई रिसर्च के मामले में चीन अभी सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है। भारत का नंबर तीसरा है। अमेरिका की कंपनियां एआई तकनीकी के माध्यम से भारत में अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। भारत की आबादी, भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। अभी एआई तकनीकी का काम ठीक तरह से शुरू भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी हर माह अरबो रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां भारत से कर रही। चैट जीपीटी और गूगल के कई टूल्स भारत में विभिन्न कंपनियों द्वारा मासिक सब्सक्रिप्शन के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 1500 रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक के विभिन्न किस्म के सब्सक्रिप्शन देकर प्रतिमाह अरबों रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां करने लगी हैं। एआई तकनीकी अभी प्रारंभिक दौर में है। अगले कुछ ही वर्षों में सभी क्षेत्रों में एआई तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर जब होना शुरू हो जाएगा। उस समय टेक कंपनियों के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार होगा। गूगल और एनवीडीया सहित कई बड़ी-बड़ी दिग्गज कंपनियां भारत सरकार के विकास की तारीफ करते हुए भारत में अपने व्यवसाय को बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां की टेक कंपनियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कंपनियों से कहा है, अगले दो वर्षों में एआई तकनीकी के 85000 से अधिक इंजीनियर और टेक्नीशियन को भारत तैयार करना चाहता हैं। भारत सरकार अनुसंधान और विकास के मामले में भी सहयोग करने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा में टेक कंपनियों के गोलमेज सम्मेलन में भारत में ज्यादा निवेश करने का भरोसा टेक कंपनियों ने दिया हैं। भारत में अभी एआई तकनीकि और सेवाओं को लेकर कोई कानून तैयार नहीं हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ एआई तकनीकी को लेकर नियम और कानून बनाने पर विचार विमर्श कर रही है। अभी एआई तकनीकि शुरूआती दौर में हैं। भारत में जिस तरह से ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार पिछले वर्षों में हुआ है। मोबाइल और इंटरनेट की कनेक्टिविटी जिस तरह से भारत में बढ़ी है। उसके कारण दुनिया भर की टेक कंपनियां, यह मानकर चल रही है। एआई तकनीकी आधारित सेवाओं के शुरू होने पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार होगा। इसलिए बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत मैं बड़े पैमाने पर निवेश करने के लिए प्रयासरत हैं। दुनिया में जिस तरह से आर्थिक मंदी की आहट देखने को मिल रही है। एआई तकनीकी आने के बाद बेरोजगारी और भी बढ़ने की बात कहीं जा रही है। मानवीय सेवाओं का स्थान अब रोबोट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सहायता से होने पर, बेरोजगारी बढ़ना तय है। भारत की युवा आबादी सबसे ज्यादा है। भारत में बेरोजगारी की दर भी दुनिया में सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में एआई तकनीकी के फायदे भारत को कम और विदेशी कंपनियों को आर्थिक लाभ ज्यादा होंगे। भारत अपनी बेरोजगारी की समस्या से किस तरह से निपटेगा। इसका कोई उपाय भारत सरकार ने नहीं सोचा है। विदेशी कंपनियों के दबाव में भारत सरकार को ऐसा लग रहा है। एआई तकनीकी का उपयोग बढ़ने से भारत का तेजी के साथ विकास होगा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा होना संभव नहीं है। शुरूआती दौर में ही जिस तरह टेक कंपनियों द्वारा मनमाना सब्सक्रिप्शन वसूल किया जा रहा है। उससे टेक कंपनियों को आर्थिक रूप से बहुत बड़ा फायदा होगा। भारत में एआई तकनीकी को सीखने और उपयोग में लाने से हर माह अरबो रुपए भारतीय उपभोक्ता खर्च कर रहे हैं। भारतीय युवा एआई तकनीकी पर निर्भर होने के कारण मानसिक दुष्प्रभाव भी आगे चलकर देखने को मिलेंगे। भारत सरकार को बड़ी गंभीरता के साथ इस मामले में निर्णय करना होगा। विदेशी निवेश और टेक कंपनियों के ऊपर भरोसा करने के पहले एआई तकनीकी के प्रभाव और दुष्प्रभाव पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। टेक कंपनियां अपना एकाधिकार ना बना पाएं, इसके लिए भी सरकार को समय रहते हुए पहले नियम और कानून तैयार करने होंगे। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है। पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था।इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते।

साधारण सी दिखने वाली असाधारण शख्सियत थे पं दीनदयाल उपाध्याय

मुकेश तिवारी

पंडित दीनदयाल का जिक्र करते ही , पंडित जी की जो छवि हमारी आंखों के सामने उभरती है.वह किसी बड़े राजनीतिक दल के कद्दावर नेता की नहीं. बल्कि एक सहृदय अग्रज. आत्मीय मित्र. और मार्गदर्शक की है. हिन्दुस्तान भर के लाखों अनुयाई पं दीनदयाल को इस स्वरूप में अपने साथ पाते थे. आज हमारे मुल्क में राजनीति का जो स्वरूप हमें द्रष्टिगोचर होता है और उसमें राजनीति करते हुए तमाम सारे राजनीतिक दलों के जो नेता हमें मिलते हैं उनकी तुलना यदि दीनदयाल उपाध्याय के साथ करें तो हमें बेहद आश्चर्य होता है.हमारे जहन में विचार आता है कि इस आपाधापी के दौर में भी हमें ऐसी शख्सियत का मार्गदर्शन मिला .

कालांतर में पंडित दीनदयाल जो अमूल्य विचार हमें प्रदान कर गए.वह न केवल इस कीर्ति की आत्मा और शरीर दोनों के ही अनुकूल था.प्रसिद्दि से दूर.अहंकार से रहित और निश्छल मुस्कुराहट वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ऐसी ही शख्सियतों में से एक थे.

पंडित दीनदयाल उपाध्याय अपने नाम के अनुरूप ऐसे युगपुरुष थे जिन्होंने व्यक्ति, परिवार,समाज, और देश को समग्र परिवेश में देखा, वे सच्चे अर्थों में भारतीयता के जीवंत प्रतीक और एक परिपूर्ण मानव थे, पंडित जी एक ऐसे निष्काम कर्मयोगी थे जिन्होंने राजनीति में रहते हुए राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था, पंडित उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का जो सिद्धांत दिया है,वह जीवन के सभी सुखों का मूल मंत्र है,यह भारतीय दर्शन, भारतीय संस्कृति और भारतीय विचार का आज के युग के लिए अनुकूल समुच्चय है जो आगे आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करेगा,यह सिद्धांत समाज के अंतिम छोर तक के व्यक्ति के हित में कार्य करने का है, पंडित उपाध्याय का दर्शन एक ऐसा दर्शन है जो हमें हमारी संस्कृति और सभ्यता से जोड़ता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म उत्तर प्रदेश के चंद्रभान नामक ग्राम के एक साधारण से परिवार में 25 सितंबर 1916 को हुआ था ,आप की माता का नाम रामप्यारी एवं पिता का नाम भगवती प्रसाद था, उपाध्याय जी के बाल्यकाल में ही माता पिता का साया उनके सिर से उठा गया था,

फलत बचपन के उन सुहाने दिनों से वंचित हो गए , जब खेलने और खाने की जगह उन्हें अभावों में जीना पड़ा,यही वजह थी, कि बचपन में ही कठिन परिस्थितियों से संघर्ष की और व्यावहारिक शिक्षा ग्रहण कर लेने के बाद जीवन में उन्होंने संघर्ष से कभी मुंह नहीं मोड़ा, पिता के निधन के पश्चात इनके नाना चुन्नीलाल उन्हें अपने गांव धनकिया ले आए ,जब नाना नौकरी छोड़ कर अपने पैतृक घर गुड़की मंडई आ गए, तो वे नाना के साथ गुडकी मंडई आ गए ,दीनदयाल जी के 9 वर्ष के होने के बाद भी उनके अध्ययन की कोई संमुचित व्यवस्था नहीं थी अतः वे अपने मामा राधारमण के पास आ गए जो कि गंगापुर में सहायक स्टेशन मास्टर के पद पर पदस्थ थे, गंगापुर आने के पश्चात 1925 में उनकी शिक्षा विधिवत प्रारंभ हुई,वे गंगा पुर में 4 वर्ष तक रहे, गंगापुर में इससे आगे पढ़ाई की व्यवस्था नहीं होने से, अतः 2 जून 1929 को उन्होंने कोटा के एक स्कूल में दाखिला ले लिया , कक्षा 5 से 7 तक की पढ़ाई उन्होंने कोटा में की इसके बाद की पढ़ाई के लिए वे,राजगढ़ आ गये मामा राधारमण के चचेरे भाई नारायण शुक्ला राजगढ़ में स्टेशन मास्टर थे, आठवीं की शिक्षा प्राप्त करने के लिए दाखिला लिया, उन्होंने अपनी कुशाग्र बुद्धि का परिचय अंकगणित के कठिन सवालो का जवाब पलक झपकते ही देकर दिया, जब वे 9 वी कक्षा में पढ़ रहे थे उस दौरान उनके पास दसवीं के विद्यार्थी भी उनसे गणित के सवाल हल करवाने आते थे,उनकी ख्याति एक मेधावी छात्र के रूप में फैल गई थी, नारायण शुक्ला का19 34 में स्थानांतरण सीकर हो गया,इस कारण उन्हें सीकर जाना पड़ा, उन्होंने दसवीं की परीक्षा सीकर कल्याण हाईस्कूल से दी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए,वह विधार्थी जीवन में हमेशा उच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण होते रहे ,इसी कारण सीकर के महाराजा कल्याण सिंह ने उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान किया,10रपये माहवार छात्रवृत्ति और पुस्तको आदि के लिए 250की राशि पारितोषिक के रूप में दी,उस दौर में पिलानी उच्च शिक्षा का प्रसिद्ध केन्द्र था, दीनदयाल इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए 1935मे पिलानी चले गए उन्होंने यह सभी परीक्षाएं विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण की ,बीए की पढ़ाई के लिए कानपुर आ गए। कानपुर में किराए का मकान लेकर दो बर्ष तक रहे,इसके पश्चात वे प्रयाग चले आए,25 वर्ष की आयु पूर्ण करने तक उपाध्याय जी राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अनेक स्थानों पर रहे, कानपुर में अध्ययन करते वक्त अपने सहपाठी कालूजी महाशबदे के माध्यम से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए, कानपुर में संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार से उनकी भेंट हुई,बाबा साहब आपके के दादा राव परमार्थ इनके छात्रावास में ही रूकते थे,इनकी दीनदयाल जी से बहुत बातें होती थीं, स्वातंत्र्य वीर सावरकर जब कानपुर आए तो दीनदयाल जी ने उन्हें शाखा पर आमंत्रित कर बौद्धिक वर्ग करवाया, कानपुर में सुन्दर सिंह भंडारी भी उनके सहपाठी थे, कानपुर में इस विधार्थी जीवन से ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सार्वजनिक जीवन की शुरूआत हो गयी थी हालांकि संघ के शारीरिक कार्य कार्यक्रमो को दीनदयाल जी बेहतर ढंग से नहीं कर पाते थे मगर बौद्धिक परीक्षा में वे सदैव अव्वल रहते थे, दीनदयाल उपाध्याय जी ने सन् 1939 में सनातन धर्म कॉलेज कानपुर से बीए की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की ,यही नहीं,एम ए अंग्रेजी साहित्य की परीक्षा में भी ,उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त किया, हालांकि बीमारी की वजह से वे एम ए उतरार्द्ध की परीक्षा नहीं दे सके, मामा जी के अनुरोध करने पर वे प्रशासनिक परीक्षा में बैठे, उत्तीर्ण हुए और साक्षात्कार में भी वे चुन लिए गए लेकिन उन्होंने प्रशासनिक नौकरी करने में कतई दिलचस्पी नहीं दिखाई, अतः वे बीटी करने के लिए प्रयाग चले गए उनकी अध्ययनशीलता सार्वजनिक जीवन में जाने के पश्चात प्रखरतम होती चली गई ,कालांतर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का भारतीय राजनीति ने जो जीवन उभरा वह उनका ऋषि व्यक्तित्व था,वे ताउम्र अविवाहित रहे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से वे राजनीतिक क्षेत्र में गए और भारतीय जन संघ के महामंत्री बने ,उनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि मुझे दो दीनदयाल जी मिल जाए तो मैं भारतीय राजनीति का मानचित्र बदल के रख दूंगा, भारतीय जनसंघ की स्थापना के दो वर्ष भी पूर्ण नहीं हो पाए थे काश्मीर आंदोलन के दौरान 23जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान हो गया, आजाद भारत के नवगठित राजनीतिक दल का भार पूर्ण तौर पर 36 वर्षीय दीनदयाल उपाध्याय जी के कंधे पर आ गया,वे निरंतर17 सालों तक भारतीय जन संघ के महामंत्री रहे और 18 में बर्ष में जन संघ के अध्यक्ष बने लेकिन नियति ने उन्हें हमसे छीन लिया, दीनदयाल जी का व्यक्तित्व बहुआयामी था, वे सामान्य व्यक्ति,सक्रिय कार्यकर्ता कुशल संगठक, प्रभावी नेता एवं विचारक थे समाजशास्त्री, अर्थशास्त्री, राजनीति विज्ञानी एवं दार्शनिक एव अच्छे वक्ता थे ,किसी भी विषय पर अच्छी प्रकार से अभ्यास और विभिन्न कोणों से उस पर विचार व्यक्त करने के उपरांत ही अपना कोई मत व्यक्त करते थे ,उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की झलक कुछ उदाहरणों से पता चलती है, राष्ट्र, राष्ट्रीयता और भारतीय संस्कृति पर दीन दयाल जी के विचारों से यह स्पष्ट हो जाता है ,उनका चिंतन आज भी प्रासंगिक है राष्ट्र एक स्थाई सच है,राष्ट्र की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए राज्य पैदा होता है, राष्ट्र का संगठन के निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए उत्पन्न नहीं होता है ,एक राष्ट्र भाव की विस्मृति के कारण घटक शिथिल पड़ते हैं और यदि पूरी तरह निष्क्रिय हो गए, तो संपूर्ण राष्ट्र के विनाश का कारण भी बनते हैं, अतः हमें कालजेय स्थाई सक्षम, आत्मनिर्भर व्यवहारिकता और स्वाभाविक संगठन के लिए राष्ट्र को आधार मानना होगा, राष्ट्र का संगठन दृढ़ हुआ तो सामर्थ निर्माण होगा और विभिन्न अंग पुष्ट हो सकेंगे ,राष्ट्र को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए धर्म का संरक्षण करते हुए आना चाहिए ,यह संघटित कार्प शक्ति एवं पुरुषार्थ से ही प्राप्त हो सकता है, पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि भारतीय संस्कृति की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन और संपूर्ण सृष्टि का विचार करती है।

प्रकाश की गति मापने वाले पहले वैज्ञानिक, ओले क्रिस्टेंसेन रोमर

संजय गोस्वामी

ओले क्रिस्टेंसन रोमर एक व्यापारी के बेटे थे, जिनका जन्म 25 सितंबर, 1644 को आरहूस, डेनमार्क में हुआ था। उन्होंने अपनी युवावस्था में आरहूस कैथेड्रल स्कूल में पढ़ाई की और 1662 में स्नातक होने के बाद उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय भेजा गया। वहां उन्होंने मेडिसिन के प्रोफेसर इरास्मस बार्थोलिन के साथ रहकर अध्ययन किया, जो आइसलैंड स्पर में दोहरे अपवर्तन की खोज के लिए जाने जाते हैं। बार्थोलिन ने रोमर का बहुत सम्मान किया और उसे टाइको ब्राहे की पांडुलिपियों के संपादन का काम सौंपा। रोमर ने 1664 से 1670 तक इस परियोजना को जारी रखा और 1671 में ब्राहे की वेधशाला का निरीक्षण करने के लिए बार्थोलिन और जीन पिकार्ड के साथ स्वर्ग की यात्रा की। 1672 में, रोमर पिकार्ड के साथ फ्रांस लौट आए और पेरिस में रॉयल वेधशाला में काम करना शुरू किया। इसके तुरंत बाद, उन्हें राजा लुईस क्सर द्वारा डॉफिन में खगोल विज्ञान का शिक्षक नियुक्त किया गया, लेकिन उन्होंने फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज के तत्वावधान में वेधशाला में शोध जारी रखा। वहाँ रहते हुए, प्रकाश पर शोध किया वह अपने यांत्रिक कौशल और नवीन दिमाग के लिए सम्मानित हो गए। उन्होंने कई प्लैनिस्फेयर, एक सैटर्निलैबियम, एक जोविलैबियम और एक बेहतर माइक्रोमीटर का उत्पादन किया, जिन्हें तुरंत सामान्य उपयोग के लिए अपनाया गया। 1679 में, उन्हें रॉयल सोसाइटी द्वारा निर्मित पेंडुलम की मापने की क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए इंग्लैंड भेजा गया था और उन्होंने उस समय के कई प्रमुख वैज्ञानिक दिमागों से मुलाकात की, जिनमें सर आइजैक न्यूटन, जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली शामिल थे।पृथ्वी के बृहस्पति के करीब आने पर आयो के लगातार ग्रहणों के बीच बीता समय कम होता जाता है और पृथ्वी तथा बृहस्पति के दूर होते जाने पर लंबा होता जाता है। कैसिनी ने इस पर विचार किया था, लेकिन फिर इस विचार को खारिज कर दिया कि यह प्रकाश के लिए एक सीमित प्रसार गति के कारण हो सकता है। 1676 में, रोमर ने घोषणा की कि 9 नवंबर को होने वाला आयो का ग्रहण उसी उपग्रह के पिछले ग्रहणों के आधार पर निकाले गए समय से 10 मिनट बाद होगा। जब घटनाएँ उनके पूर्वानुमान के अनुसार घटित हुईं, तो रोमर ने समझाया कि प्रकाश की गति इतनी है कि प्रकाश को पृथ्वी की कक्षा के व्यास को पार करने में 22 मिनट लगते हैं। (सत्रह मिनट अधिक सटीक होगा।) डच गणितज्ञ क्रिस्टियान ह्यूजेंस ने अपने ट्रैटे डे ला लुमियर (1690; प्रकाश पर ग्रंथ) में, रोमर के विचारों का उपयोग प्रकाश की गति के लिए एक वास्तविक संख्यात्मक मान देने के लिए किया, जो आज स्वीकार किए गए मान के काफी करीब था - हालांकि समय की देरी के अधिक अनुमान और पृथ्वी की कक्षा के व्यास के लिए तत्कालीन स्वीकृत आंकड़े में कुछ त्रुटि के कारण यह कुछ हद तक गलत था।

1679 में रोमर इंग्लैंड के एक वैज्ञानिक मिशन पर गए, जहाँ उनकी मुलाकात सर आइजैक न्यूटन और खगोलविदों जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली से हुई। 1681 में डेनमार्क लौटने पर, उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में शाही गणितज्ञ और खगोल विज्ञान का प्रोफेसर नियुक्त किया गया। विश्वविद्यालय की वेधशाला में उन्होंने ऊंचाई और अजीमुथ सर्कल के साथ एक उपकरण और एक दूरबीन स्थापित की, जो आकाशीय पिंडों की स्थिति को सटीक रूप से मापती थी। उन्होंने 1705 में कोपेनहेगन के मेयर सहित कई सार्वजनिक कार्यालयों को भी संभाला

हालाँकि, रोमर की सबसे बड़ी उपलब्धि प्रकाश की गति का पहला अपेक्षाकृत सटीक माप था, यह उपलब्धि उन्होंने 1676 में हासिल की थी। रॉयल ऑब्जर्वेटरी में, रोमर के बृहस्पति के चंद्रमा और उसके बार-बार होने वाले ग्रहणों के अध्ययन ने उन्हें आवधिकता की भविष्यवाणी करने में सक्षम बनाया। चंद्रमा के लिए ग्रहण काल की खोज में सफलता हासिल की हालाँकि, कई महीनों के बाद, उन्होंने देखा कि उनकी भविष्यवाणियाँ धीरे-धीरे लंबे समय के अंतराल में कम सटीक होती जा रही थीं, जिसकी परिणति लगभग 22 मिनट की अधिकतम त्रुटि के रूप में हुई। फिर, अजीब तरह से, कई महीनों के दौरान उनकी भविष्यवाणियाँ फिर से अधिक सटीक हो जाती हैं, पृथ्वी एक चक्र जो लगातार खुद को दोहराता है। रोमर को जल्द ही एहसास हुआ कि देखी गई विषमता ग्रहों की कक्षीय गति के कारण पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी में भिन्नता के कारण हुई थी। जैसे ही बृहस्पति पृथ्वी से दूर चला गया, प्रकाश को यात्रा करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ी और इसलिए पृथ्वी तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगा। सत्रहवीं शताब्दी में उपलब्ध पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी के लिए अपेक्षाकृत गलत गणनाओं को बदला , जो 137,000 मील (या 220,000 किलोमीटर) प्रति सेकंड पर प्रकाश की गति का अनुमान लगाने में सक्षम था।

प्रकाश की गति का सटीक माप - ओले रोमर के 1676 के सफल प्रयास से 100 से अधिक जांचकताओं ने विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके कम से कम 163 बार प्रकाश की गति को मापा है। अंततः 1983 में, पहले गंभीर माप प्रयास के 300 से अधिक वर्षों के बाद, वजन और माप पर सत्रहवीं जनरल कांग्रेस द्वारा प्रकाश की गति को 299,792.458 किलोमीटर प्रति सेकंड के रूप में परिभाषित किया गया था। इस प्रकार, मीटर को उस दूरी के रूप में परिभाषित किया जाता है जो प्रकाश 1/299,792,458 सेकंड के अंतराल पर निर्वात के माध्यम से यात्रा करता है। हालाँकि, सामान्य तौर पर, (कई वैज्ञानिक गणनाओं में भी) प्रकाश की गति लगभग 300,000 किलोमीटर (या 186,000 मील) प्रति सेकंड है।उस समय तक, वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि प्रकाश की गति या तो मापने के लिए बहुत तेज है या अनंत है। फ्रांसीसी दार्शनिक डेसकार्टेस द्वारा जोरदार तरीके से तर्क दिया गया प्रमुख दृष्टिकोण अनंत गति का पक्षधर था। पेरिस वेधशाला में काम करने वाले रोमर ने जब प्रकाश की गति पाई, तब वे इसकी तलाश नहीं कर रहे थे। इसके बजाय, वे 1610 में गैलीलियो द्वारा खोजे गए बृहस्पति के चार बड़े उपग्रहों में से सबसे भीतरी, आयो की कक्षा के व्यापक अवलोकनों को संकलित कर रहे थे। बृहस्पति द्वारा आयो के ग्रहणों का समय निर्धारित करके, रोमर उपग्रह की परिक्रमा अवधि के लिए अधिक सटीक मान निर्धारित करने की आशा कर रहे थे। सत्रहवीं शताब्दी में ऐसे अवलोकनों का व्यावहारिक महत्व था। गैलीलियो ने स्वयं सुझाव दिया था कि बृहस्पति के उपग्रहों की कक्षीय गति की तालिकाएँ आकाश में एक प्रकार की घड़ी प्रदान करेंगी। दुनिया में कहीं भी नेविगेटर और मानचित्रकार इस घड़ी का उपयोग निरपेक्ष समय (पेरिस वेधशाला जैसे ज्ञात देशांतर के स्थान पर मानक समय) को पढ़ने के लिए कर सकते हैं। फिर, स्थानीय सौर समय का निर्धारण करके, वे समय के अंतर से अपने देशांतर की गणना कर सकते हैं। देशांतर खोजने की यह विधि अंततः अव्यावहारिक साबित हुई और सटीक समुद्री घड़ियों के विकास के बाद इसे छोड़ दिया गया। लेकिन आयो ग्रहण के आंकड़ों ने अप्रत्याशित रूप से एक और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक समस्या हल कर दी- प्रकाश की गति। आयो की परिक्रमा अवधि अब 1.769 पृथ्वी दिवस के रूप में जानी जाती है। पृथ्वी से देखने पर उपग्रह बृहस्पति द्वारा हर परिक्रमा में एक बार ग्रहण किया जाता है। कई वर्षों में इन ग्रहणों का समय निर्धारित करके, रोमर ने कुछ अनोखी बात देखी। जैसे-जैसे पृथ्वी अपनी कक्षा में बृहस्पति की ओर बढ़ती गई, लगातार ग्रहणों के बीच का समय अंतराल लगातार कम होता गया और जैसे-जैसे पृथ्वी बृहस्पति से दूर होती गई, लगातार लंबा होता गया। ये अंतर जमा होते गए। अपने डेटा से, रोमर ने अनुमान लगाया कि जब पृथ्वी बृहस्पति के सबसे निकट थी , तो आयो के ग्रहण कई वर्षों की औसत परिक्रमा अवधि के आधार पर पूर्वानुमान से लगभग ग्यारह मिनट पहले होंगे। और 6.5 महीने बाद, जब पृथ्वी बृहस्पति से सबसे दूर थी , तो ग्रहण पूर्वानुमान से लगभग ग्यारह मिनट बाद होंगे। रोमर को पता था कि आयो की वास्तविक परिक्रमा अवधि का पृथ्वी और बृहस्पति की सापेक्ष स्थिति से कोई लेना-देना नहीं हो सकता। एक शानदार अंतर्दृष्टि में, उन्होंने महसूस किया कि समय का अंतर प्रकाश की सीमित गति के कारण होना चाहिए। यानी, बृहस्पति प्रणाली से प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने के लिए तब अधिक दूरी तय करनी पड़ती है जब दोनों ग्रह सूर्य के विपरीत दिशा में होते हैं, न कि जब वे एक-दूसरे के करीब होते हैं। रोमर ने अनुमान लगाया कि पृथ्वी की कक्षा के व्यास को पार करने के लिए प्रकाश को बाईस मिनट की आवश्यकता होती है।

आज का राशिफल

मेष आज करियर में लाभ का दिन है और कारोबार के मामले में आपके हाथ में सफलता लगने के योग हैं।

तुला आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

वृषभ चंद्रमा की शुभ दृष्टि से लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

वृश्चिक बिजनस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है।

मिथुन व्यापार के भागीदारों और पत्नी पक्ष के लोगों से आपको हर प्रकार का सपॉर्ट प्राप्त होगा।

धनु आज आपके उधार पूरे हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा।

कर्क आपके लिए उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बने हैं। बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति होगी।

मकर आज लाभ का दिन है और आपको किसी काम से शहर से बाहर यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

सिंह आज दिन हर मामले में सफता से भरा होगा। आपको कारोबार में लाभ के योग हैं।

कुंभ आज करियर के मामले में लाभ होगा और राजनीति के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या आज लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

मीन आज भाग्यशाली है और आपकी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको हर तरफ से मान सम्मान मिलेगा।

राजकाज

सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम और हाथी के दांत

सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर के लिए अनुशंसा करती है। कभी सरकार उनकी अनुशंसा मानती थी। लेकिन पिछले 10 साल में सरकार ने यह मान लिया है। जजों के ट्रांसफर, पोस्टिंग और नियुक्ति करने का अधिकार सरकार का है। सरकार उन्हीं अनुशंसा को मान रही है। जो उसे अच्छी लगती हैं। बाकी रोक कर बैठ जाती है। पिछले कई वर्षों में कई बार सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सरकार को निर्देश दे चुकी है। लेकिन सरकार ने उस पर ध्यान नहीं दिया। सरकार हाथी जैसी मस्ती की चाल में चल रही है। वहीं सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम के पास जो दांत है। वह हाथी की दाँत की तरह हैं। जो दिखते तो बहुत बड़े-बड़े हैं। सरकार को मालूम है, यह दांत डराने वाले हैं। इससे सरकार को कोई नुकसान नहीं है। इसलिए सरकार भी मस्त है, सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम भी अपने दांत दिखा-दिखा कर सरकार को डरा कर यह मान लेती है। वह सरकार से बड़ी है। सरकार उससे डर रही है। न्यायपालिका की जो स्थिति वर्तमान में है। इसके पहले कभी नहीं थी अब यह लोग कहने लगे हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को अब तो हाईकोर्ट और ट्रायल कोर्ट भी नहीं मान रही है। केंद्र सरकार तो सर्वशक्तिमान है।

सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब चैनल हैक

सुप्रीम कोर्ट ने कभी सोचा नहीं होगा, कि उसका यूट्यूब चैनल हैक हो सकता है। न्यायपालिका की कार्यवाही को हैक करने से किसे क्या मिलेगा। लेकिन अब लगता है, सुप्रीम कोर्ट का जब से यूट्यूब चैनल हैक हुआ है। उसके बाद एआई तकनीकी से फेसलों में भी बहुत कुछ किया जा सकता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1524 वास्कोडिगामा पुर्तगाली भारत का वायसराय बनकर आया. 1604 तीन वर्ष की नाकेबंदी के बाद स्पेनी सैनिकों ने डचों से आस्टेंड छीन लिया. 1663 न्यूहासेल (हंगरी) ने तुर्की के आगे आत्मसमर्पण कर दिया. 1688 फ्रांसीसी हमले के बाद जर्मनी के राजकुमारों में एकता हो गयी. 1894 केप कालोनी और बाटाल को जोड़ने वाले पोडोलैंड पर ब्रिटेन ने कब्जा कर लिया. 1959 श्रीलंका के प्रधानमंत्री भंडारनायक की हत्या हुई. 1963 डेमिनिकन गणराज्य सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया. 1966 डारान में तूफान से तीन सौ से अधिक लोग मारे गए. 1970 जार्डन में शाह हुसैन और 'फलीस्तीनी गुटों में संघर्ष रोकने के लिए समझौता हुआ. 1973 अमरीकी अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्काईलैब के तीन चालक प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरे, 1984 जार्डन और मिस्त्र के सात साल बाद राजनयिक संबंध पुनः स्थापित किए,

दैनिक पंचांग

25 सितम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

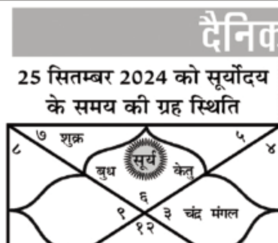

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.28 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृश्चिक	09.43 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.59 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.04 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.51 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.23 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	18.54 बजे से
राहु	मीन में	वृष	20.34 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	22.32 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.46 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		सिंह	03.02 बजे से
		कन्या	05.14 बजे से

बुधवार 2024 वर्ष का 269 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 12.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 22.24 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 00.18 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 12.11 बजे तदनन्तर तैतिल 00.14 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 58' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872113 **जूलियन दिन** 2460578.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 21 **विशेष** जीवित्पुत्रिका व्रत, नवमी श्राद्ध, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सालों पहले इस देश में लगाया गया था दुनिया का पहला ट्रैफिक सिग्नल

ट्रैफिक सिग्नल के बिना यात्रा करना आसान नहीं होगा। आजकल हर राज्य शहर देश में आपको ट्रैफिक सिग्नल देखने को जरूर मिलेगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है आखिर ट्रैफिक सिग्नल का अविश्कार किसने किया होगा। साथ ही दुनिया का पहला ट्रैफिक सिग्नल कहां और कब लगा होगा।

दुनिया का पहला ट्रैफिक सिग्नल

दुनिया का पहला ट्रैफिक सिग्नल 10 दिसंबर 1868 को लंदन, इंग्लैंड में लगाया गया था। इसे जॉन पीक नाइट नामक एक रेलवे इंजीनियर ने डिज़ाइन किया था। यह सिग्नल वेस्टमिंस्टर के पासग्रेट जॉर्ज स्ट्रीट और ब्रिज स्ट्रीट के चौराहे पर लगाया गया था, जो ब्रिटिश संसद के पास था। खास बात यह है कि यह सिग्नल बिजली से नहीं बल्कि गैस से चलता था। इसमें केवल दो लाइट होती थी हरी और लाल, हालांकि यह सिग्नल ज्यादा लंब समय तक नहीं चला और यह फट गया।

इलेक्ट्रॉनिक सिग्नल कब आया

गैस सिग्नल के फेल होने के बाद अमेरिका के क्लीवलैंड में 5 अगस्त 1914 को पहला इलेक्ट्रिक ट्रैफिक लाइट सिग्नल लगाया गया।

भारत में कब लगा पहला ट्रैफिक लाइट

भारत में सबसे पहले 1953 में चन्नई में सबसे पहला ट्रैफ़िक लाइट लगाया गया था। चन्नई के लोगों ने इसका 10 साल तक इस्तेमाल किया। इसके बाद इसे बेंगलुरु में लगाया गया।

इस देश में नहीं है एक भी ट्रैफिक सिग्नल

हमारी दुनिया में कई अनोखे देश हैं। इन्हीं अनोखे देशों में से एक ऐसा देश भी है जहां पर ट्रैफिक सिग्नल नहीं हैं। यह देश कौन सा है और ऐसा क्यों है कि यहां पर ट्रैफिक सिग्नल नहीं हैं

किस देश में नहीं है ट्रैफिक सिग्नल?

भूटान जो कि एक दक्षिण-पूर्वी एशिया में पूर्वी हिमालय में स्थित एक सुंदर देश है वहां पर ट्रैफिक सिग्नल नहीं हैं। यहां ट्रैफिक लाइट नहीं होती है क्योंकि भूटान में पहाड़ी जगह हैं और गाड़ी चलाना बहुत मुश्किल है। भूटान की सड़कों पर गाय और भैंस जैसे जानवरों के झुंड खुले में घूमते हैं। इसके अलावा, यहां के लोग रास्ते में ही रुक कर एक दूसरे के साथ अभिवादन करना शुरू कर देते हैं और भूटान में सभी वाहनों को धीमी से चलना होता है। इस कारण से यहां पर ट्रैफिक लाइट की आवश्यकता नहीं होती है।

ट्रैफिक जाम की भी समस्या भूटान में नहीं होती

भूटान में ट्रैफिक जाम की समस्या भी नहीं होती है और इसका कारण यह भी है कि यहां पर सड़कों का डिजाइन ऐसा है जो जाम को रोकता है। इस देश में हर चौराहे पर आपको ट्रैफिक पुलिस के जवान खड़े नजर आते हैं, जो ट्रैफिक का प्रबंधन करते हैं और इससे जाम नहीं लगता है। यहां पर हरे-भरे जंगल हैं और कम वाहन ही सड़कों पर नजर आते हैं इसके कारण भूटान में पॉल्यूशन भी कम होता है।

सेल्फ-ड्राइविंग वाहनों के लिए ट्रैफिक लाइट में जल्द ही शामिल हो सकता है नया रंग!

ट्रैफिक लाइटें एक सदी से ज्यादा समय से सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। जिसमें लाल, पीला और हरा रंग दुनियाभर में मान्यता प्राप्त हैं। हालांकि, टेक्नोलॉजी के विकास और ऑटोनॉमस व्हीकल्स के बढ़ते प्रभाव के साथ, वैज्ञानिक अब ट्रैफिक लाइटों में चौथे रंग - एक सफेद रंग - को शामिल करने का प्रस्ताव कर रहे हैं।

ट्रैफिक लाइटें एक सदी से ज्यादा समय से सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक मैनेजमेंट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। जिसमें लाल, पीला और हरा रंग दुनियाभर में मान्यता प्राप्त हैं। इन रंगों ने दुनिया भर के ड्राइवरों का मार्गदर्शन किया है। जिससे ट्रैफिक का फ्लो तय होता है और दुर्घटनाओं को कम किया जाता है। हालांकि, टेक्नोलॉजी के विकास और ऑटोनॉमस व्हीकल्स (एवी) के बढ़ते प्रभाव के साथ, वैज्ञानिक अब ट्रैफिक लाइटों में चौथे रंग - एक सफेद रंग - को शामिल करने का प्रस्ताव कर रहे हैं। जिसे विशेष रूप से सेल्फ-ड्राइविंग कारों और मानव ड्राइवरों के बीच बातचीत बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

ऑटोनॉमस वाहनों का उदय

ऑटोनॉमस वाहन परिवहन में एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि पूरी तरह से ड्राइवर रहित कारें अभी व्यापक नहीं हैं, लेकिन तकनीक तेजी से आगे बढ़ रही है। कैलिफोर्निया और एरिजोना में काम करने वाली वेमो जैसी कंपनियां लगभग लेवल 5 ऑटोनॉमस हासिल कर चुकी हैं। जो सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स (एसएई) द्वारा परिभाषित उच्चतम स्तर है। यह लेवल बताता है कि एक वाहन मानव हस्तक्षेप के बिना किसी भी वातावरण में ड्राइविंग के सभी पहलुओं को संभाल सकता है। टेस्ला, अन्य निर्माताओं के बीच, एवी टेक्नोलॉजी में भी महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। यूके में, जबकि पूरी तरह से ऑटोनॉमस कारें फिलहाल प्रतिबंधित हैं, ऑटोनॉमस वाहन अधिनियम 2026 की शुरुआत में उनके व्यापक इस्तेमाल का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। यह एक ऐसे भविष्य के लिए मंच तैयार करता है जहां स्वायत्त और मानव-चालित दोनों वाहन सड़कों को साझा करेंगे। जिससे सवाल उठता है कि ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (यातायात प्रबंधन प्रणाली) इस नई वास्तविकता के अनुकूल कैसे हो सकती है।

क्या है सफेद लाइट का कॉन्सेप्ट

जहां एवी और पारंपरिक वाहन एक साथ सड़कों पर हैं, इस मिश्रित यातायात स्थितियों द्वारा पैदा हुई चुनौतियों का समाधान करने के लिए, नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों ने ट्रैफिक सिग्नल में सफेद लाइट की शुरूआत का प्रस्ताव किया है। इस सफेद रोशनी का प्राथमिक मकसद स्वायत्त वाहनों की एडवांस्ड कम्प्यूटेशनल क्षमताओं का लाभ उठाकर यातायात प्रवाह को बढ़ाना है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता डॉ. अली हाजबाबी बताते हैं कि सफेद लाइट मानव ड्राइवरों के लिए उनके सामने वाले एवी का अनुसरण करने के संकेत के रूप में काम करेगा। पारंपरिक लाल, पीला और हरा लाइट अपने मौजूदा अर्थों को बनाए रखेगा। यानी रुकने के लिए लाल, सावधानी के लिए पीला और जाने के लिए हरा। हालांकि, सफेद लाइट एक संकेत के रूप में काम करेगा कि एवी चौराहे पर नियंत्रण में हैं, मानव ड्राइवरों को उनके नेतृत्व का पालन करने का निर्देश देते हैं।

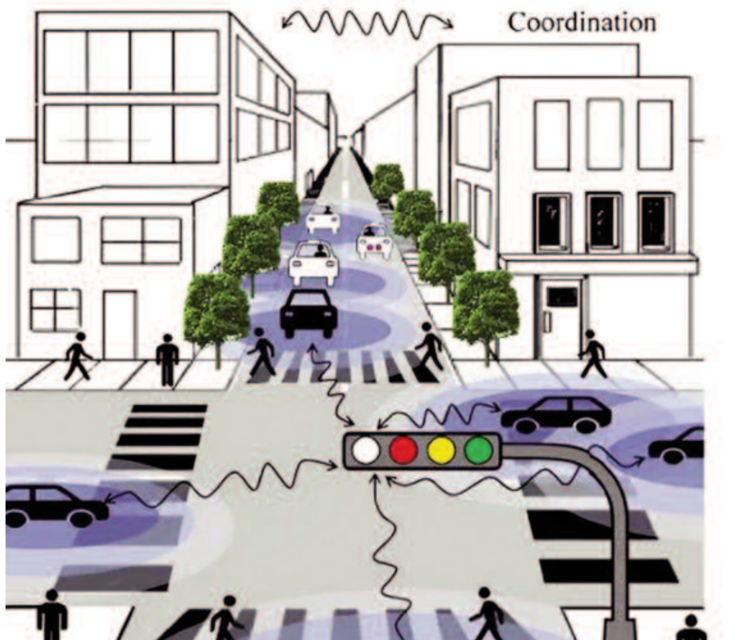

सफेद लाइट सिस्टम कैसे काम करती है

प्रस्तावित प्रणाली एवी की एक दूसरे के साथ और ट्रैफिक सिग्नल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ वायरलेस रूप से संवाद करने की क्षमता पर निर्भर करती है। जब पर्याप्त संख्या में एवी एक चौराहे पर पहुंचते हैं, तो सफेद लाइट एक्टिव हो जाएगा। यह संकेत देते हुए कि एवी ट्रैफिक के प्रवाह को प्रबंधित करने के लिए अपने मूवमेंट को कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। मानव ड्राइवरों को बस अपने सामने वाले एवी को फॉलो करने की जरूरत होगी। इस पर भरोसा करते हुए कि ऑटोनॉमस वाहन ट्रैफिक फ्लो को ऑप्टिमाइज (अनुकूलन) कर रहे हैं।

इस कॉन्सेप्ट की टेस्टिंग कई कंप्यूटर सिमुलेशन के जरिए की गई। जिसमें दिखाया गया कि सफेद लाइट सिस्टम यात्रा के समय, ईंधन दक्षता और चौराहों पर ओवरऑल सुरक्षा में काफी सुधार कर सकती है। जर्नल ऑफ कंप्यूटर-एडेड सिविल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग में प्रकाशित निष्कर्षों से पता चलता है कि यह नई प्रणाली भविष्य में जहां एवी ज्यादा प्रचलित होंगे, वहां यातायात प्रबंधन को सुव्यवस्थित कर सकती है।

ट्रैफिक मैनेजमेंट का भविष्य

जबकि सफेद लाइट सिस्टम में वादा किया जा रहा है। लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पारंपरिक ट्रैफिक लाइटों का इस्तेमाल तब तक जारी रहेगा जब तक कि सड़क पर ज्यादातर वाहन ऑटोनॉमस नहीं हो जाते। नजदीकी भविष्य के लिए, चौराहे अभी भी लाल, पीले और हरे रंग की बत्तियों के साथ काम करेंगे, जैसा कि दशकों से करते आए हैं।

हालांकि, जैसे-जैसे एवी को अपनाने की दर बढ़ती है, सफेद लाइट सिस्टम के फायदे ज्यादा स्पष्ट हो सकते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, डॉ. हाजबाबी के शोध से पता चलता है कि ऐसे परिदृश्य में जहां लगभग सभी वाहन स्वायत्त होते हैं, चौराहों पर देरी 25 प्रतिशत से ज्यादा कम हो सकती है। यहां तक कि सड़क पर एवी के कम प्रतिशत के साथ भी, सिस्टम अभी भी ट्रैफिक फ्लो में महत्वपूर्ण सुधार ला सकता है।

ट्रैफिक लाइट में चौथी लाइट

ट्रैफिक लाइट में चौथी लाइट का विचार नया नहीं है, लेकिन यह हाल ही में फिर से सुर्खियों में आया है। नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस चौथी लाइट का रंग भी बता दिया है- सफेद। शोधकर्ता अली हजबाबाई ने विशेष रूप से सेल्फ-ड्राइविंग वाले वाहनों के लिए इसे लॉन्च करने की बात कही है। वाइट लाइट का कॉन्सेप्ट बहुत ही अनूठा है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करता है, ताकि सेल्फ-ड्राइविंग गाड़ियों को ज्यादा तत्पर और सिक्योर बनाया जा सके। इसे लागू किया जा सकता है, ताकि वाहन चालकों को यातायात की रेग्युलेटरी और सिक्योरिटी को बढ़ावा मिले। वाइट लाइट सिस्टम ड्राइवर को अलग लाइट्स के रंगों के माध्यम से कई संकेतों द्वारा समझाता है, जिससे उन्हें उनके व्यवहार को समझने में सहायता मिलती है। यह तरीका ट्रैफिक नियमों का पालन करने और ट्रैफिक सिस्टम को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करता है, ताकि सेल्फ-ड्राइविंग गाड़ियों को ज्यादा तत्पर और सिक्योर बनाया जा सके। ट्रैफिक लाइट लाल होने का मतलब होता है कि आपको रुकना है, पीली लाइट का मतलब इंतजार करना और हरी लाइट का मतलब होता है कि आपको चलना है। लेकिन ये पैटर्न अब बदल सकता है। आपको ट्रैफिक लाइट में चौथी लाइट भी मिल सकती है। चौथी लाइट का आगमन एक रोचक विकल्प के तौर पर दिखता है, जो ट्रैफिक संवाहक सिस्टम को और भी ज्यादा उत्तेजित कर सकता है। यह सिस्टम यातायात को सुचारू और अधिक नियमित बनाने का प्रयास करता है, जिससे शहर की भीड़भाड़ और फ्यूल की खपत कम हो सके। इस मेथड में चौथी लाइट का आगमन ट्रैफिक फ्लो को ज्यादा बनाने में सहायक हो सकता है, जिससे समय और पेट्रोल की बचत हो सकती है। इस लाइट से जुड़ी कुछ और जानकारी:

- यह लाइट ट्रैफ़िक को सुचारू और नियमित बनाने में मदद करेगी.
- इससे शहर में भीड़भाड़ और फ़्यूल की खपत कम होगी.
- यह लाइट ट्रैफ़िक फ़्लो को बढ़ाकर समय और पेट्रोल की बचत करेगी.
- यह लाइट ड्राइवर को अलग-अलग रंगों के ज़रिए कई संकेत देगी.
- इससे ड्राइवरों को ट्रैफ़िक नियमों का पालन करने में मदद मिलेगी.
- यह लाइट ट्रैफ़िक सिस्टम को बेहतर बनाने में मदद करेगी.

ट्रैफ़िक सिग्नल से जुड़ी कुछ और बातें:

- ट्रैफ़िक सिग्नल को तकनीकी तौर पर ट्रैफ़िक नियंत्रण सिग्नल कहा जाता है.
- ट्रैफ़िक सिग्नल का इस्तेमाल सड़क चौराहों और पैदल यात्री क्रॉसिंग पर किया जाता है.
- सबसे पहले गैस से चलने वाला ट्रैफ़िक सिग्नल लंदन में 1868 में लगा था.
- पहला सुरक्षित, बिजली से चलने वाला ट्रैफ़िक सिग्नल अमेरिका में 1890 में लगा था.
- ट्रैफ़िक सिग्नल में लाल, पीला, और हरा रंग का इस्तेमाल होता है.
- लाल रंग का मतलब है कि आपको रुकना है.
- पीले रंग का मतलब है कि आपको इंतज़ार करना है.
- हरे रंग का मतलब है कि आपको चलना है.

नदी या झील के किनारे पर बैठकर प्राकृतिक सौंदर्य का नज़ारा लेने से मन को जो सुकून मिलता है, शायद ही किसी दूसरी जगह से मिले! अगर आप अपने मन और आंखों को शांति देने के लिए सुंदर और प्रचलित झीलों को देखने का विचार बना रहे हैं, तो यहां पर हम आपको बता रहें हैं भारत की कुछ ऐसी ही बेहद सुंदर झीलों के बारे में, जिनको जानने के बाद शायद आपके कदम खुद को रोक ना पाएं।

पांगोंग त्सो झील, लद्दाख

त्सो यानि झील। लेह से पहाड़ियों के रास्ते महज पांच घंटे की दूरी पर स्थित यह खारे पानी की झील भारत की कुछ अनोखी जगहों में से एक है। आमिर खान और करीना कपूर की हिट फिल्म 'थ्री इडियट्स' के आखिरी सीन की कुछ शूटिंग इसी झील के किनारे हुई थी। आपको जानकर हैरानी होगी कि 'लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल' एलओसी भी इस झील के जरिए निर्धारित होती है, क्योंकि इस झील का एक बड़ा हिस्सा चीन में आता है। नमक के पानी की होने के बावजूद, सर्दियों में झील पूरी तरह जम जाती है। इस जगह का सुरम्य, मनमोहक और सपनों सा दृश्य आपको एक अद्भुत रोमांच से भर देता है, इसलिए एक बार जाना तो बनता है।

पराशर झील, मंडी, हिमाचल प्रदेश

यह एक बफीर्ली झील है, जो मंडी से 49 किलोमीटर दूर हिमाचली शैली में बने ऋषि पराशर के मंदिर के पास स्थित है। माना तो यह भी जाता है कि जब से सृष्टि का निर्माण हुआ है, यह झील तभी से ही बनी हुई है। इस झील का पानी बहता हुआ है, लेकिन कोई नहीं जानता कि इसका पानी कहां से आता है और कहां जाता है? आश्चर्य की बात यह भी है कि इस झील की गहराई आज तक कोई नहीं नाप सका है। सर्दी हो या गर्मी झील का नीले रंग का पानी अलग ही सुकून देता है। प्राक्रतिक सौंदर्य के अतिरिक्त झील में तैरता भूखंड एक आश्चर्य है। झील में तैर रही पृथ्वी के इस बेड़े को स्थानीय भाषा में टाहला कहते हैं। सैलानियों के लिए यह झील बेहद आकर्षण का केन्द्र है।

पिछोला झील, उदयपुर, राजस्थान

पिछोला अथवा पिछौला झील राजस्थान राज्य के उदयपुर शहर की सबसे प्रसिद्ध मीठे पानी की झील है। इस झील के बीचों-बीच जग मंदिर और जग निवास महल है, जिनका प्रतिबिंब झील में पड़ता है। यह एक आर्टिफिशियल यानि मनुष्य द्वारा बनाई गई झील है, जिसका निर्माण 14वीं शताब्दी के अंत में एक बंजारे ने करवाया था। जिसे बाद में राजा उदय सिंह ने ठीक करवाया था। सिटी पैलेस से आपको यह पूरी झील दिखाई देती है। रोमांटिक अनुभव के लिए इस झील में आप सूर्यास्त के समय भी सवारी कर सकते हैं।

लोकटक झील, मणिपुर

लोक का अर्थ है 'नदी या झरना' और टक यानि 'अंत'। लोकटक झील भारत में मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है। यह झील मणिपुर की राजधानी इम्फाल से 53 किलोमीटर दूर दीमापुर रेलवे स्टेशन के निकट स्थित है। यह झील वनस्पतियों और जीवों की शरण स्थली कही जाती है। इस पर तैरते विशाल हरित घेरों की वजह से इसे तैरती हुई झील भी कहते हैं।

चंद्रताल झील, हिमाचल प्रदेश

सैलानियों और ट्रेकर्स का स्वर्ग कही जाने वाली चंद्रताल झील स्पीति में 4300 मीटर की उंचाई पर स्थित है। यह कुछ बेहद खूबसूरत झीलों में से एक मानी जाती है। इसकी प्राकृतिक छटा का सा नज़ारा शायद ही इस दुनिया में कहीं और देखने को मिले। चंद्रताल झील का यह नाम इसके 'अर्धचंद्राकार' आकार की वजह से ही पड़ा है। चंद्रताल झील पर्यटकों को अपने अलौकिक आकर्षण की वजह से बेहद आकर्षित करती है। साथ ही आकाशगंगा को देखने के लिए स्पीति एकदम सही जगह है। यानि आपकी छुट्टी का पैसा वसूल आनंद।

उमियाम झील, मेघालय

मेघालय के शिलॉन्ग में स्थित उमियाम झील को 'बारा पानी' भी कहते हैं। इस झील का प्राकृतिक सौंदर्य अनूठा है। वर्तमान में यह झील पूर्वोत्तर भारत के प्रथम हाइडिल पॉवर का हिस्सा है। चारों ओर प्राकृतिक छटा से घिरी यह झील सैलानियों को अपनी ओर बेहद आकर्षित करती है। फोटोग्राफी और सेल्फी के शौकीनों के लिए यहां के अद्भुत नज़ारे और प्राकृतिक सौंदर्य बेहद सटीक है। शायद यही वजह है कि हर साल बड़ी संख्या में लोग इस झील को देखने आते हैं।

शिल्लोई झील, नागालैंड

शिल्लोई झील नागालैंड की सबसे बड़ी प्राकृतिक झील है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस झील में एक पवित्र बच्चे की आत्मा वास करती है, इसीलिए ना तो इस झील के पानी का प्रयोग होता है, ना ही इस झील के पानी में मछली पकड़ने या सिंचाई करने जैसा काम होता है। इसीलिए इस झील का पानी बेहद साफ और चमकीला है। यह झील राजधानी कोहिमा से लगभग 285 किमी की दूरी पर है और वीकेंडस पर घूमने के लिए यह बेहद अच्छी जगह है।

चंगु लेक, गंगटोक

इस झील को सोमगो झील, चंगु लेक और त्सोंगमो झील के नाम से जाना जाता है। गंगटोक से 35 किमी दूर नाथूला पास मार्ग पर स्थित है। स्थानीय भाषा में इसे 'सांगु झील' भी कहते हैं। उंचाई पर स्थित झीलों की बात ही कुछ और होती है। इस झील का सौंदर्य भी कुछ ऐसा ही है। झील में पानी आस-पास की बर्फ पिघलने से आता है। इस झील की एक विशेषता और है, कि भारतीय डाक सेवा ने 2006 में झील को समर्पित एक डाक टिकट जारी किया था।

डल झील, श्रीनगर

झीलों का जिक्र हो और उसमें डल झील का नाम ना हो? यह तो हो ही नहीं सकता! कश्मीर के प्राकृतिक सुंदरता के नज़ारे डल झील के बिना तो अधूरे ही रहेंगे। इसलिए अगर आप कश्मीर की सुंदरता को पूरी तरह से देखना चाहते हैं, तो आपकी यात्रा में डल झील का नाम अवश्य होना चाहिए। कश्मीर का ताज कही जाने वाली यह झील 18 किमी में फैली और तीन दिशाओं से पहाड़ियों से घिरी हुई है। यह जम्मू कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी झील है। गर्मियों-सर्दियों के दौरान अलग-अलग नज़ारों के साथ बेहद खूबसूरत लगती है। पर्यटक यहां आकर हाउस बोट और शिकारे में बैठकर सूर्योदय का आनंद भी ले सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

टंडवा में भूमि सत्यापन मामले में बीस सूत्री अध्यक्ष को नोटिस,

रांची, एजेंसी। भूमि घोटाले से जुड़े मामले में झारखंड में ईडी और एसीबी लगातार कार्रवाई कर रही है. इसके बावजूद चतरा जिले के टंडवा में काजगात का फर्जीवाड़ा कर भूमि घोटाला रुकने का नाम नहीं ले रहा है. ताजा मामला चतरा जिला के टंडवा कोयलांचल के सरकारी गैरमजरूआ व आदिवासी भूमि को जालसाजी और फर्जीवाड़ा कर सत्यापन किये जाने के मामले पर पीड़िता ने बड़ा खुलासा किया है. चतरा जिला प्रशासन ने टंडवा के बीस सूत्री अध्यक्ष सुखदेव यादव उर्फ सुभाष यादव सहित उनके पूरे परिवार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है. नोटिस में कहा गया है कि टंडवा अंचल के मौजा के राहम चातर में खाता नंबर 389 प्लॉट संख्या 2599 जिसका कुल रकबा 4.40 एकड़, भूमि पर कायम अवैध जमाबंदी रद्द करने के लिए गांव के ही सीटन यादव व उगन यादव ने अपील दायर की है. पीड़िता ने बताया है कि नोटिस मिलने के बाद भी सुभाष यादव अपने पद का दुरुपयोग कर नोटिस का जवाब नहीं दे रहे हैं. चतरा जिले में मगध आम्रपाली प्रोजेक्ट में सरकारी और गैरमजरूआ भूमि का फर्जीवाड़ा करके फर्जी हुकुमनामा तैयार कर नौकरी लेने के मामले में भी एसबी की जांच जारी है. एसीबी मगध आम्रपाली प्रोजेक्ट में फर्जीवाड़ा करने वालों को भी नोटिस भेज चुका है.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का राशि में वृद्धि करने का वादा

रांची, एजेंसी। महिलाओं और युवतियों का सशक्तीकरण कांग्रेस का सबसे पहला संकल्प है। स्वतंत्रता के बाद से ही कांग्रेस ने अपनी इस प्रतिज्ञा को जमीन पर उतारा है। महिलाओं को स्थानीय निकायों में पर्याप्त आरक्षण देने के साथ ही सरकारी नौकरियों में आरक्षण भी कांग्रेस की ही देन है। ये बातें एआईसीसी के अनुसूचित जाति–जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के संयोजक के. राजू ने कहीं। वे रविवार को जतरा मैदान, बजरा में आयोजित मंईयां सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए जारी अपने घोषणा पत्र में नारी न्याय के तहत महिलाओं को स्वावलंबी और सशक्त बनाने की पहल की थी, उन्हें हर महीने साढ़े 8 हजार रुपए देने का वादा किया था। हेमंत सरकार ने उसी रास्ते पर आगे बढ़कर महिलाओं को सम्मान दिया है। आनेवाले समय में इस राशि में वृद्धि होगी, जिसकी घोषणा कांग्रेस अपने मेनिफेस्टो में करेगी। सम्मेलन का संचालन कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अजयनाथ शाहदेव ने किया। मौके पर महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष गुंजन सिंह, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, यशस्विनी सहाय, भीम कुमार, कृषि बोर्ड के अध्यक्ष रवींद्र सिंह आदि ने संबोधित किया। सम्मेलन में रांची, गुमला, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, सिमडेगा व कोडरमा जिलों की हजारों महिलाएं शामिल हुईं।

मरीजों के परिजनों की सहायता कर रहे एनएसएस स्वयंसेवक

रांची, एजेंसी। राज्य के सरकारी अस्पतालों में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), इकाई के स्वयंसेवक अनुभवात्मक शिक्षण कार्यकम से जुड़कर मरीजों और उनके परिजनों की सहायता कर रहे हैं। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की एनएसएस इकाई की ओर से देशभर के सरकारी अस्पतालों में एक्सपेरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम (ईएलपी) के तहत एनएसएस स्वयंसेवक अस्पताल व्यवस्था पर काम रहे हैं। रांची रिम्स और सदर अस्पताल में रांची विवि के एनएसएस स्वयंसेवक ओपीडी में आनेवाले मरीजों की सहायता में जुटे हुए हैं। वहीं, राज्यभर के सरकारी अस्पतालों में 163 स्वयंसेवक ईएलपी से जुड़कर सेवा कार्य कर रहे हैं। रांची विवि के एनएसएस स्वयंसेवक माई भारत पोर्टल पर निबंधित होने के बाद रिम्स और सदर अस्पताल के अलावा अन्य जिलों के सरकारी अस्पतालों में ईएलपी के तहत अपनी सेवाएं दे रहे हैं। स्वयंसेवकों का मुख्य काम ओपीडी में आए मरीजों के परिजनों को सहयोग, जैसे– ड्रिफकेस ऐप को डाउनलोड कराते हैं। ऐप में आए लिंक से स्कैन एंड शेयर करने के बाद मरीजों के परिजनों को एक टोकन मिल रहा है, उस टोकन के आधार पर पर्ची कट रही है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत देशभर में यह काम चल रहा है। इस मिशन के रिम्स के नोडल आफिसर डॉ राकेश रंजन हैं और सदर अस्पताल के नोडल ऑफिसर डॉ अखिलेश झा हैं। रिम्स में ओपीडी का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक है, इस दौरान 2000 से अधिक मरीज और परिजन आते हैं। भीड़ प्रबंधन का काम स्वयंसेवक कर रहे हैं।

खूंटी में गरजे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कहा-झारखंड में लड़ाई व्यापारियों और गरीब आदिवासी के बीच

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत एनएचपीसी मैदान में सोमवार को आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए. सीएम ने खूंटी एवं सिमडेगा जिलों को लगभग 734 करोड़ 55 लाख रुपए की योजनाओं की सौगात दी. विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया वितरण. इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर जम कर प्रहार किया और बड़ी घोषणाएं की.

बकाया मिला तो मंईयां सम्मान योजना की राशि एक हजार से बढ़ा कर दो हजार कर देंगे : उन्होंने कहा कि जिस दिन केंद्र से हमारा बकाया एक लाख 36 हजार करोड़ रूपए मिल गए, उसी दिन से मंईयां सम्मान योजना की राशि एक हजार से बढ़ा कर दो हजार रुपए कर देंगे. मैंने फिर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है. हो सकता है कि यह पैसा लेने के लिए हमें लंबी लड़ाई भी लड़नी पड़ी. भाजपा वाले लोग बोलते हैं कि हम मंईयां सम्मान योजना वोट लेने के लिए लाए हैं. बेईमानों तुमने कभी गरीबों को कुछ दिया नहीं, और आज हम दे रहे हैं तो तकलीफ हो रही है. आज भी हमारे गांव के लोग छोटी-छोटी जरूरत के लिए कर्जा लेते हैं. लेकिन हम आपको यकीन दिलाते हैं कि आने वाले पांच साल में हम आपको इतना मजूबत कर देंगे कि आपको किसी के आगे हाथ फैलाने की जरूरत नहीं होगी. इसके अलावे पूर्व में घोषित अगली सरकार बनने पर सालाना एक लाख का वादा भी पूरा करेंगे.

आदिवासी सीएम को हटाने के लिए एक दर्जन सीएम लगे हुए हैं : उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि आदिवासी सीएम को हटाने के लिए एक दर्जन सीएम लगे हुए हैं. मुझे जेल में डाल दिया था ये लोग पांच महीने के लिए. मगर आप जैसी मां बहनों का आशीर्वाद जिसके ऊपर रहे, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता. पूरे राज्य में बड़ा-बड़ा नेता आ रहा. हिंदू-मस्लिम, दलित -पिछड़ा, आदिवासी-सरना की लड़ाई लगवाने में ये लोग माहिर हो गया है. लेकिन हमारी एकता ही हमारी ताकत है. हमलोग बिरसा मुंडा के पद चिन्हों पर चलने वाले हैं. हम न कभी किसी से डरे हैं न किसी के सामने झुके हैं, न झुकेंगे. आप लोग हौंसला बुलंद रखिए. आपलोग मजबूती से खड़े रहिए. एक मुख्यमंत्री को हटाने के लिए एक दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तक लगे हुए हैं. देखते हैं इन पूंजीपतियों के पास ज्यादा ताकत है या गरीब आदिवासी मुख्यमंत्री के पास.

विपक्ष के लोग हमारे कामों से जलने लगे हैं : उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग हमारे कामों से जलने लगे हैं. तरह-तरह के झूठे आरोप लगा कर हमारे साथ चोर-पुलिस खेलने लगे. कोर्ट कचहरी करते रहे. हम आपको हक अधिकार देने का काम करते थे और ये लोग वो अधिकार कैसे आप तक नहीं पहुंचे, इसके लिए काम करते थे. ये लोग तरह-तरह का पचड़ा लगा कर काम नहीं होने देना चाहते थे. हम नौकरी देते हैं, तो कोर्ट कचहरी चले जाते हैं. मंईयां योजना चला रहे हैं, तो इसके लिए भी कोर्ट चला गया है.

उलिहातू जाते हैं, आदिवासी दिवस पर पीएम शुभकामना नहीं देते : हेमंत ने सीधे पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री उलीहातू जाते हैं. भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थी जाते हैं. फर्जी मिट्टी का टीका लगाते हैं. योजना की शुरुआत करते हैं. लेकिन आदिवासी दिवस पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति शुभकामनाएं नहीं देते हैं. सरना धर्म कोड को लेकर कितनी जद्दोजहद कर रहे हैं, लेकिन ये लोग दे नहीं रहे हैं.

धन बल के दम पर सब खरीदना चाहते हैं : ये लोग अभी बोलते हैं कि संथाल परगना, बिहार, बंगाल का अलग राज्य बना दो. और ये व्यापारी लोग यहां आकर इस राज्य को फिर बांटने का प्रयास कर रहे हैं. अपने धन बल के दम पर इनको लगता है कि ये सब कर लेंगे. सामान साग सब्जी तो खरीद ही लेते हैं आदमी भी खरीद लेंगे, ऐसा सोचते हैं. यही वजह है कि आप सुनते होंगे कि कभी इस नेता को खरीद लिया, कभी उस एमपी को खरीद लिया.

आदिवासियों से छल करनेवालों को दिलाकर रहेंगे सजा, हेमंत सोरेन पर जमकर बरसे जेपी नड्डा

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी देश में भ्रष्टाचार के साथ राष्ट्रविरोधी तत्वों को पनाह देती है। राज्य में कांग्रेस के साथ सरकार चला रही झामुमो भी इससे सीखती है।

खूंटी में भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन रैली को प्रारंभ करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य का निर्माण करने वाली भाजपा ही आदिवासी भाई बहनों का सम्मान करने वाली और उनकी अस्मिता की रक्षा करने वाली पार्टी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी देश के पहले नेता हैं, जो भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर उनके गांव पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के लिए झारखंड हमेशा प्राथमिकता में रहा है। लाखों करोड़ की योजनाओं को झारखंड से प्रारंभ किया गया है।

परिवर्तन रैली में जेपी नड्डा ने कहा कि झामुमो और इसके नेता हेमंत सोरेन सिर्फ अपने परिवार की भलाई में लगे रहते हैं। राज्य के करोडों आदिवासियों के लिए इनके मन में कोई सम्मान नहीं है।

सत्ता में बने रहने के लिए ये लोग आदिवासी भावना से खिलवाड़ करते हैं, जबकि बांग्लादेशी घुसपैठिए राज्य में आदिवासी समुदाय की जमीन खरीदकर उन्हें बेघर कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ऐसे छल करने वालों को सजा दिलाकर रहेगी।

नड्डा ने कहा कि जिस कांग्रेस और राजद ने झारखंड राज्य बनने का विरोध किया था, उसी के साथ मिलकर हेमंत सोरेन सरकार चला रहे हैं।

आइएनडीआइ गठबंधन राज्य में झूठ फैला रहा है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि राज्य को इस भ्रष्ट गठबंधन से मुक्ति दिलाएं और भाजपा की सरकार बनाएं।

कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने भी झामुमो पर तुष्टीकरण करने और बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। परिवर्तन रैली में पूर्व सांसद कड़िया मुंडा, विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा, कोचे मुंडा और समीर उरांव भी उपस्थित थे।

हजारीबाग सीट पर कांग्रेस में मचा घमासान, पूर्व विधायक के बयान ने बढ़ाई सियासी हलचल

हजारीबाग, एजेंसी। आसन्न आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों के चयन को लेकर ऐसे तो सभी दलों में रायशुमारी और दलगत सर्वेक्षण की कवायद चल रही है। इस क्रम में संभावित उम्मीदवारों द्वारा पार्टी नेतृत्व को आकर्षित करने के लिए सामाजिक सक्रियता भी बढ़ गई है।

साथ ही साथ दलों के संभावित उम्मीदवारों के बीच आपसी खींचतान भी देखने सुनने को मिल रही है। इस बीच अगर हम कांग्रेस पार्टी की बात करें तो हजारीबाग सदर विधान सभा क्षेत्र से उम्मीदवारी को लेकर भी पार्टी के संभावित उम्मीदवारों के बीच खींचतान शुरू हो गई है।

इसकी बानगी पिछले दिनों हजारीबाग पहुंचे पार्टी प्रभारी व कन्वेनर के कार्यक्रम के दौरान भी दिखाई दी। इधर लंबे अंतराल के बाद हजारीबाग पहुंचे पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह के आगमन से चुनावी चर्चा को और गति मिली।

इन सब के बीच हजारीबाग में उनके हालिया बयान जिसमें उन्होंने हजारीबाग सदर विधान सभा से किसी कुशवाहा को टिकट देने की वकालत की थी, ने पार्टी में घमासान को हवा दे दी। इस बयान के बाद पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और पूर्व जिलाध्यक्ष ने भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी। सभी का कहना था कि यह बयान उनकी निजी राय हो सकती है मगर ऐसा बयान पार्टी की सोच के विपरीत है और पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाला है।

वरिष्ठ कांग्रेसी और सदर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष शशि मोहन सिंह ने कहा कि पूर्व विधायक का बयान कांग्रेस पार्टी की सोच के विपरीत है। सच कहें तो यह बयान पार्टी को कमजोर करने और बांटने वाला है। वैसे भी पूर्व विधायक की पिछले दो विधानसभा चुनावों में उनकी जो भूमिका थी उससे सभी लोग भलीभांति परिचित हैं।

ऐसा लगता है कि उस भूमिका को वह पुन- दुहरा रहे हैं। वास्तव में कांग्रेस पार्टी जाति धर्म से उपर उठकर व्यक्तित्व के आधार पर पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए सच्चे कार्यकर्ताओं को ही अपना उम्मीदवार बनाती है।

अपनी प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी और पूर्व जिलाध्यक्ष विजय यादव ने कहा कि सौरभ नारायण सिंह को जब यहां से जीत मिली थी तो वह किसी जाति धर्म के आधार पर नहीं मिली थी बल्कि सभी कांग्रेसजनों ने उन्हें जिताया था।

वहीं, दो बार के विधायक रहे मनीष जायसवाल जी भी उस जाति विशेष से संबंध नहीं रखते हैं, जिनके बारे में यह बयान सामने आया हैं। चुनाव में जो सक्षम और जमीन से जुडा होता है वहीं जीत हासिल करता है चाहे किसी भी जाति व धर्म से संबंध रखता हो। विगत लोकसभा चुनाव में भी पार्टी प्रत्याशी उसकी जाति का था मगर नतीजा सामने है।

पूर्व जिलाध्यक्ष रहे वरिष्ठ कांग्रेसी अवधेश सिंह ने कहा कि पूर्व के चुनाव में पार्टी ने जाति विशेष को ही टिकट दिया था मगर परिणाम सामने है।

वास्तव में पूर्व विधायक को भी जो जीत मिली थी वह किसी जाति विशेष के कारण नहीं बल्कि कांग्रेसियों के कारण मिली थी। जनता किसी जाति को नहीं बल्कि कांग्रेस को वोट देगी। वैसे भी पांच विधानसभाओं में हजारीबाग सदर क्षेत्र ही है सामान्य वर्ग को टिकट मिलना चाहिए।

10 अक्टूबर तक जारी होगी भाजपा के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

रांची, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हेमंता विश्वा शरमा को झारखंड के विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी देने के साथ ही भाजपा राज्य में पूरी तरह से चुनावी मोड में आ गई है। दो दिन पहले गृहमंत्री अमित शाह ने साहिबगंज से परिवर्तन यात्रा की शुरुआत कर पार्टी के अधिकारियों से लेकर कार्यकर्ताओं तक को जिम्मेदारी सौंप दी।

इसी बीच भाजपा ने साफ तौर पर इस बात के संकेत दिए हैं कि जल्द की विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी बड़े निर्णय लेने जा रही है। पार्टी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर न केवल घोषणा पत्र जारी करेगी बल्कि संभावित उम्मीदवारों की पहली लिस्ट भी जारी करेगी। विधानसभा चुनाव को लेकर 27 से 29 सितंबर के बीच घोषणा पत्र जारी कर दिया जाएगा। वहीं अक्टूबर के पहले सप्ताह में भाजपा चुनाव समिति की बैठक होगी और 10 अक्टूबर तक विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी जाएगी।

पार्टी को कार्यकर्ताओं की राय मिल गई है। रायशुमारी के बक्से खुल चुके हैं। नामांकन को डिजिटाइज किया जा रहा है। पार्टी ने अधिकतर क्षेत्रों में सर्वे भी कराया हुआ है। अन्य स्रोत से भी योग्य उम्मीदवारों के बारे में जानकारी ली गई है। ऐसे में उम्मीदवारों का चयन सर्वश्रेष्ठ होगा। इन तमाम बातों की जानकारी शिवराज सिंह ने दी है।

शिवराज सिंह ने कहा - कौन सी योजना कब शुरू होगी और कब पूरी होगी, घोषणा पत्र में इसका कैलेंडर जारी करेंगे। पांच वर्षों में कब-कब और कौन-कौन काम होंगे, इसका भी तिथिवार उल्लेख होगा। यह भी बताएंगे कि गरीब, महिला, किसान, युवा-मजदूरों के लिए लाई गई योजना के लिए पैसे की व्यवस्था कहां से होगी। यह सब कुछ पारदर्शी होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट के अगले विस्तार में भाजपा के जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो केंद्रीय मंत्री बन सकते हैं। प्रदेश भाजपा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने इसके संकेत दिए हैं। कहा कि झारखंड से कुर्मी सांसद केंद्र में मंत्री बनेंगे। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। जिस ढंग से भाजपा विद्युत को प्रमोट कर रही है, उससे यह लगता है कि पार्टी की नजर उन पर ही है, क्योंकि संगठन ने विद्युत को बड़ा दायित्व सौंपते हुए विधानसभा चुनाव के कैंपेन कमेटी का संयोजक भी बना दिया गया है। इससे उनके मंत्री बनने की संभावना बढ़ गई है।

रांची में स्मार्ट मीटर नहीं लगवाने वालों की बढ़ेगी परेशानी, बिजली विभाग उठाने जा रहा सख्त कदम

रांची, एजेंसी। शहर में स्मार्ट मीटर नहीं लगवाने वाले 10 प्रतिशत उपभोक्ताओं का कनेक्शन जल्द कटने वाला है। शहर में स्मार्ट प्रीपेड मीटर का सिस्टम लागू हो चुका है। अब पंजीकृत मोबाइल नंबर पर सीधे बिजली बिल पहुंचेगा। यह व्यवस्था शहर में लागू हो चुकी है।

10 प्रतिशत उपभोक्ताओं में वैसे उपभोक्ता शामिल हैं, जिनमें एजेंसी की ओर से स्मार्ट मीटर लगाने के दौरान उपभोक्ताओं का घर बंद होने की बात सामने आ रही है। वहीं, कुछ ऐसे भी उपभोक्ता हैं जिन्होंने इस व्यवस्था से नाराजगी के कारण स्मार्ट मीटर नहीं लगवाया है।

अब वैसे उपभोक्ताओं के घर पर बिजली बिल नहीं पहुंचेगा। इससे बिजली उपभोक्ताओं को एकमुश्त बिजली बिल चुकाना पड़ेगा। वहीं, अधिकारी भी उनकी फरियाद नहीं सुनेंगे। उपभोक्ताओं को बिजली बिल में भी 18 प्रतिशत इंट्रेस्ट का पैसा जोड़कर दिया जाएगा।

एक मुश्त बिजली बिल मिलने से आर्थिक बोझ बढ़ेगा। साथ ही स्मार्ट मीटर लगाने के लिए अपनी जेब से लगभग 7000 हजार रुपये खर्च करना पड़ेगा। लोड और खपत की जानकारी से भी वंचित रहना पड़ेगा।

बता दें कि शहर में अबतक दो लाख 60 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लग चुके हैं। यह स्मार्ट मीटर अब प्रीपेड मोड पर काम करने लगे हैं।

फर्स्ट फेज में 18 हजार स्मार्ट मीटर को सैंपल के तौर पर शहर में लगाया गया था। सेवा सही पाए जाने के बाद पूरे शहर में लगाया गया।

शहर में तीन लाख 50 हजार स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य है। यह लक्ष्य जल्द ही दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। प्रीपेड सेवा को सख्ती से बहाल करने को लेकर विभाग की ओर से पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। हालांकि प्रीपेड सेवा का शहर में जोरदार विरोध भी जारी है।

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के अधिकारियों ने बताया कि विभाग का एक्शन प्लान तैयार है। विभाग स्मार्ट मीटर लगाने के झंझट से जल्द निजात पा लेगा। स्मार्ट मीटर का काम अंतिम चरण पर है। अगले एक्शन प्लान के तहत शहर की बिजली व्यवस्था हाईटेक होने वाली है।

आरडीएसएस योजना का काम शुरू हो चुका है। जल्द शहर में जर्जर तार की जगह कवर तार होंगे। इससे पूरी तरह से बिजली चोरी पर विराम लग जाएगा। साथ ही सब स्टेशन छोटे होंगे। ग्रिड की क्षमता बढ़ाई जाएगी। शहर में 11 केवीए तार अंडरग्राउंट होंगे। शहर में 24 घंटे बिजली दी जाएगी।

जबतक मैं जिंदा हूं ना आरक्षण खत्म होगा ना ही संविधान पर आयेगा खतरा: चिराग पासवान

पलामू, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय फूड प्रोसेसिंग व उद्योग मंत्री चिराग पासवान सोमवार को पलामू के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। उन्होंने जिले के नीलाम्बर पितांबरपुर (लेस्लीगंज) प्रखंड में नवनिर्मित वीर बाबा चौहड़मल पार्क में पार्टी के संस्थापक स्व. रामविलास पासवान एवं वीर बाबा चौहड़मल की मूर्ति का अनावरण किया। उनके साथ जमुई के सांसद सह झारखंड प्रभारी अरुण भारती, सह प्रभारी सह खगडिया के सांसद राजेश वर्मा भी थे।

पांकी के भाजपा विधायक डा. शशिभूषण मेहता ने केन्द्रीय मंत्री को चांदी का मुकुट पहनाकर एवं तलवार देकर स्वागत किया। इसी तरह लोजपा (रा.) के दोनों सांसदों का भी स्वागत किया। बता दें कि पांकी विधायक के द्वारा वीर बाबा चौहरमल पार्क का निर्माण कराया गया है।

केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान निर्धारित समय से कुछ घंटे विलंब से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। उन्हें देखने एवं सुनने के लिए लोगों की भारी भीड़ लगी रही। मंत्री चिराग जैसे ही मंच पर आए, उपस्थित लोगों ने उनका अभिवादन किया। मंत्री ने भी हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। मौके पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि संविधान को खतरा एवं आरक्षण को खत्म करने को लेकर विरोधियों के द्वारा लगातार अफवाह उड़ायी जा रही है। लेकिन मैं यहां स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जबतक मैं जिंदा हूं ना आरक्षण खत्म होगा ना ही संविधान पर खतरा आयेगा। उन्होंन राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड राज्य का मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाता है।

इसके लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झारखंड को शर्मिंदा होना पड़ा। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष के बाद भी झारखंड पिछड़े राज्य की श्रेणी में शामिल है। खनीज संपदा से परिपूर्ण रहने के बावजूद आखिर यह राज्य क्यों पीछे रह गया, इसे समझने की जरूरत है।

चिराग ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि युवा साथी अपनी ताकत को पहचाने। झारखंड में 35 वर्ष के लोगों की आबादी 65 प्रतिशत है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि झारखंड युवा है और एकजुट होने की जरूरत है। अगर हम एक हो गए तो हमें आगे बढने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि आखिर क्या कारण है कि झारखंड के युवाओं को दूसरे राज्य में जॉब के लिए प्लायन करना पड़ता है। सत्ताधारी जाति धर्म के नाम पर हमें बांटने की राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को जवाब देने का वक्त आ गया है।

उन्होंने युवाओं को बताया कि आज उनके हाथ में मोबाइल फोन है, जो उनके पिता और पार्टी के संस्थापक नेता जी स्व. रामविलास पासवान की देन है। शुरूआत में जब उनके पिता मोबाइल फोन लेकर आए तो लोग उनका मजाब उड़ाते थे और मोबाइल को अमीरों की जागीर बताते थे, लेकिन आज रिक्शे वाले से लेकर ठेला वाले के हाथ में मोबाइल है और लोग इसका बेहतर इस्तेमाल कर रहे हैं। इसी तरह उनके पिता के द्वारा शुरू की गयी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना से आज भी 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है।

मौके पर पांकी विधायक डॉ शशि भूषण मेहता ने कहा कि पांकी विधानसभा क्षेत्र में कभी वैसे जनप्रतिनिधि का राज हुआ करता था जिन्होंने दलितों को जिंदा जलाया था। लेकिन अब समय बदल चुका है। दलित जाग चुके हैं। सामंती अत्याचारी को दफनाने का काम किया है। इनकी दबंगता को दूर करने वाले तमाम युवाओं को मैं सलाम करता हूं।

उन्होंने कहा कि वीर बाबा चौहरमल के पद चिन्हों पर चलकर पांकी को विकास के रास्ते पर ले जाया जा सकता है। रामविलास पासवान जी के सपने को साकार करना है। उन्होंने रामविलास पासवान जी की एक पंक्ति 'हम उस घर में दिया जलाने चले हैं जहां सदियों से अंधेरा था' का बखान किया और गूंजे धरती आसमान रामविलास पासवान के नारे लगाए।

अनिल अंबानी को मिलने वाला है 925 करोड़ का चेक!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी के अच्छे दिन आने वाले हैं उनकी कंपनियां तेजी से अपना कर्ज कम कर रही हैं। साथ ही अब उनकी कंपनियों को निवेशक भी मिलने लगे हैं। शेयर बाजार ऑपरेटर संजय डांगी और इक्विटी निवेशक संजय कोठारी अनिल अंबानी की पावर कंपनी रिलायंस पावर में 925 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए तैयार हैं। ये दोनों हाई नेटवर्थ इनवेस्टर्स हैं। कंपनी का शेयर लगातार पिछले चार दिनों से अपर सर्किट छू रहा है। साल 2008 में 11,560 करोड़ रुपये का आईपीओ लाने वाली रिलायंस पावर अपने प्रमोटरों और चुनिंदा निवेशकों को नए इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय वारंट जारी करके कुल 1,525 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। यह कदम रिलायंस पावर की कर्ज कम करने और अपनी ग्रीन एनर्जी इनिशिटिव्स को सपोर्ट करने की रणनीति का हिस्सा है। रिलायंस पावर की प्रमोटर रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी में 600 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे कंपनी में उसकी हिस्सेदारी मौजूदा 23 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगी। जून 2024 की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार रिलायंस पावर में रिलायंस इन्फ्रा की 80 प्रतिशत हिस्सेदारी अभी लॉक है। संजय डांगी ने इससे पहले रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और रिलायंस होम फाइनेंस का अधिग्रहण किया था। उनकी इनवेस्टमेंट कंपनी ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर को 675 करोड़ रुपये के शेयर या परिवर्तनीय वारंट आवंटित किए जाएंगे। इससे रिलायंस पावर में संजय डांगी को रिलायंस पावर में 6 प्रतिशत की हिस्सेदारी मिलेगी। उनके पास अभी कंपनी में लगभग 2 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इएनएएम के पूर्व एग्जीक्यूटिव संजय कोठारी सनातन फाइनेंशियल एडवाइजरी सर्विसेज के माध्यम से रिलायंस पावर में 250 करोड़ रुपये का निवेश करेंगे। इससे उन्हें कंपनी में 1.7 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। रिलायंस पावर ने स्टॉक एक्सचेंजेज को बताया किया कि वह 33 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर 46.2 करोड़ शेयर या परिवर्तनीय वारंट जारी करेगी। सोमवार को कंपनी के शेयर बीएसई पर 38 रुपये पर बंद हुए।

बिहार सरकार ने 1261 करोड़ रुपये का दिया काम, सरकारी कंपनी के शेयरों में तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। एनबीसी लिमिटेड को बिहार की नीतीश कुमार की सरकार की तरफ से 1261 करोड़ रुपये का काम मिला है। इस काम के मिलने के बाद एनबीसीसी के शेयरों में 2.52 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। जिसकी वजह से शेयरों का भाव सोमवार को 178.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि दरभंगा में एम्स से जुड़े काम के लिए बिहार के स्वास्थ मंत्रालय की तरफ से 1261 करोड़ रुपये का काम मिला है। बता दें, इसी महीने की शुरुआत में कंपनी ने एमटीएनएल के साथ 1600 करोड़ रुपये का एमओयू साइन किया है। सरकारी कंपनी एनबीसीसी के नेट प्रॉफिट में 38 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिला है। कंपनी का प्रॉफिट चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान 107.20 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में एनबीसीसी लिमिटेड का प्रॉफिट 77.40 करोड़ रुपये रहा था। अप्रैल से जून के दौरान इस कंपनी की कुल कमाई 2197.80 करोड़ रुपये रहा था। जबकि इसी पीरियड में यह कमाई 1974 करोड़ रुपये रहा। पिछले एक साल के दौरान एनबीसीसी लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 200 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। 6 महीने से इस स्टॉक को होल्ड करने वाले निवेशकों को 50 प्रतिशत से अधिक का फायदा हुआ है। निवेशकों के लिए हालांकि, पिछला एक महीना अच्छा नहीं रहा है। इस दौरान स्टॉक की कीमतों में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। एनबीसीसी लिमिटेड का 52 वीक हाई 209.75 रुपये और 52 वीक लो लेवल 56.71 रुपये है।

रुपये के मुकाबले सस्ती है कई देशों की करेंसी

▶▶ इस समय ईरानी दीनार दुनिया में सबसे सस्ता ▶▶ वियतनाम, नेपाल, श्रीलंका की करेंसी भी है सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। आजादी के समय एक रुपये की वैल्यू एक डॉलर हुआ करती थी लेकिन आज स्थिति बदल गई है। आज एक डॉलर की वैल्यू 83.57 रुपये पहुंच चुकी हैं। डॉलर के मुकाबले भले ही रुपया कमजोर लगता है लेकिन दुनिया के कई देशों की करेंसीज की तुलना में यह अब भी काफी मजबूत है। इनमें इंडोनेशिया, कोस्टारिका, नेपाल, कंबोडिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और वियतनाम शामिल हैं। इस देशों की करेंसी भारतीय रुपये के मुकाबले सस्ती है। खासकर वियतनाम और इंडोनेशिया में तो आपको रुपये की असली ताकत नजर आएगी। वियतनाम की करेंसी तो फिलहाल दुनिया की दूसरी सबसे सस्ती करेंसी है। पहले नंबर पर ईरान का दीनार है। वियतनाम की करेंसी डोंग भारतीय रुपये के मुकाबले काफी कमजोर है। एक भारतीय रुपया में आपको करीब 295 वियतनामी डोंग मिल जाएंगे। इसी तरह अगर आप इंडोनेशिया में हैं तो आपको एक रुपया देकर वहां के 180 रुपये मिल जाएंगे। इंडोनेशिया की करेंसी भी रुपया है। कोस्टारिका में आपको एक रुपये में 6.33 रिकन कोलोन मिल जाएंगे। इसी तरह पड़ोसी देश नेपाल और श्रीलंका की करेंसी भी भारत के मुकाबले सस्ती है। भूटान में एक रुपये की कीमत भूटान के 0.98 नोंग्त्रुम के बराबर है। इसी तरह नेपाल में भारत के एक रुपये की कीमत 1.59 नेपाली रुपये के बराबर है।

दुनिया की सबसे सस्ती करेंसी

अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे में भारत के एक रुपये की कीमत 3.87 जिम्बाब्वेवन डॉलर के बराबर है। दुनिया के सबसे बड़े अंगकोर वाट मंदिर के लिए जाने जाने वाले कंबोडिया में भी आप कुछ ही रुपयों में ऐश कर सकते हैं। इस देश आपको एक रुपये में 48.22 कंबोडियन रियल मिल जाता है। इसी तरह पड़ोसी देश श्रीलंका में एक रुपया देकर आप 3.92 श्रीलंकाई रुपया ले सकते हैं। वैसे इस समय दुनिया की सबसे सस्ती करेंसी ईरान की दीनार है। एक रुपये में आपको 502 ईरानियन दीनार मिल जाएंगे। ईरान और वियतनाम के बाद सियरा लियोन की करेंसी सबसे सस्ती है। एक रुपये में आपको वहां के 268 सियरा लियोनन लियोन मिल जाएंगे। इसके बाद लाओस की करेंसी किप का नंबर है। एक रुपये की कीमत 263 लाओ किप के बराबर है। इस लिस्ट में अगला नाम इंडोनेशिया की करेंसी का है। मध्य एशियाई देश उजबेकिस्तान में आपको एक रुपये में 151 सोम, गिनी में 102 फ्रैंक, पैरागुए में 90 गुआरानी और युगांडा में 44 शिलिंग मिल जाएंगे।

रियल एस्टेट में मंदी नहीं, 2047 तक 10 लाख करोड़ डॉलर का होगा बाजार; रिपोर्ट में दावा

भारतीय रियल एस्टेट बाजार में मंदी का कोई संकेत नहीं है। आवास की मांग सदाबहार और मजबूत बनी हुई है। इस मांग को पूरा करने के लिए अधिक आवासीय परियोजनाएं लॉन्च करने की जरूरत है। रियल्टी क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई और रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया का कहना है कि भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार 2047 तक कई गुना बढ़कर पांच से सात लाख करोड़ डॉलर पहुंच सकता है। बढ़ती आर्थिक वृद्धि और तीव्र शहरीकरण से यह 10 लाख करोड़ डॉलर तक भी पहुंच सकता है। 'क्रेडाई नैटकॉन' सम्मेलन में क्रेडाई और कोलियर्स इंडिया ने एक संयुक्त रिपोर्ट 'इंडियन रियल एस्टेट ÷द क्वांटम लीप' में कहा, किसी तिमाही में मकानों की बिक्री कम पेशकश की वजह से गिर सकती है, लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद बढ़ी उपभोक्ता मांग बरकरार है।

आकर्षक कीमतों पर तेजी से बिक रहे मकान

चालू तिमाही में बिक्री में अनुमानित गिरावट पर क्रेडाई के राष्ट्रीय चेयरमैन मनोज गौड़ ने कहा, सितंबर तिमाही में नई पेशकश कम रही हैं। अच्छे डेवलपर की ओर से सही स्थानों और आकर्षक कीमतों पर पेश की जा रही आवासीय संपत्तियां तेजी से बिक रही हैं। प्रॉपइक्विटी ने नए आंकड़ों में अनुमान लगाया गया है कि भारत में जुलाई-सितंबर में नौ प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री 18 फीसदी घटकर 1,04,393 इकाई रह गई।

शहरों में रहेगी 50 फीसदी आबादी

रिपोर्ट में कहा गया, रियल एस्टेट वृद्धि बड़े शहरों की सीमाओं से आगे बढ़कर कई छोटे शहरों तक पहुंचेगी। 2047 तक देश की 50 फीसदी आबादी शहरों में निवास करेगी। इससे आवासीय, कार्यालय, डाटा सेंटर और खुदरा स्थानों में अभूतपूर्व मांग पैदा होगी।

छह कारक निभाएंगे वृद्धि में भूमिका

रिपोर्ट के मुताबिक, 2047 तक भारतीय जीडीपी में रियल एस्टेट क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़कर 14-20 फीसदी पहुंचने की उम्मीद है। रियल एस्टेट में इस दीर्घकालिक वृद्धि के लिए छह प्रमुख कारकों की भूमिका होगी। ये छह कारक हैं...तीव्र शहरीकरण, बुनियादी ढांचे का विकास, डिजिटलीकरण, जनसांख्यिकीय बदलाव, स्थिरता और निवेश विविधीकरण।

800 करोड़ का मकान लेकिन होती है पुताई!

नई दिल्ली, एजेंसी। शर्मिला टैगोर बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों में शुमार हैं। वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पटौदी के नवाब मंसूर अली खान पटौदी की पत्नी हैं। शर्मिला टैगोर अपने 800 करोड़ रुपये के आलीशान पटौदी पैलेस में रहती हैं। वह खुद 2,700 करोड़ रुपये की मालकिन हैं। यह और बात है कि शर्मिला हवेली में पेंट के बजाय पुताई कराती हैं। वह भी खर्च बचाने के लिए। यह दिखाता है कि अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग को लेकर वह किस हद तक सजग हैं।

शर्मिला टैगोर और मंसूर अली खान के तीन बच्चे हैं। इनमें सैफ अली खान, सोहा अली खान और सबा अली खान शामिल हैं। सैफ बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता हैं। उनकी शादी मशहूर अभिनेत्री करीना कपूर से हुई है।

बीते दिनों शर्मिला की बेटी सोहा अली खान ने मां के खर्च के तरीकों के बारे में एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि ऐश्वर्यपूर्ण जीवन जीने के बावजूद शर्मिला घरेलू खर्चों में व्यावहारिकता को प्राथमिकता देती हैं। लागत बचाने के लिए वह हवेली को पेंट करने के बजाय सफेदी करवाना पसंद करती हैं।

शर्मिला का ऐसा करना इस बात पर रोशनी डालता है कि परिवार की संपत्ति के बावजूद कैसे वह अपने फाइनेंसेज का मैनेजमेंट करती हैं। यह इस बात पर भी जोर देता है कि हवेली की स्थापत्य सुंदरता उसके साज-सज्जा से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

शर्मिला टैगोर अपने जमाने में बॉलीवुड की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। स्क्रीन पर बिकिनी पहनने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री होने का गौरव भी उन्हें हासिल है। पिता के मार्गदर्शन पर चलते हुए उन्होंने 13 साल की उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। टैगोर ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म कश्मीर की कली से की थी। 1960 के दशक तक उन्होंने वक्त, अनुपमा और चुपके चुपके जैसी फिल्मों के जरिये अपनी खास जगह बना ली। शर्मिला टैगोर और मंसूर अली खान पटौदी की शादी 1968 में हुई थी। यह सबसे चर्चित शादियों में से थी। साल 2011 में 70 साल की उम्र में मंसूर अली खान पटौदी दुनिया से चल बसे थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शर्मिला टैगोर की नेटवर्थ करीब 2,700 करोड़ रुपये है।

एफएंडओ में ट्रेड करने वाले 1.13 करोड़ निवेशकों ने 3 सालों में गंवाए 1.8 लाख करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने बताया कि इक्विटी फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस यानी एफएंडओ सेगमेंट में 10 में से 9 इंडिविजुअल ट्रेडर्स को लॉस हुआ है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अपनी एक लेटेस्ट एनालिसिस रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है। सेबी ने रिपोर्ट में बताया कि पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान 1.13 करोड़ एफएंडओ ट्रेडर्स ने 1.81 लाख करोड़ रुपए गंवा दिए। वित्त वर्ष 2023-24 में ही अकेले निवेशकों को 75000 करोड़ रुपए का नुकसान वायदा कारोबार में ट्रेडिंग करने के चलते हुआ है। शेयर बाजार के रेगुलेटर सेबी ने इक्विटी के डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेड करने पर निवेशकों को हुआ नफा-नुकसान को लेकर एक रिपोर्ट जारी किया है। सेबी की लेटेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है, इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव मार्केट्स में इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स की भागीदारी बढ़ी है। इस वजह से यह स्टडी एफवाय22 से एफवाय 24 के दौरान और सभी कैटेगरी के लिए एफएंडओ में इंडिविजुअल ट्रेडर्स के प्रॉफिट और लॉस पैटर्न का एनालिसिस करने के लिए की गई थी। इससे पहले सेबी ने जनवरी 2023 में एक स्टडी पब्लिश की थी।

अमेरिका में लोन हो गया है सस्ता, भारत के मार्केट में क्या होने वाला है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व (भारत में आरबीआई वैसी ही संस्था है) ने पिछले हफ्ते ब्याज दरों में कटौती के चक्र की शुरुआत कर दी, जिसका काफी समय से इंतजार था। उसने ब्याज दरों में आधा फीसदी की कमी की। मेरिका में मौद्रिक नीति में बदलाव क्यों आया फेडरल रिजर्व के दो दायित्व हैं। पहला, अधिकतम रोजगार के लायक हालात बने रहें। दूसरा, महंगाई दर एक दायरे में रहे। फेडरल रिजर्व ने बताया कि दोनों जिम्मेदारियों को लेकर अभी जो रिस्क है, वह करीब-करीब संतुलित है। महंगाई घट रही है, लेकिन रोजगार में कमी आ रही है।

महंगाई और घटेगी: दुनिया के शेयर बाजारों की नजर भी फेडरल रिजर्व पर रहती है। उसकी कमिटी के मेंबर जो आर्थिक अनुमान पेश करते हैं, वह उनके पिछले अनुमानों से कैसे अलग हैं, बाजार इसे देखकर अपना रास्ता तय करता है। तो इस बार इन मेंबरों ने जो अनुमान पेश किए हैं, उनमें 2024 और 2025 के लिए महंगाई दर के मौजूदा लेवल से नीचे रहने की बात कही गई है।

बेरोजगारी बढ़ेगी : दूसरी ओर, इस साल के अंत और अगले साल में बेरोजगारी दर बढ़ने की आशंका है। 2024 में उन्होंने बेरोजगारी दर का अनुमान 4.4 प्रतिशत का रखा है, जबकि अगले साल के लिए भी इसके 'सामान्य' से ऊपर रहने का डर है। अभी यह 4.2 प्रतिशत के करीब है। इसलिए इस साल के बचे हुए महीनों और अगले साल में ब्याज दरों में और कमी किए जाने की संभावना है।

बाजार का रिएक्शन : वित्तीय बाजार अक्सर भविष्य का अंदाजा लगाकर उसी हिसाब से अपनी चाल तय करते हैं। फेडरल रिजर्व ने पिछले हफ्ते ब्याज दरों में जो कमी की, उसका उसे पहले से अंदाजा था। इसलिए फेडरल रिजर्व के इस कदम के बाद अमेरिकी बॉन्ड यील्ड ऊपर गए, जबकि उन्हें नीचे आना चाहिए था। दूसरी ओर, शेयर बाजार के बढ़ने की आशा थी, लेकिन वे मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

ग्रोथ पर आशा: हमें लगता है कि फेड ने कम महंगाई दर और स्टेबल ग्रोथ का जो अनुमान पेश किया है, उसे 'त्तश्चद्मस्त्रद्बद्मश्चष्म्मह्य' सिचुएशन कहा जाता है यानी इकॉनमी संतुलित और महंगाई दर में कमी का लक्ष्य ग्रोथ पर प्रभाव डाले बगैर हासिल किया जा सके। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने 2024, 2025 और 2026 में जीडीपी ग्रोथ के 2 प्रतिशत के अनुमान को बनाए रखा है, जो ज्यादा ही आशावादी लगता है।

सोना 600 रुपये मजबूत हुआ, चांदी में 1000 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने का भाव सोमवार को 600 रुपये उछलकर 76,950 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 76,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इससके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी 600 रुपये बढ़कर 76,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 76,000 रुपये था।

सूत्रों ने स्थानीय बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी का श्रेय आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती मांग को दिया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की कमजोर मांग के कारण स्थानीय बाजार में सात दिन की तेजी का सिलसिला टूट गया और चांदी 1,000 रुपये गिरकर 90,000 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले सत्र में यह 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के वायदा कारोबार में अक्टूबर डिलिवरी वाले सोने के अनुबंध का भाव 184 रुपये या 0.25 प्रतिशत बढ़कर 74,224 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। दिसंबर डिलिवरी के लिए एक्सचेंज में चांदी का अनुबंध 1,035 रुपये या 1.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89,100 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। अबन्स होल्डिंग्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चिंतन मेहता ने कहा, ''इस साल सोने की कीमतों में 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, और यह अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

मेहता ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने, खासकर पश्चिम एशिया में बड़े पैमाने पर युद्ध के जोखिम के कारण सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में सोने की मांग में और तेजी आई है, क्योंकि इजरायल गाजा पर हमले जारी रखे हुए है।वैश्विक बाजारों में कॉमेक्स सोना 0.04 प्रतिशत बढ़कर 2,647.30 डॉलर प्रति औंस हो गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''सोने की कीमत सोमवार को नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जिसकी वजह स्थिर डॉलर और भौतिक रूप से समर्थित एक्सचेंज-ट्रेडेड कोषों की लगातार मांग रही, क्योंकि अधिक खरीदारों ने आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचने का प्रयास किया।'' हालांकि, एशियाई कारोबारी घंटों में चांदी की कीमत गिरावट के साथ 30.96 डॉलर प्रति औंस पर रही।

एसएंडपी ने भारत की विकास दर का अनुमान 6.8 प्रतिशत पर रखा बरकरार, अक्तूबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसके साथ रेटिंग एजेंसी ने उम्मीद जताई है कि आरबीआई अपनी अक्तूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती शुरू करेगा। एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत पर बरकरार रखा है और कहा है कि भारत में ठोस वृद्धि से रिजर्व बैंक महंगाई दर को अपने निर्धारित दायरे में लाने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा।

एसएंडपी ने कहा, भारत में जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर धीमी रही, क्योंकि उच्च ब्याज दरों ने शहरी मांग को प्रभावित किया, यह पूरे वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए हमारे 6.8 प्रतिशत जीडीपी के अनुमान के अनुरूप है।

पिछले वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत बढ़ी थी। एसएंडपी ने कहा कि जुलाई में पेश किए गए केंद्रीय बजट के अनुसार सरकार राजकोषीय समेकन और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सार्वजनिक व्यय करना जारी रखेगी। बजट में मार्च 2025 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में 11.11 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय निर्धारित किया गया है। एसएंडपी ने कहा कि आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) खाद्य मुद्रास्फीति को दरों में कटौती के लिए एक बाधा मानता है। उसका मानना है कि जब तक खाद्य कीमतों में वृद्धि की दर में स्थायी और सार्थक गिरावट नहीं आती, तब तक हेडलाइन मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर बनाए रखना मुश्किल होगा।

एसएंडपी ने कहा, हमारा दृष्टिकोण अपरिवर्तित बना हुआ है÷ हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई जल्द से जल्द अक्टूबर में दरों में कटौती शुरू कर देगा और इस वित्तीय वर्ष (मार्च 2025 को समाप्त होने वाला वर्ष) में दो बार दरों में कटौती की योजना बनाई है। एसएंडपी को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति औसतन 4.5 प्रतिशत रहेगी। आरबीआई की ब्याज दर निर्धारित करने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक 7-9 अक्तूबर को होनी है। मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लिए केंद्रीय बैंक ने फरवरी 2023 से बेंचमार्क ब्याज दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा है।

सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत पर रखने का निर्देश दिया है, जिसमें +/- 2 प्रतिशत की घट-बढ़ की गुंजाइश है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से अपनी बेंचमार्क ब्याज दर में 50 आधार अंकों की कटौती के बाद, ऐसी उम्मीदें जताई जा रही हैं कि आरबीआई अगले महीने की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती भी कर सकता है।

भारत में फेल हुए तो अमेरिका का किया रुख, अब 64,325 करोड़ के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। विनोद खोसला सिलिकॉन वैली में एक जाना-माना नाम हैं। वह असफलता से सफलता तक के अपने सफर के लिए मशहूर हैं। पुणे में जन्मे खोसला को शुरुआती दिनों में अपने बिजनेस में कई असफलताओं का सामना करना पड़ा। उनके पहले दो बिजनेस कामयाब नहीं हो पाए। फिर उन्होंने अमेरिका का रुख किया। वहीं उनकी किस्मत बदल गई। आज विनोद खोसला सफल भारतीय-अमेरिकी वेंचर कैपिटलिस्ट हैं। उन्होंने अरबों का साम्राज्य खड़ा किया है। आइए, यहां विनोद खोसला की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विनोद खोसला का जन्म पुणे में हुआ था। उनके पिता सैन्य अधिकारी थे। व्यवसाय या तकनीक से कोई नाता न होने के बावजूद खोसला ने हमेशा एक उद्यमी बनने का सपना देखा। 16 साल की उम्र में उन्होंने इंटेल की स्थापना और उसके प्रवासी संस्थापक के बारे में सुना। इसने उन्हें अपना खुद का व्यवसाय बनाने के लिए प्रेरित किया। खोसला ने सफल वेंचर स्थापित करने की दिशा में अपनी लंबी और कठिन यात्रा शुरू की। लेकिन, यह राह बाधाओं से भरी हुई थी। उनका पहला वेंचर सोया दूध कंपनी थी। इसका उद्देश्य भारत में उन लोगों की समस्याओं को हल करना था जिनके पास रेफ्रिजरेटर नहीं थे। वैसे तो यह एक नेक विचार था, लेकिन खोसला इसे जमीन पर उतारने में नाकाम रहे। यह उद्यम फेल साबित हुआ। हालांकि, खोसला निराश नहीं हुए। हायर एजुकेशन के लिए वह अमेरिका चले गए। उन्होंने कार्नेगी मेलन विश्वविद्यालय से बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की। बाद में उनकी उद्यमशीलता की महत्वाकांक्षाओं ने उन्हें सिलिकॉन वैली पहुंचाया जहां उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए किया। खोसला का दूसरा वेंचर डेजी सिस्टम्स था। इसे कुछ हद तक सफलता मिली। आखिरकार 1982 में सन माइक्रोसिस्टम्स का निर्माण हुआ क्योंकि डेजी सॉफ्टवेयर को चलाने के लिए कस्टम कंप्यूटर हार्डवेयर की जरूरत थी। खोसला ने अपने लंबे समय के दोस्त जॉन डोएर के साथ मिलकर क्लेनर पर्किन्स कॉफील्ड एंड बायर्स की सह-स्थापना की।

खोसला 1986 में केपीसीबी में एक सामान्य भागीदार के रूप में शामिल हुए और चिप-निर्माण बाजार में इंटेल के एकाधिकार को चुनौती देने के लिए सेमीकंडक्टर फर्म नेक्स्टजेन के निर्माण में मदद की। नेक्स्टजेन को बाद में एडवांस्ड माइक्रो डिवाइसेस ने अधिग्रहित कर लिया- जो सेमीकंडक्टर बाजार में इंटेल की मुख्य प्रतियोगी है। लगभग दो दशकों तक कई अभूतपूर्व उपक्रमों में शामिल रहने के बाद 2004 में खोसला ने खोसला वेंचर्स की स्थापना की। यह एक वेंचर कैपिटलिस्ट फर्म है। इस इन्वेस्टमेंट फर्म ने उनकी कुल संपत्ति को आसमान पर पहुंचा दिया। वह करीब 64,325 करोड़ रुपये (7.7 अरब डॉलर) के मालिक हैं। खोसला सिलिकॉन वैली से उभरने वाली सबसे बड़ी सफलता की कहानियों में से एक हैं। उनके पास एक भव्य हवेली और प्राइवेट बीच (समुद्र तट) के साथ 53 एकड़ की प्रॉपर्टी है। खोसला आइआइटी दिल्ली के पूर्व छात्र हैं जहां उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। भारतीय-अमेरिकी बिजनेस मैग्नेट

जडेजा के लिए कानपुर टेस्ट होगा खास

नई दिल्ली, एजेंसी। रविंद्र जडेजा कागजों पर कभी भारतीय स्पिन अटैक की अगुआई करते नहीं दिखते। वाइट बॉल फॉर्मेट में स्पिन डिपार्टमेंट में कुलदीप यादव या युजवेंद्र चहल अगुआई करते दिखते हैं तो रेड बॉल में स्पिन फ्रंट का जिम्मा रविचंद्रन अश्विन संभालते हैं। हालांकि, जब टीम मैदान पर उतरती है तो यह थ्री-डायमेंशनल प्लेयर हर विभाग में अपनी मौजूदगी दर्ज करा देता है।

कौन सा रिकॉर्ड बनाएंगे जडेजा

27 सितंबर से शुरू होने वाले कानपुर टेस्ट में जडेजा के पास टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट और 3000 रन के 'ग्रैंड डबल' को हासिल करने वाले खिलाड़ियों के एलीट क्लब में शामिल होने का मौका होगा। जड्डू के नाम अभी 299 विकेट और 3122 रन दर्ज हैं। भारत के दो खिलाड़ियों अश्विन और कपिल देव सहित अब तक दुनिया के केवल 10 खिलाड़ी ही इस उपलब्धि को हासिल कर पाए हैं।

टीम की जीत में अहम रोल निभाने के बावजूद जडेजा को उतनी सुर्खियां नहीं मिलतीं। टेस्ट में कई बार ऐसा हुआ है जब जडेजा ने भारत को मुश्किल से निकाला है। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में

भारत की 280 रन की जीत के दौरान भी इसका नजारा देखने को मिला जब 144 रन पर छह विकेट गंवाने के बाद जडेजा और अश्विन ने सातवें विकेट के लिए 199 रन की साझेदारी करके भारत को 376 रन तक पहुंचाया। जडेजा ने 86 रन बनाए, लेकिन चर्चा अश्विन के शतक पर केंद्रित रही। जडेजा ने मैच में पांच विकेट चटकाए, लेकिन अश्विन ने दूसरी पारी में छह विकेट हासिल करके यहां भी उन्हें पीछे छोड़ दिया।

अश्विन भी लेते हैं प्रेरणा

इस बात पर खूब चर्चा हुई कि अश्विन ने किस तरह से बांग्लादेश के अनुभवी बाएं हाथ के बल्लेबाज शाकिब अल हसन के खिलाफ कोणों का इस्तेमाल करके उन्हें आउट करने की नींव रखी।

उन्होंने पहले टेस्ट के बाद कहा, 'कभी-कभी जब आप अपने साथी क्रिकेटर्स के साथ दौड़ में होते हैं तो आप एक-दूसरे से आगे निकलना चाहते हैं। फिर आप धीरे-धीरे एक-दूसरे की प्रशंसा करने लगते हैं। यह जानते हुए कि मैं जडेजा को कभी नहीं हरा सकता। इसलिए मैं अपने खेल में सहज हूं, लेकिन उन्होंने जो किया है, उससे पूरी तरह प्रेरित हूं।

भारतीय जूनियर निशानेबाज पेरू में चमक बिखेरने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। 40 निशानेबाज, 14 कोच और पांच सहयोगी कर्मचारियों सहित 60 भारतीयों का पहला दल 26 सितंबर से 7 अक्टूबर तक होने वाली अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व चैम्पियनशिप राइफल भाग लेने के लिए पेरू की राजधानी लीमा रवाना होने के लिए तैयार हैं। पिछले वर्ष कोरिया के चांगवान में आयोजित जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में भारत ने छह स्वर्ण सहित 17 पदक जीते थे और पदक तालिका में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। चैंपियनशिप के लिए पहले ही 35 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई थी। इस टीम में भारतीय निशानेबाजी के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय जूनियर सर्किट के कई स्थापित नाम शामिल हैं, जिनमें अभिनव शॉ, गौतमी भनोट, पार्थ राकेश माने, शांभवी, विभूति भाटिया, शार्दुल विहान, सबीरा हारिस, भव्या त्रिपाठी, हरमेहर सिंह लाली और भवतेग सिंह गिल जैसे खिलाड़ी हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने सोमवार को बताया कि मुकेश नेलावल्ली एकमात्र निशानेबाज होंगे जो क्रमशः दो स्पर्धाओं, पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में हिस्सा लेंगे। 20 निशानेबाजों और दो कोच वाला दूसरा बैच एक सप्ताह बाद रवाना होगा, क्योंकि उनके मैच चैंपियनशिप के दूसरे हॉफ में निर्धारित हैं।

श्रीलंका की जीत से डब्ल्यूटीसी में उथल-पुथल, टीम इंडिया के लिए समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका ने शानदार खेल दिखाते हुए गॉल टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड को 63 रनों से हरा दिया. इस मुकाबले में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 275 रनों का टारगेट मिला था, लेकिन उसकी पूरी टीम खेल के पांचवें दिन (23 सितंबर) 211 रनों पर सिमट गई. इस जीत के साथ ही श्रीलंकाई टीम ने टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली. सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला 26 सितंबर से इसी मैदान पर खेला जाएगा.

गॉल टेस्ट में जीत के बाद श्रीलंकाई टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के पॉइंट्स टेबल में फायदा हुआ है. श्रीलंकाई टीम अब एक स्थान के फायदस् से अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गई है. श्रीलंका ने मौजूदा चक्र में कुल आठ मैच खेले हैं, जिसमें उसने चार में जीत हासिल की है. जबकि इतने ही मुकाबलों में श्रीलंका को हार का सामना करना पड़ा. श्रीलंका के 50 प्रतिशत अंक और 48 पॉइंट हैं.

श्रीलंका की टीम मौजूदा चक्र में अब अधिकतम 69.23 प्रतिशत अंक हासिल कर सकती है जो उसे अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त होगा. हालांकि टीम को इसके लिए न्यूजीलैंड को एक बार फिर हराना होगा और फिर साउथ अफ्रीका के साथ ही ऑस्ट्रेलिया का सूपड़ा साफ करना होगा.

टॉप पर मौजूद भारत के लिए हैं ये समीकरण

बता दें कि भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की अंकतालिका में फिलहाल पहले स्थान पर है. उसके अब तक 10

मैचों में 7 जीत, दो हार और एक ड्रॉ से 86 अंक हैं. उसके अंकों का प्रतिशत 71.66 है. भारत को अब मौजूदा चक्र में 9 मैच और खेलने हैं. भारतीय को नवंबर में पांच टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है. उस दौरे से पहले उसे बांग्लादेश के खिलाफ 1 और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं. इन 9 टेस्ट मैचों में भारत यदि चार मैच जीत जाता है और एक मुकाबले को ड्रॉ करता है, तो भारत की फाइनल में एंट्री तय हो जाएगी. ऐसी स्थिति में भारत को 64 प्रतिशत अंक मिलेंगे, जो फाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त होगा. भारत ने पिछली बार 58.8 प्रतिशत अंकों के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था. तब फाइनल मुकाबले में भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 209 रनों से हार झेलनी पड़ी थी.

डब्ल्यूटीसी टेबल में ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है. कंगारू टीम के 12 मैच में 8 जीत, तीन हार एवं एक ड्रॉ से 90 अंक हैं. उसका अंक प्रतिशत 62.50 है. उधर श्रीलंका के खिलाफ मिली हार के चलते न्यूजीलैंड की टीम डब्ल्यूटीसी टेबल में चौथे स्थान पर फिसल गई है. न्यूजीलैंड के सात मैचों में 42.86 प्रतिशत अंक और 36 पॉइंट हैं. वहीं इंग्लैंड पांचवें और बांग्लादेश छठे पायदान पर है.

पाकिस्तान टीम की हालत खराब

जबकि साउथ अफ्रीका सातवें, पाकिस्तान आठवें और वेस्टइंडीज नौवें नंबर पर है. कहने का अर्थ यह है कि ड्ब्लूअष्ट टेबल में पाकिस्तान सिर्फ वेस्टइंडीज से आगे है. इसके बाद श्रीलंका चौथे, इंग्लैंड पांचवें और बांग्लादेश छठे पायदान पर है.

बांग्लादेश चेन्नई टेस्ट मैच से पहले चौथे नंबर पर था, लेकिन भारत से मिली हार से उसे नुकसान हुआ.

वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का यह तीसरा चक्र है, जो 2023 से 2025 तक चलेगा. इस तीसरे चक्र के लिए आईसीसी पॉइंट्स सिस्टम से जुड़े नियमों को पहले ही रिलीज कर चुकी है. टेस्ट मैच जीतने पर टीम को 12 अंक, मैच ड्रॉ होने पर 4 अंक और मुकाबला टाई होने पर 6 पॉइंट मिलेंगे.

वहीं मैच जीतने पर 100 फीसदी, टाई होने पर 50 फीसदी, ड्रॉ होने पर 33.33 फीसदी और हार पर शून्य फीसदी अंक जोड़े जाएंगे. किसी दो मैच की सीरीज में कुल 24 प्वाइंट और पांच मैच की सीरीज में 60 अंक उपलब्ध होंगे. डब्ल्यूटीसी टेबल में जीत प्रतिशत के आधार पर रैंकिंग का प्राथमिक तौर पर निर्धारण होता है.

इस अनजान क्रिकेटर ने लिए 10 विकेट हासिल किया अनिल कुंबले वाला परफेक्ट 10

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट इतिहास में ऐसे कम ही मौके आए जब किसी गेंदबाज ने एक पारी में सभी 10 विकेट लिए. इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा कारनामा सिर्फ तीन बार हुआ है. इंग्लैंड के महान जिम लेकर, पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले और एजाज पटेल (न्यूजीलैंड) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं. तीनों ने ही टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनाम किया.

अब मुंबई की प्रतिष्ठित कांगा लीग में एक गेंदबाज ने पारी में 10 के 10 विकेट ले लिए. इस गेंदबाज का नाम है- शोएब खान. बाएं हाथ के स्पिनर शोएब कांगा लीग ई-डिवीजन में गौड़ सारस्वत क्रिकेट क्लब के लिए खेल रहे थे. गवर्नमेंट लॉ कॉलेज की पिच पर शोएब ने बिना ब्रेक के लगातार 17.4 ओवर गेंदबाजी की और जौली क्रिकेटर्स के सभी 10 बल्लेबाजों को आउट किया.

शोएब खान की कातिलाना गेंदबाजी के चलते जौली क्रिकेटर्स की टीम

67 रन पर आउट हो गई. जवाब में गौड़ सारस्वत ने अंकुर दिलीपकुमार सिंह के नाबाद 27 रन की बदौलत छह विकेट पर 69 रन बनाकर अपनी पारी घोषित की. इसके बाद जॉली क्रिकेटर्स ने अपनी दूसरी पारी में 36-3 रन बनाए. पहली पारी की लीड के आधार पर गौड़ सारस्वत ने जीत हासिल की.

...जब कुंबले-लेकर और एजाज ने रचा इतिहास

बता दें जिम लेकर ने साल 1956 में मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 53 रन देकर 10 रन विकेट लेने के अद्भुत आंकड़े दर्ज किए थे. वहीं अनिल कुंबले ने साल 1999 में नई दिल्ली में पाकिस्तान के खिलाफ 26.3 ओवर्स में 74 रन देकर 10 विकेट चटकाए थे. फिर एजाज पटेल ने दिसंबर 2021 में भारत के खिलाफ वानखेड़े टेस्ट मैच में 119 रन देकर 10 विकेट हासिल किए.

एमएस धोनी ने फिर जीता दिल!

सीएसके से लेंगे सिर्फ इतनी रकम! खुद कम की अपनी सैलरी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भले ही आईपीएल में अब चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान नहीं हैं, लेकिन उनकी फैन फॉलोइंग में कोई कमी नहीं आई है. आज भी उनके फैंस पूरे स्टेडियम को पीले रंग में रंग देते हैं. धोनी भी अपने किसी न किसी फैसले से फैंस का दिल जीतते रहते हैं. इस बीच एक ऐसी खबर आई है, जिससे माही एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं. फैंस उनके इस फैसले को खूब पसंद कर रहे हैं. इसमें कोई शक नहीं है कि धोनी के दिल में चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी की एक खास जगह है. वो कई बार इसे जगजाहिर भी कर चुके हैं. एक बार फिर धोनी ने टीम के लिए एक बड़ा फैसला लिया है. रिपोर्ट के मुताबिक, धोनी आईपीएल 2025 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स से सिर्फ 6 करोड़ रुपये ही लेंगे. रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल 2025 के लिए रवींद्र जडेजा, ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे और मथीषा पथिराना को रिटेन करेगी. हालांकि, ऐसा तब होगा, जब धोनी एक अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में रिटेन किए जाएंगे. अगर धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में रिटेन करने की अनुमति नहीं मिलती है तो फिर चेन्नई अपने प्लान में बदलाव कर सकती है.

गजब का डिमोशन हुआ भाई सरफराज का, 2024 में रहे अनसोल्ड क्या 2025 में चमकेगी किस्मत

नईदिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दौरान भारत के लिए टेस्ट डेब्यू किया था और फिर तीन टेस्ट मैचों में उन्होंने 200 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भी भारतीय टीम में जगह मिली, लेकिन 2024 आईपीएल उनके लिए अच्छा नहीं था।इस सीजन के लिए यानी आईपीएल 2024 के लिए जब नीलामी हुई थी तब सरफराज खान को किसी भी टीम ने खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। अब आईपीएल 2025 के लिए नीलामी शायद दिसंबर में किया जाएगा तो क्या भारतीय टेस्ट टीम में जगह बना चुके सरफराज खान की किस्तम चमकेगी या फिर वो खाली हाथ रह जाएंगे। सरफराज खान ने 2018 से लेकर 2023 में आईपीएल में खेला था, लेकिन उनकी प्राइस में बहुत बड़ा फर्क आ गया था।सरफराज खान ने अपने आईपीएल क्रिकेट करियर की शुरुआत साल 2018 में की थी और इस साल उन्हें आरसीबी ने अपने साथ जोड़ा था और उन्हें एक सीजन के लिए 3 करोड़ रुपये भी दिए थे। सरफराज खान उस वक्त अनकैप्ड प्लेयर थे और ये रकम उस वक्त काफी बड़ी थी, लेकिन अगले सीजन के लिए यानी 2019 के लिए उन्हें आरसीबी ने रिलीज कर दिया था। इसके बाद यानी 2019 में सरफराज खान को पंजाब किंग्स ने 25 लाख रूपये में खरीदा था और वो इस टीम के साथ 2019 से लेकर 2021 तक जुड़े रहे।सरफराज खान को 2021 के बाद पंजाब किंग्स ने रिलीज कर दिया और फिर उन्हें दिल्ली कैपिटल्स का सहारा मिला।

सिर्फ 8 रन पर झटके 7 विकेट, ऑस्ट्रेलियाई बॉलर के कहर से कांपे बल्लेबाज

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट कैलेंडर एक बार फिर अपने पूरे रंग में है. भारत समेत दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में टॉप इंटरनेशनल टीम अलग-अलग फॉर्मेट के मुकाबलों में लगी हुई हैं, जिन पर सबकी नजरें हैं. इससे अलग डॉमेस्टिक टूर्नामेंट भी हो रहे हैं, जहां कुछ शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया के डॉमेस्टिक लिस्ट-ए टूर्नामेंट वनडे कप में सोमवार को ऐसा ही एक हैरतअंगेज नजारा देखने को मिला, जहां तेज गेंदबाज सैम एलियट ने सिर्फ 8 रन पर 7 विकेट हासिल कर लिए. इसके बाद उन्होंने बल्ले से भी टीम को जीत तक पहुंचाने में योगदान दिया.

जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम इन दिनों इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज खेल रही है, वहीं उसके घर में भी वनडे टूर्नामेंट चल रहा है. इसी टूर्नामेंट में सोमवार 23 सितंबर को मेलबर्न में हुए मुकाबले में विक्टोरिया के सैम एलियट

ने तहलका मचा दिया. मेलबर्न के जंक्शन ओवल की हरी-भरी पिच पर खेले गए इस मुकाबले में बड़े स्कोर नहीं बने और उसकी वजह एलियट की घातक गेंदबाजी थी. लंबे कद के इस तेज गेंदबाज ने तस्मानिया की बल्लेबाजी की तबाह कर दिया और पूरी टीम सिर्फ 126 रन पर ढेर हो गई.

चौथे नंबर पर बॉलिंग के लिए आए एलियट के कहर से पहले ही तस्मानिया ने दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद तो बस सैम एलियट का ही नाम स्कोरबोर्ड पर हर विकेट के आगे दिखता रहा. 11वें ओवर में बॉलिंग के लिए आए एलियट ने पहली ही गेंद पर विकेट हासिल कर लिया था.इसके बाद अपने 8 ओवर में अगले 7 विकेट चटका दिए. एक वक्त पर एलियट ने सिर्फ 6.2 ओवर की गेंदबाजी में ही 7 विकेट चटका दिए थे, जबकि उनके खिलाफ सिर्फ 8 रन बने थे. उनकी आखिरी 8 गेंदों पर 4 रन आए और इस तरह एलियट ने पारी का अंत 8 ओवर में 12 रन देकर 7 विकेट के साथ किया. एलियट की ये गेंदबाजी वनडे कप के 55 साल के इतिहास में दूसरा सबसे शानदार प्रदर्शन है.

हालांकि एलियट 20 साल पहले बने रिकॉर्ड की बराबरी करने से चूक गए. 2004 में ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ पेसर शॉन टैट ने 43 रन देकर 8 विकेट हासिल किए थे. उन्होंने जॉश हेजलवुड (7/36) और मिचेल स्टार्क (6/25) जैसे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दिग्गज गेंदबाजों को भी पीछे छोड़ दिया. अगर इतना काफी नहीं था, एलियट ने इसके बाद बल्लेबाजी में भी अहम योगदान देकर टीम को जीत दिलाई. रनचेज के दौरान विक्टोरिया ने सिर्फ 72 रन पर 6 विकेट गंवा दिए थे, जब 8वें नंबर पर एलियट बैटिंग के लिए आए.

किरण राव की फिल्म लापता लेडीज़ की ऑस्कर में एंट्री सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में नॉमिनेट

निर्देशक किरण राव की बहुप्रतीक्षित फिल्म लापता लेडीज ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। इस फिल्म को 2024 के ऑस्कर अवॉर्ड्स में सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म की श्रेणी में आधिकारिक रूप से भारत की ओर से नामांकित किया गया है। यह फिल्म देशभर में चर्चा का विषय बनी हुई है और अब ऑस्कर की दौड़ में शामिल होकर वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। लापता लेडीज एक सामाजिक व्यंग्य और दिलचस्प कहानी है, जिसमें ग्रामीण भारत की दो लड़कियों के अचानक गायब हो जाने की कहानी को हास्य और संवेदनशीलता के साथ दिखाया गया है। फिल्म का निर्देशन किरण राव ने किया है, जो अपनी पहली फिल्म धोबी घाट से ही अपने अनूठे सिनेमाई दृष्टिकोण के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म में समाज की जटिलताओं और महिलाओं के मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी स्क्रिप्ट बिप्लब गोस्वामी की अवॉर्ड विनिंग कहानी पर आधारित है। फिल्म के स्क्रीनप्ले और डायलॉग को स्नेहा देसाई द्वारा लिखा गया है, जबकि बाकी डायलॉग्स को दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखा गया है.

अभिनेता सुनील शेट्टी ने बागवानी को जीवन से जोड़ा

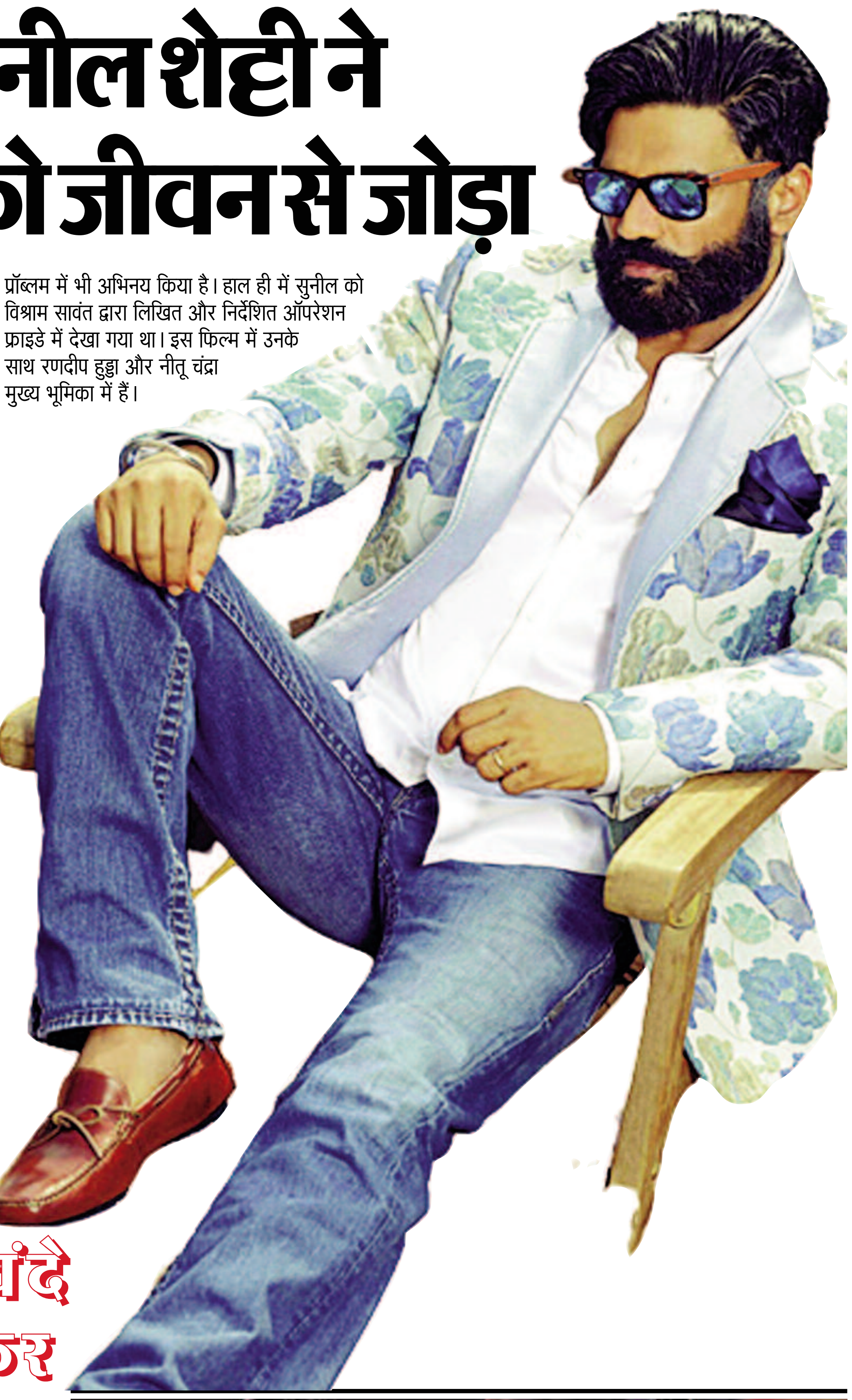

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी बता रहे हैं कि उन्हें बागवानी में सुकून मिलता है। वीडियो में उन्हें अपने पौधों की छंटाई और ट्रिमिंग करते देखा जा सकता है, जो उन्हें तरोताजा रखने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि कैसे पुरानी शाखाओं को काटने का कार्य जीवन को दर्शाता है। कभी-कभी पुरानी शाखाओं को हटाने से नई शाखाओं के लिए जगह बनती है। इंस्टाग्राम पर पांच मिलियन फॉलोअर्स वाले सुनील ने अपने रविवार के थेरेपी सत्र का एक रील वीडियो शेयर किया। ग्रे टी शर्ट और नीले शॉर्ट्स में कैजुअल तरीके से नजर आ रहे अभिनेता को अपने आलीशान घर में पौधों की छंटाई करते देखा जा सकता है। कैप्शन में उन्होंने छंटाई की चिकित्सीय प्रकृति का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि पौधों की छंटाई में कुछ जादू होता है। पुराने भागों को काटकर अलग कर देना, ताकि बाकी भाग पनप सकें। यह न केवल मेरे पौधों के लिए, बल्कि मेरे लिए भी रीसेट बटन दबाने जैसा है। थोड़ी छंटाई, थोड़ी ताजी हवा, और फिर हम दोनों फिर से बढ़ने के लिए तैयार हैं। कभी-कभी हम सभी को पुराने चीजों को हटाने की जरूरत होती है, ताकि नए के लिए जगह बने और रोशनी अंदर आए। उनके करियर की बात करें तो 62 वर्षीय अभिनेता ने 30 साल से अधिक के करियर में 100 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने 1992 में दिव्या भारती के साथ बलवान से हिंदी फिल्मों में अपनी शुरुआत की। इसके बाद वह वक्त हमारा है, दिलवाले, अंत, मोहरा, गोपी किशन, कृष्णा, रक्षक, बॉर्डर, जज मुजरिम, विनाशक - डिस्ट्रॉयर, बड़े दिलवाला, हेरा फेरी, रिफ्यूजी, धड़कन, प्यार इश्क और मोहब्बत, आवारा पागल दीवाना, जानी दुश्मन- एक अनोखी कहानी, कयामत- सिटी अंडर थ्रेट, एलओसी कारगिल, मैं हूं ना, हलचल जैसी फिल्मों में नजर आए। उन्होंने शादी से पहले, फिर हेरा फेरी, अपना सपना मनी मनी, मिशन इस्तांबुल, दे दना दन और नो प्रॉब्लम में भी अभिनय किया है। हाल ही में सुनील को विश्राम सावंत द्वारा लिखित और निर्देशित ऑपरेशन फ्राइडे में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ रणदीप हुड्डा और नीतू चंद्रा मुख्य भूमिका में हैं।

ईशा ने लंबे समय बाद वंदे भारत ट्रेन से किया सफर

अभिनेत्री ईशा देओल लंबे समय के बाद ट्रेन की सवारी करती नजर आई। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए बताया कि वह वंदे भारत ट्रेन में सफर कर रही है। अभिनेत्री ईशा देओल ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अभिनेत्री को अपनी ट्रेन राइड के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है।

ईशा ने वीडियो में ट्रेन में चढ़ने के से लेकर मुंबई सेंट्रल और कुछ सेल्फी के जरिए अपने कुछ शानदार पल शेयर किए। बता दें कि अभिनेत्री ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि वह आखिर वंदे भारत ट्रेन में सफर करके कहां जा रही हैं। इस वीडियो क्लिप में अभिनेत्री कह रही हैं, मैं बहुत लंबे समय बाद ट्रेन की सवारी कर रही हूं। हम वंदे भारत से जा रहे हैं। अभिनेत्री ईशा देओल ने इस पोस्ट को ट्रेन राइड ,ट्रैवलडायरीज ,ट्रेनराइड, मुंबई सेंट्रल , वंदेभारत ,वर्कमोड ,स्मूथराइड ,रीलिटफीलिट ,ट्रेंडिंगरील्स ,इंडिया ,हूडी , माईस्टाइल, इंडियन इंफ्रास्ट्रक्चर ,एटिट्सबेस्ट ,चिल और लव जैसे हैशटैग के साथ पोस्ट किया। बता दें कि वंदे भारत एक्सप्रेस भारतीय रेलवे द्वारा संचालित एक मध्यम दूरी की सुपरफास्ट एक्सप्रेस सेवा है। यह ट्रेन सरकार की ओर से चलाई जा रही मेक इन इंडिया की पहल का एक हिस्सा है। इसकी व्यावसायिक सेवा 15 फरवरी 2019 को शुरू की गई। अगर ईशा देओल के करियर की बात करें तो उन्होंने 2002 में विनय शुक्ला की कोई मेरे दिल से पूछे से अपनी अभिनय यात्रा की शुरूआत की।

शहनाज गिल ने कराया ऐसा जबरदस्त फोटोशूट

शहनाज गिल ने अपना ग्लैमरस फोटोशूट कराया है और इसे एक बार देखना जरूर बनता है। बिग बॉस 13 से फैन्स के दिलों पर राज करने वालीं शहनाज अपने इस रेड-वाइट फोटोशूट में खूब बिजली गिरा रही हैं। शहनाज की इन तस्वीरों नें उन्हें खूब सारा प्यार अपने फैन्स से मिल रहा है।

शहनाज गिल ने अपनी इन लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उन्होंने अलग-अलग पोज और अंदाज दिखाया है। शहनाज अपनी हर तस्वीर में उतनी ही दिलकश और कातिलाना दिख रही हैं। शहनाज की इन तस्वीरों की लोग खूब तारीफें करते दिख रहे हैं। आम फैन्स के साथ-साथ उनके क्लोज फ्रेंड्स भी लगातार प्यार बरसा रहे हैं।

पेरिस में ऐश्वर्या राय और आलिया भट्ट ने बिखेरी दमकती खूबसूरती, एक ने अदाओं से तो दूसरी ने क्यूटनेस से जीता दिल

ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक 2024 में रैंप वॉक करके एक बार फिर हर किसी का दिल जीत लिया है। एक शानदार ड्रेस पहने हुए ऐश्वर्या ने अपने लुक को पेरिस में इस तरह से दिखाया कि इस हसीना का हर कोई कायल हो गया। दूसरी तरफ हैं आलिया भट्ट, जिनके फैंस के लिए उन्हें वहां देखना सबसे ज्यादा एक्साइटिंग था। आलिया इतनी खूबसूरत लग रही हैं कि उनकी तारीफ में शब्द ही कम पड़ जाएं। ऐश्वर्या राय ने लरहराते बालों के साथ जब एंट्री की तो जैसे सारे दिल थम गए हों। उन्होंने वॉक खत्म करके नमस्ते के साथ सबका स्वागत किया।

इससे पहले इवेंट में, ऐश्वर्या ने ब्रिजर्टन स्टार सिमोन एशले के साथ एक मजेदार पल शेयर किया था। उन्हें ईवा लोंगोरिया और कैमिला कैबेलो के साथ बातचीत करते हुए देखा गया था। एक स्टाइलिश काले पैंटसूट पहने हुए वो बेटी आराध्या बच्चन के साथ एंट्री कर रही थीं और तभी ऐश्वर्या ने अपनी शादी की अंगूठी भी फ्लॉन्ट की।

ऐश्वर्या राय को बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड

वर्कफ्रंट पर, ऐश्वर्या ने हाल ही में मणिरत्नम की पोन्नियिन सेलवन 2 में अपनी शानदार परफॉर्मेंस के लिए SIIMA अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता। यह अवॉर्ड उन्हें फिल्ममेकर कबीर खान ने दिया और ऐश्वर्या ने फैंस का दिल से शुक्रिया भी किया। इस दौरान पूरी पोन्नियिन सेलवन टीम और उनकी बेटी भी मौजूद थीं।

आलिया भट्ट का रैंप वॉक

वहीं, दूसरी तरफ बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट ने सोमवार को पेरिस फैशन वीक में ग्लैमरस अंदाज में डेब्यू किया। ब्यूटी ब्रांड लोरियल पेरिस के लिए, हाईवे एक्ट्रेस ने स्टाइल में रैंप वॉक किया। वह मैटेलिक सिल्वर बस्टियर पहने नजर आईं, जिसे उन्होंने ब्लैक ऑफ-शोल्डर जंप सूट के साथ पेयर किया था। मेकअप के लिए उन्होंने हल्का सा टच-अप किया था और इतने से ही आलिया बेहद प्यारी लग रही थीं।

जैकी और वाशु भगनानी ने अली अब्बास जफर के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

लगाया फंड के दुरुपयोग का आरोप

पूजा एंटरटेनमेंट के वाशु भगनानी और जैकी भगनानी ने फिल्म निर्माता अली अब्बास जफर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है, जिसमें उन पर बड़े मियां छोटे मियां के निर्माण के दौरान पैसे की हेराफेरी करने का आरोप लगाया गया है। भारतीय फिल्म उद्योग में प्रमुख हस्तियां वाशु भगनानी और जैकी भगनानी ने 3 सितंबर, 2024 को बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, अली अब्बास जफर ने कथित तौर पर फिल्म की शूटिंग के लिए अबू धाबी अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई सब्सिडी राशि को हड़प लिया। शिकायत मुख्य तौर पर अली अब्बास जफर द्वारा बड़े मियां छोटे मियां के निर्माण के दौरान अबू धाबी अधिकारियों से प्राप्त सब्सिडी के कथित दुरुपयोग पर है।

जैकी और वाशु भगनानी का दावा है कि फिल्म के निर्माण में सहायता के लिए जो धनराशि दी गई थी, उसे अली अब्बास जफर ने निजी या अनधिकृत उपयोग के लिए इस्तेमाल किया। इस आरोप ने उद्योग जगत में चिंता पैदा कर दी है, खासकर इसलिए, क्योंकि पूजा एंटरटेनमेंट को बॉलीवुड में बिग बजट वाली फिल्में बनाने के लिए जाना जाता है।

अपनी शिकायत में वाशु भगनानी-जैकी भगनानी ने अली अब्बास जफर पर 9.50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया और उन पर जबरदस्ती, आपराधिक विश्वासघात, जबरन वसूली, ब्लैकमेलिंग, आपराधिक धमकी, उत्पीड़न, आपराधिक मानहानि और मनी लॉन्ड्रिंग' का आरोप लगाया। शिकायत में आगे आरोप लगाया गया कि अली अब्बास जफर ने अबू धाबी में एक फर्जी कंपनी के जरिए इन पैसों का इस्तेमाल किया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बांद्रा पुलिस स्टेशन में आधिकारिक रूप से शिकायत दर्ज होने के कुछ समय बाद ही ये खबरें फैलने लगीं। हालांकि, तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पुलिस मामले की आगे की जांच के लिए अली अब्बास जफर को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

नोरा फतेही ने अपने अगले गाने के लिए इंटरनेशनल आर्टिस्टके साथ किया कोलैबोरेट

एक म्यूजिकल ट्रीट के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि नोरा फतेही ने हालही में अपना अगला बहुप्रतीक्षित ट्रैक रैप-अप किया है।

इंस्टाग्राम पर 47 मिलियन से ज़्यादा लोगों की फैन फॉलोइंग वाली ग्लोबल सेंसेशन ने अपने आने वाले शानदार नए ट्रैक के लिए इंटरनेशनल आर्टिस्ट के साथ मिलकर काम किया है, जिसमें नोरा की यूनिक स्टाइल और इनोवेटिव साउंड को मिलाकर एक ऐसा फ्यूजन बनाया गया है, जो ज़रूर हिट होगा। आने वाले गाने को अगले हफ़्ते रिलीज़ किया जाएगा। एफ्रो बीट्स के फ्यूज़न के साथ, इस गाने में ग्लोबल स्टार को एक और शानदार अवतार में दिखाया जाएगा। इससे पहले, नोरा ने दिलबर के अरेबिक वर्जन के साथ अपना सिंगिंग डेब्यू करके दर्शकों पर एक प्रभावशाली छाप छोड़ा।

'बिग बॉस 18' शुरू होने से ठीक पहले धीरज धूपर का बदला इरादा, अब शो में नहीं आएंगे नजर?

टीवी के सबसे बड़े रिएलिटी शो 'बिग बॉस 18' का फैंस को बेसब्री से इंतजार हो रहा है। इसके कंफर्म कंटेस्टेंट्स की लिस्ट सामने आने के बाद इसकी प्रीमियर डेट और टाइम का अपडेट भी सामने आ चुका है। शो 6 अक्टूबर से कलर्स टीवी और जियो सिनेमा पर शुरू हो रहा है। जैसे-जैसे शो की प्रीमियर डेट नजदीक आ रही है, सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को लेकर तमाम खबरे सोशल मीडिया पर आ रही हैं। पहले खबर आई थी कि ईशा कोप्पिकर ने बैकआउट कर लिया है और धीरज धूपर को लेकर भी इस तरह की न्यूज आ रही है। 'बिग बॉस' के शो की हर एक अपडेट देने वाले सोशल मीडिया इसकी जानकारी दी है। बिग बॉस तक ने ट्विटर पर लिखा, ईशा कोप्पिकर के बाद, अब हमने सुना है कि धीरज धूपर भी 'बिग बॉस 18' से पीछे हट रहे हैं। इसका कारण यह हो सकता है कि निर्माता अतिरिक्त मांग और विशेष धाराओं पर सहमत नहीं हुए।